29 मार्च, 2025
चैत्र, कृष्ण पक्ष, अमावस्या
संवत 2081
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
शनिवार, वर्ष 10, अंक 158

* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

कोकर में कोहराम, दो सगे भाई रीमिक्स फॉल में डूबे

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

झारखण्ड के लगभग 4 करोड़ लोगों का अबुआ बजट 2025-26

₹1 लाख 45 हजार 400 करोड़ का कुल बजट

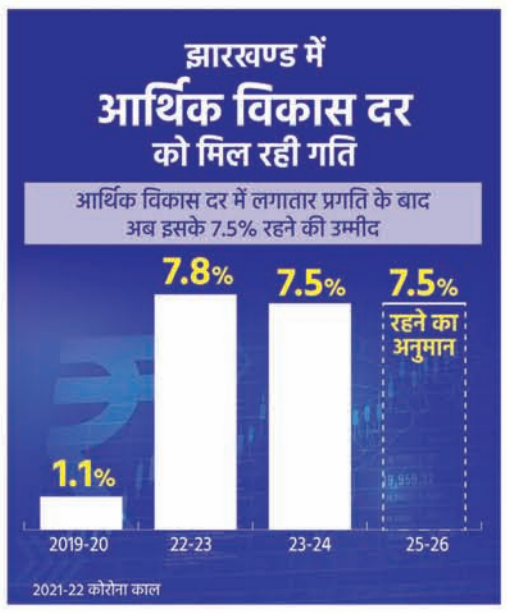

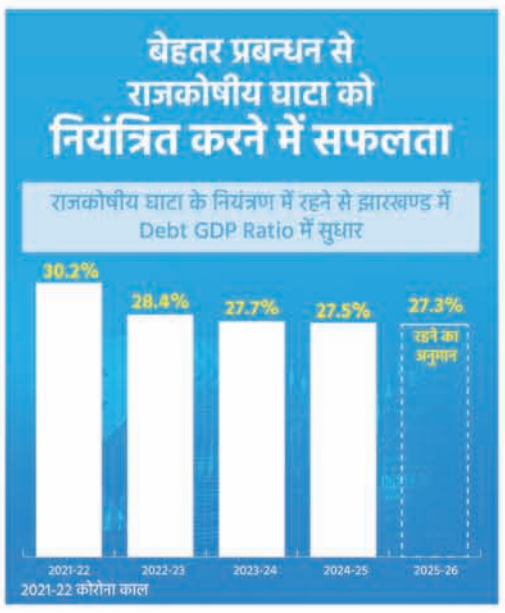

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

सामाजिक सुरक्षा के लिए
₹22 हजार 23 करोड़
33 लाख 85 हजार

ग्रामीण क्षेत्र में आय के स्रोत के लिए
12 करोड़ मानव दिवस सृजन

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमियों के लिए
MSME निदेशालय
की स्थापना

प्रारंभिक/माध्यमिक के लिए
₹15 हजार 198 करोड़ 35 लाख

उच्च एवं तकनीकी के लिए
₹2 हजार 409 करोड़ 20 लाख 96 हजार

स्वास्थ्य सुविधा के लिए
₹7 हजार 470 करोड़
50 लाख 86 हजार

पंचायती राज व्यवस्था के लिए
₹2 हजार 144 करोड़ 78 लाख 14 हजार

पेयजल के लिए
₹4 हजार 710 करोड़
2 लाख 56 हजार

युवाओं को स्वरोजगार के लिए
आसान और कम ब्याज पर लोन सुविधा

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति
पलाश मार्ट को **₹30 करोड़**

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

PR 349529 (IPRD) 24-25

आजाद सिपाही
रांची, शनिवार, 29 मार्च, 2025
www.azadsipahi.in

राज्यपाल से मिले वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर

एनपीयू के रजिस्ट्रार और डीन पर कार्रवाई का आग्रह

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से शुक्रवार को वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने राज भवन में भेंट की। इस दौरान उन्होंने नीलांबर-पीतांबर, पलामू के भवन निर्माण की गुणवत्ता एवं अनियमितता संबंधी जांच कराने के लिए राज्यपाल का आभार प्रकट किया। उन्होंने जांच में दोषी पाये गये प्रभारी कुलसचिव, डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर, सीसीडीसी एवं प्रोक्टर आदि दोषी अधिकारियों पर शीघ्र कार्रवाई करने के लिए पहल करने का आग्रह किया।

उन्होंने विश्वविद्यालय के भवन निर्माण की गुणवत्ता एवं अनियमितताओं संबंधी अन्य विषयों की स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराने के लिए आग्रह किया। बताते चलें कि राज्यपाल के समक्ष राधाकृष्ण किशोर द्वारा 13 फरवरी को नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय, पलामू के भवन निर्माण की गुणवत्ता के संदर्भ में शिकायत की गयी थी। राज्यपाल ने इस पर त्वरित संज्ञान लेते हुए 3 सदस्यीय जांच समिति का गठन किया था।

समिति स्थल निरीक्षण कर विभिन्न विसंगतियों की जांच कर राज्यपाल के समक्ष अपना प्रतिवेदन समर्पित किया। प्रतिवेदन के अनुसार, निर्माण कार्य स्वीकृत प्राक्कलन के अनुरूप नहीं पाया गया और संवेदक द्वारा निम्न गुणवत्ता का कार्य किया गया है। मौके पर वित्त मंत्री ने राज्यपाल को राज्य के 2024-25 के राजस्व संग्रहण एवं राज्य के विकास योजनाओं के संबंध में भी जानकारी प्रदान की।

नेता प्रतिपक्ष ने बालू की किल्लत और बढ़ती कीमतों को लेकर चिंता जतायी

बालू के हजारों करोड़ के अवैध कारोबार को ध्वस्त करे इडी : बाबूलाल मरांडी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने झारखंड में बालू की किल्लत और बढ़ती कीमतों को लेकर गंभीर चिंता जतायी है। उन्होंने आरोप लगाया कि बालू के अवैध कारोबार में सरकार, खनन माफिया, ट्रांसपोर्टर, अधिकारी और दलालों की मिलीभगत है, जिससे आम जनता को भारी कीमत चुकानी पड़ रही है।

मरांडी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि राज्य में बालू के लिए हाहाकार मचा हुआ है और आम जनता की जेब से मनमानी कीमत वसूली जा रही है। मरांडी ने कहा है कि रांची में निर्माण कार्य के लिए इस्तेमाल होने वाला बालू मुख्यतः सिल्ली, बुंडू और सोनाहातू से लाया जाता है। बालू घाट से निकलने पर

इसकी कीमत लगभग 5,000 रुपये होती है, लेकिन रांची पहुंचते-पहुंचते कीमत 45,000 के पार चली जाती है।

बाबूलाल ने इस 60 किमी की दूरी में बालू की कीमत में नौ गुना इजाफे को एक संगठित अवैध कारोबार का नतीजा बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस अवैध कारोबार में खनन माफिया, ट्रांसपोर्टर, अधिकारी और दलालों का गठजोड़ शामिल है।

बालू घाट पर अवैध एंट्री, परिवहन के दौरान अवैध पासिंग और ब्लैक मार्केटिंग के माध्यम से भारी रकम वसूली जा रही है। झारखंड में लगभग 440 बालू घाटों में से केवल 31 कानूनी रूप से संचालित हैं, जिसके कारण आम आदमी को महंगे दामों पर बालू खरीदना पड़ रहा है।

मरांडी ने इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (इडी) से हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा कि वे झारखंड में चल रहे हजारों करोड़ के अवैध बालू कारोबार तंत्र को ध्वस्त करे, ताकि आम जनता को सस्ती कीमत पर पर्याप्त बालू उपलब्ध हो सके और राजस्व के नुकसान को कम किया जा सके।

रांची में 2 दिन में 2 हत्या, कानून व्यवस्था ध्वस्त : बाबूलाल मरांडी

रांची (आजाद सिपाही)। राजधानी रांची में लगातार 2 दिनों में 2 नेताओं की हत्या कर दी गयी है। इस पर विपक्ष हमलावर है। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने इस पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को घेरा है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर तंज कसते हुए कहा, हेमंत सोरेन जी, आपको यदि रमजान के इफ्तारी खाने और ईद की बधाइयां देने से फुर्सत मिल गयी हो, तो राजधानी रांची में दो दिनों के भीतर हुई दो नृशंस हत्याओं की जिम्मेदार भी लें। डायलॉग बाजी छोड़कर कानून व्यवस्था को दुरुस्त करिए, अन्यथा विपक्ष भी वार का पलटवार करना जानता है।

आजसू ने की उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के जिला प्रभारी और संयोजकों की घोषणा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आजसू पार्टी ने जिला संगठनों में विस्तार के लिए जिला प्रभारी और संयोजकों की घोषणा की है।

आजसू पार्टी ने संगठन को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने हेतु उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के विभिन्न पदों पर नये प्रभारी नियुक्त किये हैं।

पार्टी नेतृत्व ने सभी नामांकित प्रभारियों से आग्रह किया है कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ करें।

संगठनात्मक विस्तार और नेतृत्व क्षमता को सशक्त करने के उद्देश्य से निम्नलिखित लोगों को प्रमंडल, जिला स्तर पर दायित्व सौंपे गये हैं

उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के प्रभारी

1.डॉ. लंबोदर महतो : संयोजक
2.निर्मल महतो : प्रभारी
3.विजय कुमार साहू : प्रभारी

हजारीबाग जिला

1. मनोज कुमार महतो : संयोजक
2.संदीप कुशवाहा : प्रभारी
3.राज सिंह चौहान: प्रभारी
4.कालेश्वर गंझू : प्रभारी
5.प्रदीप कुमार मेहता : प्रभारी
6.अशोक गहलोत : प्रभारी
7.सिद्धार्थ शंकर राय : प्रभारी
8.लीलाधन साव : प्रभारी

रामगढ़ जिला

1.नरेश महतो : संयोजक
2.हेमलाल महतो : प्रभारी
3.मदन महतो : प्रभारी
4.हाकिम अंसारी : प्रभारी
5.अशोक बेदिया: प्रभारी

कोडरमा जिला

1.संजय मेहता : संयोजक
2.अजीत वर्णवाल : प्रभारी
3.मनोज ठाकुर : प्रभारी
4. विकास महतो : प्रभारी

बोकारो जिला

1.संतोष महतो : संयोजक
2.राजेश महतो : प्रभारी
3.टिकैत महतो : प्रभारी
4. कमलेश महतो : प्रभारी
5. दुर्गाचरण महतो : प्रभारी
6.लक्ष्मण प्रताप सिंह : प्रभारी

गिरिडीह जिला

1.काशीनाथ सिंह : संयोजक
2.संजय साहू : प्रभारी
3.छक्कन महतो : प्रभारी
4. अनूप पांडेय : प्रभारी
5.जयलाल महतो : प्रभारी
6.कंपू यादव : प्रभारी
7.अभिषेक महतो : प्रभारी

धनबाद जिला

1.अजय सिंह : संयोजक
2.संतोष कुमार महतो : प्रभारी
3.नवीन महतो : प्रभारी
4.ईसराफील लाला : प्रभारी
5.सुभाष रवानी : प्रभारी
6.गिरिधर महतो : प्रभारी

चतरा जिला

1.उमेश सिंह भोगता : संयोजक
2.पारसनाथ सिंह : प्रभारी
3.उमेश मेहता: प्रभारी
4.संदीप सिंह : प्रभारी
5. मनमंत वैश्य : प्रभारी

झारखंड की जेलों में निदेशालय प्रणाली हो लागू : अजय साह

वर्तमान जेल व्यवस्था अपराधियों के मन में कोई भय उत्पन्न नहीं करती

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा प्रवक्ता अजय साह ने झारखंड सरकार द्वारा पारित झारखंड कारा एवं सुधारात्मक सेवाएं विधेयक 2025 पर अपनी कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि झारखंड में गिरती कानून व्यवस्था का एक प्रमुख कारण अप्रभावी जेल प्रणाली है। वर्तमान जेल व्यवस्था अपराधियों के मन में कोई भय उत्पन्न नहीं करती, जिससे अपराध पर नियंत्रण पाना मुश्किल हो गया है। जब तक अपराधियों को जेल जाने का डर नहीं होगा, तब तक अपराधों पर अंकुश नहीं लग सकता।

अजय साह ने कहा कि झारखंड में पुलिस, होमगार्ड और जेल विभाग तीनों गृह विभाग के अंतर्गत आते हैं। पुलिस और होमगार्ड में निदेशालय (डायरेक्टरेट) प्रणाली लागू है, लेकिन जेल प्रशासन अभी भी ब्रिटिश कालीन निरीक्षणालय

(इंस्पेक्टिरेट) प्रणाली पर आधारित है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पुलिस आयोग (1980) की सिफारिशों के बाद लगभग सभी राज्यों ने पुलिस प्रशासन को निरीक्षणालय से निदेशालय में बदला, लेकिन झारखंड की जेल प्रणाली अब भी औपनिवेशिक व्यवस्था के अधीन चल रही है।

साह ने भारत सरकार द्वारा जारी मॉडल जेल एवं सुधारात्मक सेवा अधिनियम, 2023 और मॉडल जेल मैनुअल, 2016 का हवाला देते हुए कहा कि इन दस्तावेजों में जेल प्रशासन को प्रभावी बनाने के लिए निरीक्षणालय प्रणाली को समाप्त कर निदेशालय प्रणाली अपनाने की सिफारिश की गयी है।

भूपल साव की जघन्य हत्या पर बिफरे सुदेश महतो

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो ने रातू प्रखंड उपाध्यक्ष भूपल साव की जघन्य हत्या पर गहरा दुःख और रोष जताया है। उन्होंने कहा कि राजधानी रांची में लगातार राजनीतिक -सामाजिक कार्यकर्ताओं की हत्याएं हो रही हैं, लेकिन राज्य सरकार के कानों पर जूं नहीं रेंग रही। कानून व्यवस्था की स्थिति ध्वस्त है।

चंद्रप्रकाश चौधरी और प्रवीण प्रभाकर मिले अनिल टाइगर के परिजनों से

अपराधी बेखौफ घूम रहे, पुलिस सो रही है : चंद्रप्रकाश चौधरी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आजसू पार्टी के सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी एवं झारखंड आंदोलनकारी प्रवीण प्रभाकर ने शुक्रवार को दिवंगत अनिल टाइगर के परिजनों से मिलने उनके पैतृक गांव खटंगा पहुंचे। दोनों नेताओं ने उनके पुत्र सूरज महतो एवं भाइयों से जानकारी ली। सांसद श्री चौधरी ने कहा कि अनिल टाइगर की हत्या उनके लिए व्यक्तिगत क्षति है। क्या इसी झारखंड के लिए आजसू कार्यकर्ताओं ने संघर्ष किया था, जहां आम जनता के जीवन की कोई कीमत नहीं और अपराधी बेखौफ घूम रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अनिल टाइगर के बाद भूपल साव की हत्या ने लोगों को झकझोर कर रख दिया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जनादेश का सम्मान करें और कानून व्यवस्था सुधारें।

चाइबासा में फूड प्वायजनिंग से एक बच्चे की मौत, 20 बीमार

आजाद सिपाही संवाददाता

चाइबासा। पश्चिमी सिंहभूम के जगन्नाथपुर इलाके में फूड प्वायजनिंग से एक बच्चे की मौत हो गयी है और 20 अन्य बीमार हैं। घटना जेटेया पंचायत के नयागांव की है। कुछ बच्चों का इलाज जगन्नाथपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में हो रहा है, जबकि कुछ का इलाज चंपुवा के एक निजी

अस्पताल में चल रहा है।

जानकारी के अनुसार गुरुवार को गांव के बच्चे प्राथमिक विद्यालय नयागांव ओड़िया स्कूल में पढ़ने गये थे और इस दौरान मिड डे मील में मिला खाना खाया था। इसके बाद एक-एक कर बच्चों को उल्टी-दस्त होने लगा। छह साल की आयुषी गौप की मौत हो गयी, जबकि सात बच्चों को इलाज के लिए जगन्नाथपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। वहां डॉ ब्रजमोहन हेस्सा ने बच्चों का इलाज किया। बीमार बच्चों में दीपांजलि गोप, आरोही गोप, अनीश कुमार गोप आदि शामिल हैं। ये सभी बच्चे नयागांव गोप टोला के हैं। एक बच्चे को चाइबासा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है, जबकि 15-20 बच्चे बीमार हैं।

बाउरी, भानु और नवीन मिले अनिल टाइगर के परिजनों से

कहा-भाजपा परिवार इस दुख की घड़ी में परिजनों के साथ

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी, भावनाथपुर के पूर्व विधायक भानु प्रताप शाही, हटिया विधायक नवीन जायसवाल और भाजपा रांची महानगर अध्यक्ष वरुण साहू ने शुक्रवार को भाजपा

रांची ग्रामीण जिला के महामंत्री, रामनवमी समिति, कांके के अध्यक्ष और पूर्व जिला परिषद सदस्य दिवंगत अनिल महतो टाइगर के आवास पर उनके परिजनों से मुलाकात की। मौके पर सभी ने परिजनों को आश्वस्त किया कि भाजपा परिवार इस दुख की घड़ी में उनके साथ है और पार्टी अनिल महतो टाइगर के हत्यारे को कड़ी सजा दिला कर रहेगी।

झारखंड में 639 पदों पर पूर्व सैनिकों की होगी नियुक्ति

इंटरव्यू 28, 29 और 30 अप्रैल को सुबह 10 बजे से शुरू होगा

अभिषेक कुमार

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड में नक्सल विरोधी अभियान को मजबूती देने और जेल, औद्योगिक प्रतिष्ठान और थानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 639 पदों पर पूर्व सैनिकों की नियुक्ति की जायेगी।

झारखंड पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, राज्य में पर्याप्त सशस्त्र बल उपलब्ध कराने के लिए विशेष सहायक पुलिस (सैप) की दो बटालियनों का गठन किया गया है। इनमें से एक बटालियन रांची के टाटीसिलवे में और दूसरी जमशेदपुर के हलुदबनी में स्थित है।

इन दोनों बटालियनों में भारतीय सेना से भूतपूर्व सैनिकों जैसे

सूबेदार, मेजर, नायक, हवलदार, सिपाही, चालक, लिपिक और रसोइयों को अनुबंध के आधार पर अस्थाई नियुक्त किया जायेगा। इन्हें विशेष पुलिस पदाधिकारी का दर्जा दिया जायेगा।

इन पदों के लिए नियुक्ति की प्रक्रिया डोरंडा स्थित जैप 1 में होगी। इंटरव्यू 28, 29 और 30 अप्रैल को सुबह 10 बजे से शुरू होगा।

रिक्त पदों का विवरण

- सूबेदार मेजर 02
- नायब सूबेदार (सामान्य) 10
- नायब सूबेदार (तकनीकी) 03
- नायब सूबेदार (वितंतु) 17
- हवलदार (सामान्य) 124
- हवलदार (चालक) 08
- सिपाही(सामान्य) 438
- सिपाही (चालक) 23
- रसोईया 14

निजी स्कूलों के यूनिफॉर्म और कॉपी-किताब बेचने पर भी रोक लगे : कैलाश

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। अभिभावक संघ झारखंड के अध्यक्ष कैलाश यादव ने शुक्रवार को निजी स्कूलों के मनमानी ढंग से री-एडमिशन शुल्क, वार्षिक शुल्क जैसे अतिरिक्त शुल्क वसूलने के खिलाफ लगाम लगाने के लिए राज्य सरकार द्वारा प्रशासनिक कमिटी बनाने की घोषणा का सहृदय स्वागत किया है। यादव ने प्रेस ब्यान जारी कर सरकार और प्रशासन को ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहना है कि री-एडमिशन, वार्षिक शुल्क वसूलने के अलावा स्कूलों/परिसरों में यूनिफॉर्म और कॉपी-किताब बेचने पर भी सख्त रोक लगाये जाने पर संज्ञान लेने होंगे। अभिभावक संघ झारखंड के अध्यक्ष कैलाश यादव ने कहा कि प्रशासनिक कमिटी को निजी स्कूलों की मनमानी पर 2.50 लाख का जुर्माना लगाने के साथ

यूनिफॉर्म और कॉपी-किताब बेचने पर भी प्रतिबंध लगाने एवं जुर्माने का प्रावधान होना चाहिए। साथ ही प्रशासनिक कमिटी के आदेशों की अवहेलना करने पर अभिभावकों की शिकायत मिलने के बाद निजी स्कूलों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए स्कूलों की मान्यता रद होनी चाहिए। इन सभी सुझाव को लेकर सरहुल, ईद के बाद अभिभावक संघ झारखंड का एक प्रतिनिधिमंडल राज्य के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन से मिलकर अवगत करायेगा।

परिसीमन समय की मांग, इससे बहुसंख्यक सदान को न्याय मिलेगा

परिसीमन का विरोध अनुचित : राजेंद्र प्रसाद

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने परिसीमन को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के बयान को अनुचित बताया है। राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि प्रजातंत्र में मुख्यमंत्री राज्य का राजा है और प्रजा के साथ न्याय करना उनका कर्तव्य है। मुख्यमंत्री संवैधानिक पद है। परिसीमन करना समय की मांग है, इससे बहुसंख्यक सदान को न्याय मिलेगा।

सदानों को कभी न्याय नहीं मिला। उन्होंने कहा कि मूलवासी सदानों को सरकार के द्वारा कोई अलग मान्यता नहीं मिली है, जिससे कारण राज्य के 74% गैर आदिवासी के साथ मूलवासी सदान की भी गिनती होती है। कहा मूलवासी सदान झारखंड में दोयम दर्जे का नागरिक बनकर रह गये हैं। कहा परिसीमन होने से विधानसभा की सीट भी बढ़ेगी और विधानसभा

का गठन होगा। राज्य सरकार में कांग्रेस पार्टी भी शामिल है और लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी संविधान की रक्षा करने और पिछड़ी, दलितों के अधिकार दिलाने की बात करते हैं। इसका ख्याल रखते हुए भी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को परिसीमन का विरोध नहीं करना चाहिए। राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि महिलाओं के आरक्षण को लेकर भी परिसीमन कराना आवश्यक है।

राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि परिसीमन कराना एक संवैधानिक प्रक्रिया है। राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि 2008 में परिसीमन नहीं कराना यह तुष्टीकरण और संविधान के खिलाफ था। प्रसाद ने कहा कि 2026 में हर हाल में केंद्र सरकार से परिसीमन कराने की मांग की है। प्रसाद ने कहा कि झारखंड में लोकसभा का क्षेत्र भी बहुत लंबा चौड़ा है। इसमें भी सुधार करने की जरूरत है। राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि झारखंड में परिसीमन के बाद लोकसभा की सीट को 14 से बढ़कर 28 करना चाहिए और विधानसभा की सीट को 81 से बढ़ कर 160 करने की जरूरत बतायी। कहा कि झारखंड में विधानसभा की सीट को बढ़ाते हुए विधान परिषद का गठन करने की मांग की है, जिससे वैसे क्षेत्रों के लोगों को भी विधान परिषद में प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलेगा, जो आरक्षित सीटों के कारण विधानसभा और लोकसभा में कभी प्रतिनिधित्व नहीं कर पा रहे हैं।

उत्तराखण्ड शासन

देवभूमि रजत उत्सव

सेवा, सुशासन और विकास के 3 वर्ष

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड कंटेंट क्रिएटर्स प्रतियोगिता 2025

Explore Uttarakhand Beyond Frames

उत्तराखण्ड राज्य की संस्कृति के प्रचार-प्रसार एवं बारहमासी पर्यटन को बढ़ावा देने, राज्य को वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के आह्वान एवं माननीय मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी जी के निर्देशानुसार सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर्स को आमंत्रित किए जाने हेतु उत्तराखण्ड फिल्म विकास परिषद द्वारा कंटेंट क्रिएटर्स प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। उक्त आयोजन हेतु मुख्यतः निम्न 8 विषयों के तहत दो श्रेणी (कैटेगरी) 01 मिनट की रील और 05 मिनट की शॉर्ट फिल्मों को शामिल किया गया है, प्रत्येक श्रेणी में एक सर्वश्रेष्ठ फिल्म को पुरस्कृत किया जाएगा।

प्रतियोगिता के विषय (श्रेणी-रील एवं शॉर्ट फिल्म)

- उत्तराखण्ड के पारंपरिक खानपान
- उत्तराखण्ड के होमस्टे
- उत्तराखण्ड के वेडिंग डेस्टिनेशन
- उत्तराखण्ड के बारहमासी पर्यटन
- उतराखण्ड के पौराणिक मंदिर एवं तीर्थाटन (अपेक्षाकृत कम प्रसिद्ध)
- उत्तराखण्ड के साहसिक पर्यटन स्थल (अपेक्षाकृत कम प्रसिद्ध)
- उत्तराखण्ड के आयुष एवं वेलनेस
- उत्तराखण्ड के अनछुए मनोरम पर्यटन स्थल

आवेदन प्रारम्भ 1 अप्रैल, 2025 | **अंतिम तिथि 23 अप्रैल, 2025**

पंजीकरण के लिए

लॉग इन करें
https://itda.uk.gov.in/content-competition

या

स्कैन करें

प्रत्येक विषय हेतु निर्धारित श्रेणियों में चयनित सर्वश्रेष्ठ फिल्मों को ₹5-5 लाख का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

प्रतियोगिता के आवेदन हेतु आवेदक के व्यक्तिगत सोशल मीडिया पर निम्न में से किसी भी एक प्लेटफॉर्म पर न्यूनतम-फॉलोवर्स-सब्सक्राइबर्स होने आवश्यक हैं, जिनके स्क्रीनशॉट आवेदक द्वारा आवेदन करते समय पर संलग्न किए जाने अनिवार्य होंगे-

- फेसबुक न्यूनतम 10,000 फॉलोवर
- एक्स न्यूनतम 5,000 फॉलोवर
- यूट्यूब न्यूनतम 5,000 सब्सक्राइबर
- इंस्टाग्राम न्यूनतम 10,000 फॉलोवर

पर्यटन के अनदेखे रंग, देखिए उत्तराखण्ड

एडवेंचर टूरिज्म

पर्यटन के क्षेत्र में देश-दुनिया में अपनी अलग पहचान रखने वाला उत्तराखण्ड देवभूमि के साथ-साथ साहसिक पर्यटन गतिविधियों का गढ़ है। धार्मिक पर्यटन के साथ ही राज्य सरकार ने साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विशेष पहल की है। राज्य में आने वाले पर्यटक ऋषिकेश में राफ्टिंग के साथ ही बंजी जंपिंग, फ्लाइंग फॉक्स, रिवर क्रॉसिंग और पैराग्लाइडिंग जैसी गतिविधियों के जरिए साहसिक रोमांच का आनंद उठा सकते हैं। वहीं पहाड़ों की गोद में बसी टिहरी झील अपनी मनमोहक प्राकृतिक सुंदरता से पर्यटकों का मन मोह लेती है। पर्यटक इस झील में फ्लोटिंग हाउस, शिकारा बोट और क्रूज, नौका विहार, जेट स्पीड बोट सवारी, वाटर स्कीइंग, जॉर्बिंग, बनाना बोट सवारी, बैंडवैगन बोट सवारी, हॉट एयर बैलून सवारी और पैराग्लाइडिंग जैसी अनेकों गतिविधियों का आनंद उठा रहे हैं।

पैराग्लाइडिंग

पर्यटन का केंद्र कहे जाने वाले उत्तराखण्ड में तीर्थाटन के साथ ही साहसिक पर्यटन गतिविधियां भी देश-विदेश के सैलानियों को आकर्षित कर रही हैं। उत्तराखण्ड पर्यटन विकास बोर्ड की ओर से एयर और वाटर स्पोर्ट्स के क्षेत्र में भी प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। इससे व्यापक स्तर पर उत्तराखण्ड के साहसिक पर्यटन को पहचान मिलती दिख रही है। खासकर पर्वतीय क्षेत्रों में पर्यटन के साथ रोजगार सृजन की दिशा में भी प्रदेश आगे बढ़ रहा है। चारधाम समेत तमाम मठ-मंदिरों की आध्यात्मिक शक्तियों के आगे नतमस्तक विश्व अब उत्तराखण्ड में पर्यटन गतिविधियों के लिए भी खिंचा आ रहा है।

ट्रेकिंग

उत्तराखण्ड ऐसे पहाड़ी इलाकों से भरा हुआ है, जो राज्य को ट्रेकिंग के लिए देश में सर्वश्रेष्ठ पर्यटक स्थलों में से एक बनाता है। आप यहां अपनी शारीरिक फिटनेस का परीक्षण कर सकते हैं। उत्तराखण्ड अपनी पहाड़ियों में स्थित पगडंडियों और अनछुई भव्यता के कारण यात्रियों का पसंदीदा ट्रेकिंग गंतव्य रहा है। साहसिक व उत्साही लोगों के लिए उत्तराखण्ड ट्रेकिंग के माध्यम से कुछ नया खोजने के लिए अनंत स्थान प्रदान करता है।

पिथौरागढ़ जिले में मुनस्यारी-मरतोली-मिलम-रालम ग्लेशियर ट्रेक, बागेश्वर जिले में सुंदरढुंगा-पिंडारी-कफनी ग्लेशियर ट्रेक यहां के सबसे लोकप्रिय ट्रेकिंग मार्गों में से एक है।

स्टारगेज़िंग

स्टारगेज़िंग विज्ञान को जीवन में लाने और हमारी प्राकृतिक दुनिया की सुंदरता का अनुभव करने का एक जादुई तरीका है। अंतरिक्ष की विशाल छतरी को देखना एक रोमांचकारी अनुभव है जिसका हर कोई आनंद ले सकता है। यदि आप तारों भरे आसमान को निहारना पसंद करते हैं, तो उत्तराखण्ड में इस अनुभव को यादगार पलों में बदलने के लिए अनेकों स्थल हैं।

राज्य के कुछ स्थान जो स्टारगेज़िंग के स्पष्ट दृश्य पेश करते हैं, उनमें औली के पास गोरसन बुग्याल, नैनीताल के पास ज्योलीकोट, उत्तरकाशी के केदारकांठा, पिथौरागढ़ के मुनस्यारी, मजखाली (रानीखेत के पास एक छोटा-सा गांव), चकराता और चौकोड़ी से स्टारगेज़िंग का भी आनंद लिया जा सकता है।

बंजी जंपिंग

बंजी जंपिंग सिर्फ रस्सी बांधकर ऊंचाई से कूदना नहीं है बल्कि यह एक साहस की छलांग से भी कहीं ज्यादा है। यह एक ऐसी कूद है, जो आपके दिल से डर को हमेशा के लिए दूर कर देती है और डर मुकाबला करने का साहस पैदा करती है। राज्य में पहाड़ियों से घिरी प्रकृति की गोद से बेहतर कोई जगह नहीं हो सकती। उत्तराखण्ड के ऋषिकेश में देश के सबसे ऊंचे बंजी प्लेटफॉर्म में से एक है, जो करीब 83 मीटर (करीब 272 फीट) ऊंचा है।

उत्तराखण्ड होमस्टे

घर जैसा अहसास, उत्तराखण्ड होमस्टे के साथ

ट्रेकिंग रूट पर भी होम स्टे

पर्यटकों को एक और अनोखा अनुभव देने के लिए उत्तराखण्ड सरकार ने ट्रेकिंग ट्रक्शन सेंटर होम स्टे योजना शुरू की है। इस अभिनव प्रयास से पर्यटकों को ट्रेकिंग मार्गों पर घर जैसी बेहतर सुविधा और सुरक्षा का अहसास मिला है। साथ ही स्थानीय व्यक्तियों को स्वरोजगार के जरिए तरक्की की सौगात मिली है। ट्रेकिंग ट्रक्शन सेंटर होम स्टे अनुदान योजना के अंतर्गत उत्तराखण्ड के उत्तरकाशी, टिहरी, बागेश्वर, पिथौरागढ़, चमोली और रूद्रप्रयाग में 15 ट्रेकिंग ट्रक्शन सेंटर अधिसूचित किए गए हैं। यानी कुल 6 जिलों में 87 गांव अधिसूचित किए गए हैं। अब तक लगभग 215 लाभार्थियों का चयन किया गया है। ट्रेकिंग ट्रक्शन सेंटर के 2 किमी के दायरे में आने वाले गांवों में होम स्टे बनाने के लिए उत्तराखण्ड सरकार द्वारा वित्तीय सहायता दी जा रही है।

मांडू थाने का निरीक्षण करने पहुंचे एसपी

एक एसआइ और दो एएसआइ को दी निंदन की सजा

पुराने मामलों का निष्पादन करने, अपराधियों पर लगाम लगाने का दिया निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़/मांडू। एसपी अजय कुमार शुक्रवार को मांडू थाने का निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने एक सब इंस्पेक्टर संजय हेंब्रम और दो एएसआइ दिलीप कुमार पासवान और सुरेंद्र सोए को लापरवाही के मामले में पकड़ा। उन तीनों को उन्होंने निंदन की सजा दी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने यह पाया कि मांडू थाने में 2019 के कुछ मामले अभी भी लंबित पड़े हैं। उन्होंने तत्काल उसके निष्पादन करने का निर्देश दिया। मांडू थाने पहुंचे एसपी को सबसे पहले गार्ड ऑफ ऑनर

दिया गया। इसके बाद एसपी ने प्रतिनियुक्ति पुलिस पदाधिकारी और कर्मियों का टर्न आउट चेक किया। सभी का टर्न आउट उच्च कोटि का था। किट परेड निरीक्षण के क्रम में एक पुलिसकर्मी के टर्न आउट में कमी पायी गयी। उन्हें भविष्य के लिए हिदायत दी गयी।

इंस्पेक्टर और थाना प्रभारी के साथ एसपी ने किया निरीक्षण : एसपी ने सर्किल इंस्पेक्टर, थाना प्रभारी मांडू और थाने में प्रतिनियुक्त सभी पुलिस पदाधिकारी के समक्ष निरीक्षण किया। इस दौरान थाना भवन, शौचालय, चारदिवारी, संतरी पोस्ट, सरकारी संपत्ति, स्वीकृत बल, विस्फोटक अधिनियम, आयुद्ध और गोली बारूद भंडार, उत्पाद शुल्क और अफीम अधिनियम के अधीन अनुज्ञप्ति प्राप्त कारखाने, दुकानों की सूची, लंबित कांडों की सूची, मुख्य हाट, बाजार, मेला की सूची, ग्राम पंचायत के मुखिया, सरपंच और प्रखंड समिति की सूची, निगरानी में रखे गये दागियों की सूची, सीमावर्ती अपराध आंकड़ा और अपराधियों की सूची, अपराध मानचित्र, पदाधिकारी और कर्मियों का कार्य विवरणि तालिका, अपराधी निर्देशिका का अवलोकन उन्होंने किया। साथ ही मालखाना पंजी, डकैती पंजी, लूट पंजी, गुंडा पंजी, फरारी पंजी, हाजत पंजी, शास्त्र पंजी की भी समीक्षा की गयी। इस दौरान पाये गये त्रुटियों को दूर करने का निर्देश दिया गया।

सड़क दुर्घटना पर लगे लगाम वीआइपी गतिविधि पर रखे नजर

निरीक्षण के दौरान एसपी अजय कुमार ने मांडू थाना प्रभारी को सड़क दुर्घटना पर अंकुश लगाने हेतु जागरूकता अभियान चलाने को कहा। उन्होंने कहा कि वाहन चेकिंग लगातार होना चाहिए। जिला परिवहन पदाधिकारी से समन्वय स्थापित कर आवश्यक स्थान पर साइन बोर्ड लगने चाहिए। साथ ही सुरक्षा के दृष्टिकोण से वीआइपी गतिविधि पर नजर रखी जानी चाहिए। उन्होंने मांडू थाना क्षेत्र में आपराधिक गिरोह पर भी लगाम लगाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि विकास कार्य में अगर किसी को धमकी मिलती है या गिरोह के सदस्य उसमें सक्रिय होते हैं, तो तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए। वर्तमान समय में ईद, सरहुल और रामनवमी भी आयोजित होने जा रहा है। जुलूस में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम होने चाहिए।

पीएम को झारखंड की खराब विधि व्यवस्था की जानकारी दी सांसद ने

हजारीबाग संसदीय क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों के बारे में बताया

प्रधानमंत्री का मार्गदर्शन सदैव ही मुझे सकारात्मक ऊर्जा से भर देता है: मनीष जायसवाल

आजाद सिपाही सवांददाता

हजारीबाग। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र सांसद मनीष जायसवाल ने शुक्रवार को शिष्टाचार भेंट कर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। सांसद मनीष जायसवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हजारीबाग जिला समेत झारखंड में हिंदुओं पर लगातार हो रही पत्थरबाजी और बिगड़ती जा रही कानून-व्यवस्था पर विस्तृत जानकारी दी। साथ ही हजारीबाग संसदीय क्षेत्र में उनके द्वारा चलाये जा रहे जन कल्याणकारी कार्यों की भी जानकारी साझा की। सांसद मनीष जायसवाल ने पीएम मोदी से मुलाकात के बाद बताया कि प्रधानमंत्री का मार्गदर्शन सदैव ही मुझे सकारात्मक ऊर्जा से भर देता है।

सड़क हादसे में पिता-पुत्र घायल

कुजू (आजाद सिपाही)। ओपी क्षेत्र के आरा चार नंबर के पास ऑटो और अज्ञात वाहन की टक्कर में पिता और पुत्र घायल हो गये। जानकारी के अनुसार, सारूबेड़ा धोड़ा निवासी अख्तर हुसैन और उनके पुत्र राजा अपने ऑटो से सारूबेड़ा कॉलोनी फल लेने जा रहा था। इसी बीच आरा चार नंबर के समीप टक्कर हो गयी। जिससे पिता व पुत्र घायल हो गया। अख्तर को काफी चोट लगी है। स्थानीय ग्रामीणों के मदद से उसे स्थानीय नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है। बाद में ग्रामीणो द्वारा वेस्ट बोकारो और कुजू ओपी पुलिस को सूचना दी।

केडी कंपनी के जंगलों के विकास की जमीनी हकीकत देखी

गिददी (आजाद सिपाही)। अरगड्डा क्षेत्र गांव टोंगी सांगो मोड़ केडी कंपनी जंगलों का वन प्रमंडल पदाधिकारी (डीएफओ) रामगढ़ नितीश कुमार और अन्य अधिकारियों के द्वारा निरीक्षण किया गया। अवसर पर

डीएफओ रामगढ़ ने बताया कि आगामी समय में पर्यटन स्थल के लिए केडी कंपनी के जंगल इलाके में विकसित करने का कार्य होना है। इसके लिए निरीक्षण कर जमीनी स्तर पर जायजा लिया जा रहा है। हालांकि उन्होंने कैमरे के सामने फिलहाल कुछ नहीं कहा मौखिक रुप से कहा कि पर्यटन स्थल का जैसे-जैसे डेवलपमेंट होगा। इसके बारे में आगे बताया जायेगा बताया जाता है कि वन विभाग के अधिकारी मैप के साथ केडी कंपनी के जंगल में पहुंचे थे। जिसके आधार पर आगे पर्यटन स्थल को धरातल पर उतारने की कवायत आरंभ होगी। जो कई एकड़ जमीन पर बनने वाला है इसका खुलासा वन विभाग आगे करेगा। बताया कि सरकार के द्वारा पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है।

ईद और रामनवमी को लेकर बैठक

पतरातू (आजाद सिपाही)। ईद और रामनवमी पर्व सहित सरहुल को लेकर पतरातू थाना क्षेत्र में विधि-व्यवस्था बनाये रखने के उद्देश्य से पतरातू थाना परिसर में एसडीपीओ गौरव गोस्वामी की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में बीडीओ मनोज कुमार गुप्ता, सीओ मनोज चौरसिया पुलिस निरीक्षक सत्येंद्र कुमार सिंह पतरातू थाना प्रभारी शिवलाल कुमार गुप्ता सहित क्षेत्र के पंचायत प्रतिनिधि और शांति समिति के लोग शामिल हुए। बैठक में प्रशासनिक पदाधिकारीयों ने ईद और सरहुल सहित रामनवमी पर्व शांति और सौहार्द्र पूर्वक बनाये सहित कई विशेष निर्देश दिये गये। इस मौके पर मुखिया गिरजेश कुमार, पानों देवी, किशोर महतो, बंधन गंझ, वीरेंद्र झा, सुजीत कुमार पटेल, प्रदीप महतो, आलम अंसारी, निर्मल जैन, शशि शर्मा, सुल्तान अंसारी सहित कई लोग मौजूद थे।

अवैध कोयला उत्खनन के खिलाफ जागरूकता अभियान

मांडू (आजाद सिपाही)। अवैध कोयला उत्खनन के खिलाफ सीसीएल कुजू पुंडी परियोजना कोलियरी प्रबंधन के द्वारा शुक्रवार को जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान सीसीएल पुंडी क्षेत्र के बंद पड़े अंबा खाद, भूताही बस्ती, पुंडी बस्ती, महुआ टांड़, जोड़ाकरम समेत विभिन्न कोलियरियों में माइनिंग सरदार सुशील कुमार के द्वारा साउंड सिस्टम के माध्यम से अनाउंसमेंट करके बंद पड़े उत्खनन स्थलों में अवैध उत्खनन के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया गया। मौके पर उन्होंने बताया कि अवैध उत्खनन होने से नुकसान और जान माल की क्षति के बारे में बताया। साथ ही कानूनी कार्रवाई करने की भी चेतावनी दी। अभियान में परियोजना पदाधिकारी अभिमन्यु कुमार सिंह, खान प्रभारी शमशाद, माइनिंग सरदार सुशील कुमार, राजेंद्र महतो, सिक्योरिटी इंचार्ज लालचंद शामिल थे।

वीर शहीद नीलांबर-पीतांबर को शहादत दिवस पर दी श्रद्धांजलि

वीर शहीद नीलांबर पीतांबर के विचारों को अपने जीवन में आत्मसात करना ही उनके शहादत दिवस पर सच्ची श्रद्धांजलि होगी: सत्यानंद भोगता

आजाद सिपाही संवाददाता

चतरा। चतरा सदर प्रखंड मुख्यालय के समीप नीलाम्बर पीताम्बर मैदान में वीर शहीद नीलाम्बर पीताम्बर की 167 वीं शहादत दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष जगदीश सिंह भोगता और संचालन महासचिव विजय कुमार गंझू ने की। कार्यक्रम में आये अतिथियों ने नीलांबर पीतांबर की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। खरवार भोगता समाज विकास संघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि उपायुक्त रमेश घोलप ने कहा कि नीलांबर-पीतांबर के वीरता की गाथा को भूलाया नहीं जा सकता है। दोनों भाईयों ने मिलकर अंग्रेजों के छक्के छुड़ा दिये थे। देश की आजादी के लिए पहली क्रांति के दौरान दोनों भाइयों ने अपनी वीरता का परिचय दिया था। इस कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी हरिनाथ महतो, भोक्ता विकास संघ के जिलाध्यक्ष जगदीश सिंह भोक्ता, सचिव विजय भोक्ता, अम्बिका भोक्ता, कामेश्वर भोक्ता, छठु सिंह भोक्ता, बिनोद भोक्ता, नूतनबाला भोक्ता, जगदीश भोक्ता, श्याम भोक्ता समेत समाज के अनेक गणमान्य और काफी संख्या में समाज की महिला - पुरुष मौजूद थे ।

टीपीसी का उग्रवादी गिरफ्तार

छापामारी दल में थाना प्रभारी रंथू उरांव समेत थाना के सशस्त्र बल शामिल थे

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। टीपीसी के एक अपराधी को पुलिय ने पकड़ा। हजारीबाग जिले के उरीमारी (ओपी) थाना क्षेत्र के न्यू बिरसा प्रोजेक्ट में 19 मार्च को अज्ञात अपराधियों द्वारा एक पेलोडर में आग लगायी थी और दूसरे पेलोडर को आग लगाकर क्षतिग्रस्त किया था। साथ ही फायरिंग कर दहशत फैलाने की कोशिश की गयी थी। घटना के बाद टीपीसी का एक पर्चा भी फेका था, जिसमें लिखा था कि ट्रांसपोर्ट मालिक जबतक संगठन से मैनेज नहीं कर लेते है तबतक सभी अपने काम को बंद रखेंगे। इस संबंध में उरीमारी ओपी में थाना कांड सख्या 71/25 दर्ज किया गया था। हजारीबाग एसपी ने घटना को गंभीरता से लेते हुए उरीमारी थाना प्रभारी को दिशा निर्देश दिया था। 27 मार्च को हजारीबाग एसपी अरविंद कुमार सिंह को गुप्त सूचना मिली की देवगढ़ पुलिया के निचे बालू घाट के पास टीपीसी के कुछ सदस्य ट्रेक्टर से पैसा का अवैध वसूली कर रहें है। उक्त सूचना पर उरीमारी पुलिस स्थल पर पहुंची। वहां से एक व्यक्ति को पकड़ा गया, जिसने अपना नाम राजन गंझू पिता-सुरज गंझू ग्राम बुण्डू थाना केरेडारी जिला हजारीबाग बताया। पकड़ाये व्यक्ति से जब पुलिस ने कड़ाई से पूछ-ताछ की तब बताया गया कि दिवाकर गंझू उर्फ प्रताप इसका फुफेरा भाई है और 19 मार्च को न्यू बिरसा प्रोजेक्ट, उरीमारी में जो हाईवा में आग लगी थी उस घटना में ये शामील था। साथ ही इसके साथ टीपीसी के 5-6 सदस्य भी शामिल थे। बताया कि 19 मार्च को टीपीसी के 5-6 सदस्य करीब 9 बजे रात में ग्राम देवगढ़ में प्लान बनाये कि आज रात उरिमारी क्षेत्र अंतर्गत कम्पनी में गोली चलाना है और गाड़ी जलाना है। दिवाकर गंझू उर्फ प्रताप ने कोल्ड ड्रिंक के बोतल में पेट्रोल, तीन पिस्टल और एक कट्टा दिया। ये सभी लोग उरीमारी के लिए पल्सर मोटरसाईकिल जेएच 01 बीएस 7398 से निकलें। मोटरसाईकिल में ही झोला में पेट्रोल टंगा था। ये सभी घटनास्थल के कुछ दूरी पर ही मोटरसाईकिल को रखे और पैदल ही न्यू बिरसा प्रोजेक्ट स्थित कोयला डिपो तक गये और करीब 4-5 राउंड गोली फायर किये। तब ये सभी डिपो में खड़े हाईवा का सिसा को लाठी से मारकर फोड दिये और खड़े जेसीबी पेलोडर मशीन में पेट्रोल छिड़क कर पेलोडर में आग लगा दिये। इसके निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त पल्सर मोटरसाइकिल, पेट्रोल का बोतल हरा रंग का, पलास्टिक झोला, नगद रूपया 8100 रुपये बरामद किया गया। छापामारी दल में थाना प्रभारी रंथू उरांव समेत थाना के सशस्त्र बल शामिल थे।

अनमोल सिंह को कैंट नगर सांसद प्रतिनिधि बनाये जाने पर अभिनंदन समारोह का आयोजन

मंगला शोभा यात्रा में मंडली की ओर से शरबत और चना का किया जायेगा वितरण

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। जय श्री माहाकाल मंडली रामगढ़ के तत्वावधान में एलआइसी ऑफिस के निकट गुरुवार की देर शाम बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान बैठक में सरदार अनमोल सिंह को रामगढ़ कैंट नगर सांसद प्रतिनिधि बनाये जाने पर मंडली की ओर से उनका अभिनंदन किया गया। साथ सांसद मनीष जायसवाल के प्रति मंडली के सदस्यों ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सांसद द्वारा लिए गये फैसले सराहनीय है, क्योंकि सरदार अनमोल सिंह हर समय जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं से अवगत होकर कार्य करते आ रहे हैं, ऐसे व्यक्ति को सांसद प्रतिनिधि बनाये जाने पर निश्चित ही जानता के हित में काम होगा। इसके उपरांत बैठक में रामनवमी पूजा की तैयारी को लेकर विचार विमर्श किया गया। निर्णय लिया गया कि 1 अप्रैल को भाभी मंगल शोभा यात्रा में मंडली की ओर से शर्बत और चना का वितरण कर सेवा देगी। वहीं, रामनवमी के दिन 3 बजे से कार्यक्रम स्थल पर ही चना, गुड़ का भोग हनुमान जी के लगाने के बाद प्रसाद स्वरूप सबके बीच बांटा जायेगा। बैठक में जिला प्रशासन से अनुरोध किया गया कि झंडा चौक तालाब से थाना चौक तालाब तक लाइट की व्यवस्था किया जाये, पुलिस पिकेट भी बनाये। पिछले वर्ष एलआइसी भवन के समीप काफी अंधेरा रहने के श्रद्धालुओं को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, ऐसे में कोई अप्रिय घटना घट ना जाये। बैठक में अमित कुमार (पप्पू), सुनील मालाकार, राजेश यादव, खुश कुमार महतो, रंजन भूषण, मनोज शर्मा, राजू कुमार, रतन कुमार, ललित पासवान, बबलू कुमार, देव कुमार, मुरारी कुमार, रवि पासवान, पंकज अग्रवाल, निशांत पांडे, सतीश कुमार सहित मंडली के कई सदस्य उपस्थित थे।

विस्थापितों ने डीवीसी कार्यालय के समक्ष दिया धरना

आजाद सिपाही संवाददाता

विष्णुगढ़। कोनारडैम डीवीसी कार्यालय के समक्ष फुटबॉल मैदान में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत विस्थापितों द्वारा दो दिवसीय धरना का आयोजन किया गया। अध्यक्षता मनोज बेसरा और संचालन विश्वनाथ हेंब्रम और बबलू बेसरा ने किया। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के केंद्रीय संगठन मंत्री महेंद्र प्रसाद महतो उर्फ माही पटेल ने कहा कि डीवीसी कोनारडैम के परियोजना प्रधान का रवैया हिटलरशाही प्रतीत होता है। इनकी कार्यशैली विस्थापितों को डरा धमका कर शोषण करने वाली है जो निंदनीय है। विस्थापितों की जिन जमीनों का रसीद अभी भी उनके नाम से कर रही है, उक्त भूमि पर जबरन सोलर परियोजना लगाने का प्रयास किया जा रहा है। वर्तमान नीति के अनुसार जमीन अधिगृहित करने के पांच वर्ष तक अगर कार्य शुरू नहीं किया गया तो जमीन वापस की जानी चाहिए, यहां तो 70 वर्ष बीत चुके हैं। डीवीसी ने जमीन सोलर परियोजना के लिए नहीं बल्कि डैम निर्माण के लिए जमीन लिया था, उसके बाद शेष बची जमीन डीवीसी विस्थापितों को वापस करे, बेघर करने का कार्य न करे। यदि जमीन चाहिए तो वर्तमान नीति के तहत नियोजन दे, रोजगार दें, वृक्षारोपण करें और जनहित में कार्य करें। बीस सूत्री उपाध्यक्ष छोटेलाल बेसरा ने कहा कि 70 वर्ष बीत गये न तो पुनर्वास मिला और न ही नियोजन। विस्थापित नीति के तहत किये गये वादों को पूरा करना होगा। अगर दो दिवसीय धरने के बाद भी डीवीसी मांगों पर विचार नहीं करती है तो सभी विस्थापित अपनी जमीन पर हक से खेती बारी करेंगे और डीवीसी कार्यालय में तालाबंदी करने को बाध्य होंगे। धरना में मुख्य रूप से बबलू बेसरा, महाराज, बप्पु बेसरा, टुनटुन हेमबरम, संतोष बेसरा, बैजु टुडू, मिहीलाल बेसरा, भिखलाल हेमबरम, संझला सोरेन, लालु टुडू, आकाश मरांडी, तालो बेसरा, साहेबरम हेंब्रम, संकर हेंब्रम, थनु सिंह, सनीचर सिंह, अजीत करमाली, हीरा बेसरा, समेत सैंकड़ों की संख्या में विस्थापित उपस्थित रहे।

पतरातू में नये एसडीपीओ ने दिया योगदान

पतरातू (आजाद सिपाही)। पतरातू पुलिस अनुमंडल के नये एसडीपीओ के रूप में आइपीएस गौरव गोस्वामी ने योगदान दे दिया है। गौरव गोस्वामी 2021 बैच के पुलिस अधिकारी है। और मुल रूप से उत्तरप्रदेश के मेरठ के रहने वाले हैं। पहला पोस्टिंग पतरातू में एसडीपीओ के पद के रूप में हुई है। शुक्रवार को एसीडीपीओ कार्यालय पतरातू में गौरव गोस्वामी ने पत्रकारों से बातचीत की कहां की पतरातू पुलिस अनुमंडल क्षेत्र में संगठित अपराधिक गिरोहों पर कड़ी कार्रवाई की जायेगी। अपराध पर अंकुश लगाने उनकी पहली प्राथमिकता होगी। एसडीपीओ ने कहा कि ग्रामीण स्थानीय थाना क्षेत्र में अपनी समस्या को लेकर जाये पुलिस समस्या का समाधान करेगी। समस्या का समाधान नहीं होने पर एसडीपीओ कार्यालय में मुझसे संपर्क कर सकते हैं। आम जनता के लिए एसडीपीओ कार्यालय हमेशा दरवाजा खुले है। पब्लिक के साथ विश्वास में लेकर काम किया जायेगा। अपराधियों के आर्थिक स्रोत बंद करने का प्रयास किया जायेगा। कम उम्र के बच्चे अपराध की ओर आकर्षित न हो इसके लिए स्कूलों व कॉलेज में बच्चों के बीच जगरूकता अभियान चलाया जायेगा।

संचालित योजनाओं और इ-केवाइसी को लेकर जागरूकता वाहन किया गया रवाना

लाभुकों का शत प्रतिशत इ-केवाइसी पूर्ण कराने की अंतिम तिथि 31 मार्च तक निर्धारित

31 मार्च तक इ-केवाइसी नहीं कराने वाले लाभुकों का राशनकार्ड से हटेगा नाम

आजाद सिपाही संवाददता

रामगढ़। आपूर्ति विभाग के द्वारा संचालित योजनाओं और ई केवाईसी के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से शुक्रवार को डीडीसी रॉबिन टोप्पो, अपर समाहर्ता गीतांजलि कुमारी और जिला आपूर्ति पदाधिकारी रंजीता टोप्पो के द्वारा दो जागरूकता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर जिला समाहरणालय परिसर से रवाना किया गया।

राशनकार्डधारी लाभुक अपने नजदीकी डीलर से ई-केवाईसी करा लें: खाद्य, सार्वजनिक वितरण और उपभोक्ता मामले विभाग झारखंड सरकार की ओर से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम से आच्छादित लाभुकों का शत प्रतिशत इ-केवाइसी आवश्यक है। इ-केवाइसी पूर्ण कराने की अंतिम तिथि 31 मार्च तक निर्धारित है। सभी गुलाबी और पीला राशनकार्डधारी लाभुक अपने नजदीकी डीलर से इ-केवाइसी करा लें। निर्धारित तिथि तक इ-केवाइसी पूर्ण नहीं कराने वाले लाभुकों का नाम राशनकार्ड से विलोपित किया जायेगा।

पोस्टर-पंपलेट और माइकिंग के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जायेगा: आपूर्ति विभाग रामगढ़ की ओर से दो जागरूकता वाहन का परिचालन किया जा रहा है। हरी झंडी दिखाये जाने के बाद से जागरूकता वाहन के माध्यम से खाद्य, सार्वजनिक वितरण और उपभोक्ता मामले विभाग, झारखंड सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं अंतर्गत वितरित किये जा रहे खाद्यान्न, सामग्री की जानकारी दी जा रही है। जागरूकता वाहन जिले के विभिन्न गांवों में जाकर बैनर, पोस्टर-पंपलेट और माइकिंग के माध्यम से लोगों को जागरूक कर रहा है।

31 मार्च तक इ-केवाइसी करवाना जरूरी

जिला आपूर्ति पदाधिकारी रंजीता टोप्पो ने बताया कि मुख्य रूप से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना, मुख्यमंत्री नमक वितरण योजना, मुख्यमंत्री दाल वितरण योजना, सोना-सोबरन धोती-साड़ी वितरण योजना, चीनी वितरण योजना आदि के संबंध में लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इ-केवाइसी को लेकर उन्होंने बताया कि 31 मार्च तक इ-केवाइसी कराया जा रहा है। प्रवासी मजदूर, लाभुक वर्तमान में जहां हैं, वहीं पर अपने किसी भी नजदीकी जन वितरण प्रणाली दुकानदार से इ-केवाइसी पूर्ण करा सकते हैं। इ-केवाइसी से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी और शिकायत दर्ज कराने के लिए 1967/1800-212-5512 पर लोक शिकायत प्रबंधन प्रणाली से संपर्क कर सकते हैं।

दिगवार में कृषक मेला का आयोजन

आधुनिक तकनीकों से किसानों को सशक्त बनाने की पहल

आजाद सिपाही संवाददाता

दारू/हजारीबाग। कृषि, पशुपालन और सहकारिता विभाग के तहत आत्मा हजारीबाग द्वारा दारू प्रखंड के दिग्वार पंचायत में प्रखंड स्तरीय कृषक मेला सह प्रदर्शनी 2024-25 का भव्य आयोजन किया गया। बेलवा मोड़ के समीप आयोजित इस मेले में प्रखंड के विभिन्न पंचायतों से सैकड़ों किसान शामिल हुए। इस अवसर पर कृषि वैज्ञानिक और अधिकारियों ने किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं और उन्नत कृषि तकनीकों की जानकारी दी, और जैविक खेती के बारे में बताया। मेले में कई किसानों और किसान मित्रों ने अपने उत्पादों की प्रदर्शनी लगायी। जिसमें कोहड़ा, ओल, आलू, टमाटर, गन्ना, गाजर, पपीता, चुकंदर, धनिया, प्याज, लहसुन और गुलाब जैसे फसलों की बेहतरीन पैदावार देखने को मिली। कृषि पदाधिकारी गंगासागर ने अपने संबोधन में कहा कि इस क्षेत्र में किसानों को कृषि के नए आयामों से जोड़ना उनकी प्राथमिकता है।

मिट्टी जांच और जिप्सम उपयोग पर जोर: उन्होंने किसानों को मिट्टी की गुणवत्ता सुधारने के लिए जिप्सम के महत्व को समझाया। साथ ही, निःशुल्क मिट्टी जांच सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की, ताकि किसान यह जान सकें कि किस मिट्टी में कौन सी फसल बेहतर होगी। यह कृषक मेला किसानों के लिए न केवल ज्ञानवर्धक बल्कि कृषि को उन्नत बनाने की दिशा में एक सार्थक प्रयास कार्यक्रम में 20 सूत्री अध्यक्ष शशि मोहन सिंह, उपाध्यक्ष कैलाशपति देव, मुखिया महेंद्र मुर्मू, दारू अंचल अधिकारी राम बालक कुमार, प्रखंड कृषि पदाधिकारी गंगासागर, पशुपालन पदाधिकारी डॉ. बिमला कुमारी, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी आशीष कुमार, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी रविंद्र कुमार, दारू प्रखंड तकनीकी प्रबंधक अर्चना लिभा कुजूर, प्रखंड सहायक तकनीकी प्रबंधक प्रदीप कुमार, सदर प्रखंड तकनीकी प्रबंधक विलास कुमार, कृषक सलाहकार समिति के प्रखंड अध्यक्ष छविंद्र प्रसाद, बलदेव बाबू कलावती देवी, कृषक मित्र तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

www.epaper.azadsipahi.in

29 मार्च, 2025
चैत्र, कृष्ण पक्ष, अमावस्या
संवत 2081
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

रांची
शनिवार, वर्ष 10, अंक 158

दहशत : गोलियों की तड़तड़ाहट से फिर दहला धनबाद

न्यूज रील्स

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में ममता बनर्जी का विरोध

कोलकाता/लंदन। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के केलॉग कॉलेज में गुरुवार को भाषण के दौरान विरोध का सामना करना पड़ा। कुछ प्रदर्शनकारियों ने बंगाल में हुई हिंसा, आरजी कर कॉलेज रेप-मर्डर केस और संदेशखाली में महिलाओं के खिलाफ अपराध को लेकर सवाल उठाये। ममता ने कहा- आप जानते हैं कि यह मामला अदालत में है और ये केस हमारे हाथ में नहीं है, बल्कि केंद्र सरकार ने अपने हाथ में ले लिया है। प्रदर्शनकारी छात्रों के शांत न होने पर ममता बनर्जी ने कहा कि यहां राजनीति मत करो, यह राजनीति का मंच नहीं है।

दिल्ली पुलिस ने केजरीवाल पर एफआइआर दर्ज की

नयी दिल्ली। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने एफआइआर दर्ज की है। ये एफआइआर सरकारी पैसे के दुरुपयोग मामले में सार्वजनिक संपत्ति अधिनियम के तहत दर्ज की गयी है। केजरीवाल पर आरोप है कि उन्होंने प्रचार के लिए बड़े होर्डिंग लगवाने में जनता के पैसे का गलत इस्तेमाल किया।

गम में डूबा कोकर

खूंटी के रीमिक्स फॉल में डूब कर दो सगे भाइयों की मौत

- अयोध्यापुरी के रहने वाले थे दोनों
- दोस्तों के साथ घूमने गये थे

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची/खूंटी। रांची के कोकर इलाके के लिए शुक्रवार का दिन 'ब्लैक फ्राइडे' साबित हुआ। अयोध्यापुरी में रहनेवाले दो सगे भाइयों की खूंटी के रीमिक्स फॉल में डूबने से मौत हो गयी। ये दोनों अपने छह दोस्तों के साथ वहां घूमने गये थे। इसी दौरान शुभम और राजकुमार गहरे पानी में उतर गये और डूब गये। हादसे के बाद एक भाई को निकाल कर बुंडू के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया था, जहां उसकी मौत हो गयी, जबकि दूसरे भाई का शव काफी तलाश के बाद मिल पाया।

दोस्तों के साथ रीमिक्स फॉल घूमने गये थे: प्राप्ता जानकारी के अनुसार दोनों भाई अपने छह दोस्तों के साथ खूंटी के रीमिक्स फॉल घूमने गये थे। घटना दोपहर करीब 12 बजे की है। सभी दोस्त पानी में नहाने के लिए उतरे। नहाने के क्रम में शुभम और राजकुमार गहरे पानी में चले गये और डूबने लगे। अन्य दोस्तों ने उन्हें बचाने की कोशिश की और शोर मचाया। शोर सुनकर स्थानीय ग्रामीण पहुंचे और बचाने की कोशिश की। काफी मशक्कत के बाद राजकुमार को बाहर निकाला गया और उसे बुंडू के ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गयी। इस बीच पुलिस को भी घटना की जानकारी दी गयी। पुलिस गोताखोरों के साथ घटनास्थल पर पहुंची। इसके बाद दूसरे भाई की तलाश शुरू हुई। काफी देर बाद शुभम कुमार का शव चट्टानों के बीच फंसा मिला।

परिजनों को दी गयी जानकारी

घटना की जानकारी दोनों भाइयों के परिजनों को दी गयी। वे आनन-फानन में खूंटी पहुंचे। शव का पोस्टमार्टम करने के बाद उन्हें सौंप दिया गया। भाइयों का शव रांची वापस लाया गया। घर पर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। घर पर आस-पड़ोस के लोग पहुंचे हुए थे। सभी हादसे से हतप्रभ थे। छोटे भाई का शव पहले घर आ गया, जबकि बड़े भाई का शव देर से मिलने के कारण पोस्टमार्टम में समय लगा। बड़े भाइ शुभम का शव देर रात रांची पहुंचा।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिले गौतम अडाणी

झारखंड में निवेश और औद्योगिक विकास पर हुई बात

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। अडाणी ग्रुप के चेयरमैन और देश के दूसरे सबसे बड़े औद्योगिक घराने के प्रमुख गौतम अडाणी शुक्रवार शाम मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की। विशेष विमान से रांची पहुंचे गौतम अडाणी की लगभग 7.30 बजे मुख्यमंत्री आवास पहुंचे। उनकी मुख्यमंत्री के साथ लंबी बातचीत हुई। सूत्रों के मुताबिक अडाणी

मुख्यमंत्री से मिल कर राज्य में औद्योगिक विकास, पूंजी निवेश व अन्य मुद्दों पर चर्चा की। हालांकि पिछले दिनों प्रदीप यादव के सवाल गोड्डा में पावर प्लांट को लेकर राज्य सरकार ने मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय कमेटी का गठन किया है। यह कमेटी अडाणी ग्रुप के साथ हुए समझौते की शर्तों को देखेगी। इसे इससे भी जोड़ कर देखा जा रहा है।

जिबली ट्रेंड की थीम पर बनी मोदी की तस्वीरें आयीं सामने

ट्रंप और मैक्रों के साथ एआइ से बनी तस्वीरें शेयर की

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया ट्रेंड जिबली में हिस्सा लिया है। भारत सरकार के आधिकारिक सोशल मीडिया ने एआइ की मदद से जिबली स्टूडियों की थीम पर बनी पीएम मोदी की तस्वीरों को शेयर किया है। इनमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ तस्वीरें भी हैं। बीते दों दिन से यह ट्रेंड सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। दुनिया भर के नेताओं, सेलिब्रिटी और आम लोगों ने इसमें हिस्सा लिया है। पीएम मोदी की ट्रंप और मेक्रो के अलावा इंडियन आर्मी की यूनिफॉर्म, अयोध्या के राम मंदिर और वंदे भारत ट्रेन के साथ भी जिबली तस्वीर सामने आयी है।

जिबली ट्रेंड क्या है और कैसे छाया: जिबली ट्रेंड हाल ही में तब वायरल जब चैटजीपीटी ने नये इमेज जनरेशनल टूल से यूजर्स को स्टूडियो जिबली की तर्ज पर एनिमेटेड तस्वीरें बनाने की सुविधा दी। इस ट्रेंड में यूजर्स अपनी तस्वीरें, इंटरनेट मीम्स, और विभिन्न पॉप कल्चर कैरेक्टर्स को हायाओ मियाजाकी की तरह एनिमेशन स्टाइल में बदल रहे हैं। सोशल मीडिया पर लोगों ने इसे जिबलीफिकेशन नाम दिया है।

जिबली क्या है?

स्टूडियो जिबली जापान का एक फेमस एनिमेशन स्टूडियो है। इसे 1985 में हायाओ मियाजाकी और इसाओ ताकाहाता ने बनाया था। इसकी खासियत इसके हाथ से बने एनिमेशन हैं। स्टूडियो अपने बारीक और डिटेल्ड टूडी एनीमिशन के लिए मशहूर है। इसकी कहानियां जादुई दुनिया, सामाजिक मुद्दों और मानवीय भावनाओं को दिखाती हैं। इन कहानियों में अक्सर उड़ने वाले शहर, विशाल जानवर दिखाये जाते हैं।

धनबाद में अनिल गोयल के कई ठिकानों पर जीएसटी का छापा

अधिकारियों ने खंगाला दस्तावेज

कार्रवाई से कोयला कारोबारियों में हलचल

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। जीएसटी ने धनबाद में शुक्रवार को एक बड़ी कार्रवाई की। जीएसटी टीम ने कोयला व्यवसायी अनिल गोयल के कई ठिकानों पर छापेमारी की। प्राप्त जानकारी के अनुसार जीएसटी की टीम एक साथ गोयल के मटकुरिया स्थित आवास, हार्डकोक प्लांट और डिपो में पहुंचे। किसी को अंदर जाने की अनुमति नहीं थी। अधिकारियों ने एक-एक कागजात को खंगाला और जीएसटी चोरी से संबंधित कागजात को जब्त किया है। इस छापेमारी से कोयला क्षेत्र के व्यापारियों में हड़कंप है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जीएसटी के अधिकारी गोयल के तीनों ठिकाने पर एक साथ पहुंचे। सभी जगह भारी सुरक्षा बल तैनात किया गया, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके। अधिकारियों ने अभी तक छापेमारी के कारणों का आधिकारिक खुलासा नहीं किया है, लेकिन बताया जा रहा है कि यह टैक्स चोरी और अनियमितताओं से जुड़ी जांच का हिस्सा हो सकता है। सूत्रों की मानें तो करोड़ों रुपये की जीएसटी चोरी का मामला सामने आने की संभावना है। हालांकि इस बारे में खबर लिखे जाने तक अधिकारिक पुष्टि नहीं की गयी थी। अधिकारी दस्तावेजों की जांच में लगे हुए थे।

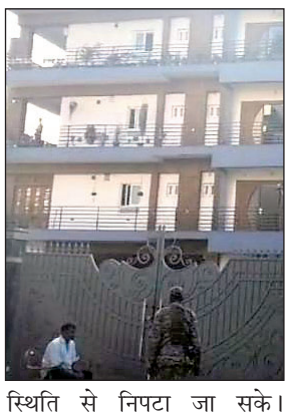

भूकंप से कांपा म्यांमार 150 की मौत, 80 लापता

बैंकॉक में इमारत गिरी, 80 लोग लापता, तीन की जान गयी

भारत समेत पांच देशों में झटके महसूस किये गये

एजेंसी

नेपीदा/नयी दिल्ली। म्यांमार में शुक्रवार सुबह 11:50 बजे 7.7 तीव्रता का भूकंप आया। इसके झटके भारत, थाइलैंड, बांग्लादेश और चीन में भी महसूस किये गये। म्यांमार और थाइलैंड में 150 लोगों की जान गयी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार भारत में कोलकाता, इंफाल, मेघालय और इस्ट कार्बी हिल में इसके झटके महसूस किये गये। बांग्लादेश में ढाका, चटगांव समेत कई हिस्सों में 7.3 तीव्रता के झटके आये। म्यांमार में 12 मिनट बाद फिर 6.4 तीव्रता का आफ्टरशॉक आया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार म्यांमार में 144 लोगों की मौत हुई, जबकि यहां 732 लोग घायल हैं। वहीं, थाइलैंड की राजधानी बैंकॉक में अंडर कंस्ट्रक्शन 30 मंजिला इमारत गिर गयी। इस साइट पर 400 लोग काम कर रहे थे। इनमें से 80 लोग लापता हैं, जबकि 3 लोगों की मौत हुई है। इन 5 देशों के अलग-अलग इलाकों में सैकड़ों लोग घबराकर घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आये। भारी तबाही के चलते थाइलैंड की प्रधानमंत्री पाइतोंग्तार्न शिनवात्रा ने इमरजेंसी घोषित कर दी है। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, इस भूकंप से होने वाली मौतों की आशंका को रेड कैटेगरी में रखा गया है। इस कैटेगरी में 10 हजार से एक लाख मौतें तक हो सकती हैं, जिसकी संभावना 34% यानी सबसे ज्यादा है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण और जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज के अनुसार, मध्य म्यांमार में 7.7 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। भूकंप का केंद्र सागाइंग शहर से 16 किमी (10 मील) उत्तर-पश्चिम में 10 किमी की गहराई पर था। म्यांमार, थाईलैंड, बांग्लादेश, भारत और दक्षिण-पश्चिम चीन समेत 5 देशों में असर देखा गया। यहां के कई इलाकों में तेज झटके महसूस किये गये।

केंद्रीय कर्मियों का डीए दो फीसदी बढ़ा

झारखंड के कर्मियों का डीए जल्द बढ़ने की उम्मीद

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली/रांची। सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते (डीए) और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई राहत (डीआर) में दो फीसदी की बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। शुक्रवार को हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में डीए बढ़ोतरी पर फैसला लिया गया। केंद्रीय कर्मियों का डीए अब 53 से 55 फीसदी हो जायेगा। इसका फायदा करीब 48 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 66 लाख पेंशनरों को होगा। यह बढ़ोतरी एक जनवरी 2025 से लागू होगी। इससे पहले जुलाई 2024 में सरकार ने तीन फीसदी डीए बढ़ोतरी की थी। उधर, अब झारखंड के कर्मियों को डीए बढ़ने का इंतजार है। राज्य सरकार केंद्र की तर्ज पर ही राज्यकर्मियों का डीए बढ़ाती है। राज्य के कर्मियों को उम्मीद है कि कैबिनेट की अगली बैठक में हेमंत सरकार डीए बढ़ोतरी को मंजूरी देगी।

रांची में आजसू नेता की हत्या के विरोध में पंडरा बंद

लोगों ने सड़क जाम की, दुकानें बंद रहीं

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची में विशाल फुटवेयर दुकान संचालक सह आजसू नेता भूपल साहू की हत्या के विरोध में स्थानीय लोगों ने पंडरा से रातू की सड़क जाम कर दी। आक्रोशित लोगों ने बांस-बल्ली लगा बीच रोड पर टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। वहां पर दुकानों को बंद करा दिया गया। प्रदर्शनकारी पुलिस से अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। सड़क जाम करने के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गयी थी। इस विरोध प्रदर्शन में आजसू के नेताओं ने भी साथ दिया।

गुरुवार को हुई थी हत्या: बताते चलें कि पंडरा में गुरुवार रात को रवि स्टील के समीप विशाल फुटवेयर नामक दुकान के संचालक सह आजसू नेता का अज्ञात अपराधियों ने गला रेत दिया था। गंभीर हालत में उन्हें सिमिलिया के रिंग रोड में स्थित इस्टर्न अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गयी। वह रातू के चटकपुर स्थित सरना टोली के रहने वाले थे।

परिजन से मिल कर सांत्वना दी

स्थानीय लोगों ने इस हत्याकांड को लेकर शुक्रवार को पंडरा इलाके में बंद कराया। बंद की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और सड़क जाम कर रहे लोगों को समझाने का प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद शाम में स्थानीय लोगों का विरोध खत्म हुआ। आजसू विधायक निर्मल महतो, पूर्व विधायक लंबोदर महतो, मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत, झारखंड आंदोलनकारी प्रवीण प्रभाकर, जिला परिषद अध्यक्ष निर्मला भगत समेत कई आजसू नेता भी पंडरा पहुंचे। वह धरना-प्रदर्शन में शामिल हुए और परिजनों को सांत्वना दी।

कैश मामला: जस्टिस यशवंत वर्मा का इलाहाबाद हाइकोर्ट ट्रांसफर

सुप्रीम कोर्ट की सिफारिश पर हुई कार्रवाई, नोटिफिकेशन जारी

इलाहाबाद हाइकोर्ट भेजने का बार काउंसिल ने किया था विरोध

एफआइआर की मांग वाली याचिका खारिज

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने कैश मामले में घिरे दिल्ली हाइकोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा को इलाहाबाद हाइकोर्ट ट्रांसफर करने का नोटिफिकेशन शुक्रवार को जारी कर दिया है। जस्टिस वर्मा को इलाहाबाद हाइकोर्ट में चार्ज लेने का निर्देश दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट की सिफारिश और राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद यह आदेश जारी किया गया। इससे पहले

जस्टिस वर्मा को इलाहाबाद हाइकोर्ट भेजने का वहां की बार काउंसिल ने विरोध किया था। वकीलों ने हड़ताल भी शुरू की थी। हाइकोर्ट के 6 बार काउंसिल सदस्यों ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव खन्ना और कॉलेजियम के सदस्यों से मिलकर ट्रांसफर पर पुनर्विचार करने की मांग की थी। बताते चलें की जस्टिस वर्मा के घर में 14 मार्च को होली के दिन आग लग गयी थी। फायर सर्विस की टीम जब उसे बुझाने गयी तो स्टोर रूम में उन्हें बोरियों में भरे 500-500 रुपये के अधजले नोट मिले थे।

इधर, सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस वर्मा के खिलाफ एफआइआर करने से इनकार करते हुए जनहित याचिका खारिज कर दी। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने कहा जज के घर नोटों से भरी बोरियां मिलने के मामले में सुप्रीम कोर्ट की इंटरनल कमेटी जांच कर रही है। रिपोर्ट में कुछ गड़बड़ मिला तो एफआइआर होगी या फिर मामला संसद को भेजा जायेगा।

नीलांबर-पीतांबर ने ना केवल शोषण के खिलाफ बल्कि आजादी के लिए भी लड़ाई लड़ी : चमरा लिंडा

आजाद सिपाही संवाददाता

लातेहार। लातेहार अखिल झारखंड खरवार आदिवासी विकास परिषद लातेहार के द्वारा शुक्रवार को सदर प्रखंड के जोगनाटांड में स्वतंत्रता सेनानी अमर शहीद नीलांबर-पीतांबर का 166 वां शहादत दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कल्याण एवं अनुसूचित जनजाति मंत्री चमरा लिंडा, मनिका विधायक रामचंद्र सिंह, पूर्व मंत्री बैद्यनाथ राम, आइटीडीए निदेशक प्रवीण गगराई शामिल हुए। सबसे पहले बैगा दशरथ सिंह के द्वारा पूजा अर्चना की गयी। इसके बाद शहीद नीलांबर पीतांबर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। माल्यार्पण के बाद अतिथियों ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर विधिवत उद्घाटन किया। मंत्री चमरा लिंडा ने कहा

कि वीर नीलांबर-पीतांबर ने देश की आजादी के लिए जो बलिदान दिया है। उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता है। दोनों वीर भाइयों ने ना केवल शोषण के खिलाफ क्रांति का बिगुल फूंका बल्कि देश की आजादी के लिए अंग्रेजों से लड़ाई लड़ने का काम किया। उन्होंने कहा कि सन 1857 के सिपाही विद्रोह काल में अंग्रेजों के विरुद्ध पीपुल्स वॉर सैन्य संगठन बनाकर इन्होंने गोरिल्ला युद्ध किया था। उन्होंने कहा कि नीलांबर-पीतांबर आजादी के महानायक थे। विधायक रामचंद्र सिंह ने कहा कि नीलांबर-पीतांबर ने देश की आजादी के अपना सब कुछ न्यौछावर कर दिया। उन्होंने कहा कि नीलांबर-पीतांबर दोनों भाइयों ने अंग्रेजों से लोहा लेने का कार्य किया है। पूर्व मंत्री बैद्यनाथ राम ने कहा कि शहीद नीलांबर पीतांबर एक प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता के लिए अपना जीवन समर्पित किया था। उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ कई लड़ाइयां लड़ी थीं और कई बार जेल भी गये थे। आईटीडीए निदेशक प्रवीण गगराई ने कहा कि नीलांबर पीतांबर की सबसे बड़ी विशेषता थी। उनकी बहादुरी और निष्ठा। उन्होंने कभी भी अपने आदर्शों से समझौता नहीं किया और हमेशा देश की स्वतंत्रता के लिए लड़ते रहे। मौके पर एसडीओ अजय रजक, जिला कल्याण पदाधिकारी अनिल कुमार, जिला परिषद सदस्य विनोद उरांव, विधायक प्रतिनिधि हरिशंकर यादव, महावीर सिंह, रामदेव सिंह समेत काफी संख्या में महिला-पुरुष मौजूद थे।

सरहुल पूर्व संध्या कार्यक्रम में 30 खोड़हा दल आदिवासी वेशभूषा में शामिल हुए

आजाद सिपाही संवाददाता

सेन्हा/ लोहरदगा। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत अरु पंचायत स्थित नंदलाल उच्च विद्यालय प्लस के प्रांगण में आदिवासी रीति रिवाज से धूमधाम के साथ सरहुल पूर्व संध्या मनाया गया। सरहुल पूर्व संध्या कार्यक्रम आयोजित करने से पूर्व स्थानीय ग्राम अरु के पहान पुजार और कार्यक्रम के संरक्षक जिप सदस्य राधा तिर्की के द्वारा आदिवासी रीति रिवाज से पूजन कर और दीप प्रज्वल्लन कर कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया। वहीं आयोजित सरहुल पूर्व संध्या कार्यक्रम में प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों से लगभग 30 खोड़हा दल आदिवासी वेशभूषा में शामिल हो प्रारंपरिक ढोल, नगाड़ा और मांदर सहित अन्य वाद्य यंत्र के साथ गीत संगीत के साथ नृत्य किया गया। वहीं संरक्षक जिप सदस्य राधा तिर्की ने कहा कि सरहुल, करमा, जितिया आदिवासियों का पारंपरिक पर्व है। आदिवासी समाज के लोग आदि काल से प्रकृति के उपासक हैं। जिसे सरहुल पर्व में प्रकृति का पूजन होता है। आज के आधुनिक युग मे समाज का रीति रिवाज विलुप्त होते जा रहा है। जिसे आदिवासी समुदाय के सभी लोगों को अपने पूर्वजों का सांस्कृति धरोहर को बचाने की जरूरत है और इस कार्य के लिये समाज के सभी युवाओं को आगे आना होगा क्योंकि आज के युवा पीढ़ी समाजिक रीति रिवाज और समाज के परम्परा को भूलते जा रहे हैं।

ईदगाह समेत मस्जिदों में नमाज का समय तय

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। अंजुमन इस्लामिया द्वारा ईद को लेकर ईदगाह सहित विभिन्न मस्जिदों में ईद की नमाज का समय तय किया गया है। इसकी जानकारी अंजुमन इस्लामिया के सदर अब्दुल रउफ अंसारी और सचिव शाहिद अहमद बेलू ने संयुक्त रूप से दी है। इसके तहत ईद उल फितर नमाज की पहली जमात ईदगाह में सुबह 8:15 बजे अदा की जायेगी। ईदगाह में ईद उल फितर नमाज की इमामत जामा मस्जिद के खतीब व इमाम हजरत मौलाना कारी शमीम आलम रिजवी साहब फरमायेंगे। ईदगाह में नमाज के लिए जाने वालों से गुजारिश किया गया है कि अपने साथ जायनमाज जरूर लेकर जायेंगे। दूसरी जमात की नमाज सुबह 8:45 बजे जामा मस्जिद और बेलाल मस्जिद को छोड़कर अन्य मस्जिदों में पढ़ी जायेगी। यहां उन मस्जिदों के इमाम इमामत फरमायेंगे। तीसरी और आखिरी जमात की नमाज सुबह 9:15 बजे जामा मस्जिद और बेलाल मस्जिद में अदा की जायेगी। जामा मस्जिद में इमामत हजरत हाफिज मेराज साहब फरमायेंगे, जबकि बेलाल मस्जिद में हजरत मौलाना कारी अब्दुल हमिद साहब फरमायेंगे। उसी प्रकार मंडल कारा में ईद उल फितर की नामाज सुबह 9:15 बजे अदा की जायेगी, जिसकी ईमामत मौलवी अबुल कलाम तैगी साहब फरमायेंगे। अंजुमन इस्लामिया के सदर अब्दुल रउफ अंसारी व सचिव शाहिद अहमद बेलू ने संयुक्त रूप से लोहरदगा जिले के आवाम का आह्वान किया है कि ईदुल फितर का त्योहार खुशी, प्रेम, भाइचारा और सांप्रदायिक सौहार्द के साथ मनायें।

वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ काली पट्टी बांधकर किया मौन विरोध

कुडू / लोहरदगा (आजाद सिपाही)। कुडू प्रखण्ड में रमजान महीने के आखिरी जुमे की नमाज जुमा-ए-अलविदा कुडू शहर सहित प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में अकीदत व एहतराम के साथ सौहार्दपूर्ण माहौल में अदा की गयी। लोगों ने देश में अमन-चैन के लिए दुआएं मांगी। सुरक्षा की दृष्टि से मस्जिदों के बाहर पुलिस बल पर तैनात किया गया था। और स्थानीय पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। कुडू जामा मस्जिद के इमाम अब्दुल हसीब काशमी ने खुतबे में इस खास नमाज की अहमियत के बारे में विस्तार पूर्वक रोशनी डाली और नमाज पढ़ाई। नमाज से पूर्व अपनी तकरीर मे रमजान माह की महत्ता व शबे कद्र की विशेषताओं, जकात और सदका-ए-फितर के विषय मे भी लोगों को विस्तार से बताया। इधर अलविदा जुमा की नमाज पढ़ने पहुंचे, बुजुर्ग, नवजवान और बच्चों ने मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की अपील पर वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ विरोधस्वरूप अपने - अपने हाथों पर काली पट्टी बांधकर मौन विरोध जताया।

शोभायात्रा में शामिल होने के लिए लोगों को किया आमंत्रित

सेन्हा (आजाद सिपाही)। सेन्हा प्रखंड के मुरकी तोड़ार में लोगों को नववर्ष के उपलक्ष्य पर 30 मार्च को भव्य शोभा यात्रा में ललित नारायण स्टेडियम में शामिल होने हेतु आमंत्रित किया गया। जिला उपाध्यक्ष अनिल उरांव ने कहा सनातन की शक्ति सनातन की पहचान, तभी है हमारा भारत महान। इस देश में अनेकों भाषाएं है इसके बावजूद हमारे धर्म संस्कृति की झलक देखने लायक है। अपनी परंपरा सदियों पुरानी है और इस परंपरा को निभाना हम सब का कर्तव्य है कुछ लोग आज भी भटके हैं परंतु समय के साथ एक न एक दिन सनातन धर्म,संस्कृति की प्रेरणा से लोग खुद वा खुद जुड़ेंगे(आओ हम सब मिलकर नववर्ष मनायें और लोगों को जगाये। मौके पर जिला संरक्षक अजय सोनी, जिला कार्यकारी अध्यक्ष ओम महतो, अनिल उरांव, जिला उपाध्यक्ष विनोद प्रसाद, जिला कोषाध्यक्ष विक्की कसेरा, जिला संगठन महामंत्री बजरंग करवा, अजय प्रसाद, विनोद कुमार, रवि जयसवाल समेत काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

बहेराटाड़ में नीलांबर-पीतांबर का शहादत दिवस मना

बरवाडीह (आजाद सिपाही)। भाकपा माले की अगुवाई मे शुक्रवार को बरवाडीह प्रखंड के मुरु के बहेराटाड़ में माले प्रखंड सचिव कॉमरेड राजेंद्र सिंह के अध्यक्षता मे अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ देश के आजादी की लड़ाई मे फांसी के फंदा चूमने वाले वीर शहीद नीलांबर-पीतांबर के 166वां शहादत दिवस संकल्प दिवस के रूप मे मनाया गया। इस शहादत दिवस मे मुख्य अतिथि के बतौर माले जिला सचिव कॉमरेड बिरजू राम उपस्थित रहे। सर्व प्रथम वीर शाहिद नीलाबर पीतांबर को दो मिनट मौन के श्रद्धांजलि दे कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। बतौर मुख्य अतिथि कॉमरेड बिरजू राम ने कहा कि जिस आजादी की लड़ाई मे दोनों सहोदार भाई ने अपनी जान दी आज उनका सपना अधूरा हैं आज पूरा झारखण्ड के जल जंगल और जमीन पर कॉरपोरेट पूंजीपतियों का नजर लगा हुआ हैं। यहां की जल जमीन पर और आदिवासी के संस्कार और संस्कृति पर खतरा मंडरा रहा हैं आज भारत के दलाल पूंजीपति गरीबों के दुश्मन बने हुए हैं। शहीदों के सपना को साकार करने के लिए दोस्त दुश्मन को पहचानते हुए झारखंड मे जल जंगल और जमीन का लड़ाई तेज करते हुए गांव- गांव मे इंकलाब का नारा बुलंद करना होगा। पेशा कानून की लड़ाई रोजी रोजगार की लड़ाई को तेज करना ही शहीदो के प्रति असली श्रद्धांजलि होगी।

मल्हार समुदाय के बच्चों के बीच शिक्षण किट का वितरण

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत द्वारा निंगनी कुंबा टोली एवं सोबरन टोली, बीएस कॉलेज के समीप कूड़ा कचरा चुन कर जीवन यापन करने वाले मल्हार समुदाय के 25 बच्चों को किशोर न्याय निधि अंतर्गत स्कूल बैग, पेंसिल बॉक्स, कलर पेंसिल, कॉपी, पेन, हॉर्लिक्स, ब्रश, टूथपेस्ट बिस्किट, टॉफी, जूता, शर्ट, पैंट, स्वेटर, वॉटर बॉटल ,लंच बॉक्स इत्यादि एक किट के रूप में वितरण किया गया। उप विकास आयुक्त ने बच्चों के अभिभावक एवं ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि आज हम ऐसे समाज में जीवन-यापन कर रहे हैं, जिसमें शिक्षा का विशेष महत्व है और समाज या परिवार तभी आगे बढ़ेगा। आप लोगों से यह अपेक्षा है कि आप अपने बच्चों को स्कूल जरूर भेजें और उन्हें कूड़ा-कचरा चुनने हेतु साथ लेकर ना जाये। जिला प्रशासन के द्वारा उनके विकास में हर संभव मदद की जायेगी। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सुषमा नीलम सोरेंग के द्वारा कहा कि आप सभी अपने बच्चों को स्कूल में अवश्य नामांकन करायें और जिन बच्चों का आधार कार्ड किन्हीं कारण से नहीं बन पाया है, उन्हें कैंप लगाकर आधार बनाया जायेगा। जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी वीरेंद्र कुमार ने अभिभावकों से अपील किया है कि कूड़ा कचरा चुनने के कार्य में बच्चों को ना लगाया जाये।

ज्ञान केंद्र खोलने का नाम पर करोड़ों के घोटाले का खेल

भाजयुमो जिला अध्यक्ष ने डीसी से कार्रवाई की मांग की

डिंपल राजा

मनिका/ लातेहार (आजाद सिपाही)। लातेहार झारखंड देश का एकमात्र ऐसा राज्य है जहां पंचायती राज विभाग अपने संसाधनों से पंचायतों में ज्ञान केंद्र खोलने की पहल कर रहा है। लेकिन ज्ञान केंद्रों के संचालन से पहले ही इस योजना में बड़े पैमाने पर घोटाले की बात सामने आ है। लातेहार जिले में पंचायती राज विभाग द्वारा 80 पंचायतों में ज्ञान केंद्र स्थापित किये जाने थे, जिसके लिए प्रति पंचायत लगभग 4.20 लाख का बजट आवंटित किया गया था। इस राशि में से 4.20 लाख रुपये पंचायत मुखिया के खाते में भेजे गये थे ताकि वे आवश्यक सामग्री की खरीदारी कर सकें। लेकिन इस योजना में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं और भ्रष्टाचार की शिकायतें सामने आयी हैं।

भाजपा युवा मोर्चा की जांच में बड़ा खुलासा

लातेहार भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष छोटू राजा ने जब

मनिका प्रखंड के कोपे, मटलोंग और सिंजो पंचायतों में जांच की तो पाया कि योजना में भारी भ्रष्टाचार हुआ है। उन्होंने कहा कि सामग्री की आपूर्ति में घोर अनियमितताएं बरती गयी हैं और किसी भी तरह के सरकारी मापदंडों का पालन नहीं किया गया है। छोटू राजा ने आरोप लगाया कि ज्ञान केंद्रों को कुछ वेडरों और बिचौलियों ने पैसा बंदरबांट केंद्र बना दिया है। सरकारी दिशा-निदेर्शों के अनुसार, पंचायत ज्ञान केंद्रों को पुस्तकालय के रूप में विकसित किया जाना था। प्रत्येक ज्ञान केंद्र में 257 पुस्तकें अनिवार्य रूप से रखी जानी थीं। साथ ही 4 स्टील बुक अलमारी, 5 फीट का 2 डेस्क, 20 प्लास्टिक कुर्सी, 2 कंप्यूटर टेबल, 2 प्रिंटर, 40 इंच का 2 एलइडी स्क्रीन, 1 स्टील अलमीरा एवं 257 पुस्तको का आपूर्ति किये जाने का निर्देश था। परंतु जांच में कई ऐसे पंचायत में यह पाया गया कि दो एलइडी के जगह एक 32 इंच के एलइडी का आपूर्ति किया गया है। जबकि सभी पंचायत में 257 तरह की किताबें आपूर्ति देनी थी, लेकिन मनिका प्रखंड के मटलौंग पंचायत में कई केंद्रों में मात्र 40-50 किताबें ही आपूर्ति की गयी हैं।

अधिकारियों एवं बिचौलियों पर लगाया घोटाला करने का आरोप

छोटू राजा ने यह भी आरोप लगाया कि इस योजना को निविदा (टेंडर) प्रक्रिया के माध्यम से संचालित किया जा सकता था। लेकिन अधिकारियों ने सीधे मुखिया के खाते में राशि भेजकर भ्रष्टाचार की गुंजाइश बढ़ा दी। उन्होंने कहा कि एक-दो वेंडर पूरी योजना को नियंत्रित कर रहे हैं, जो मुखियाओं पर दबाव डालकर कम और घटिया गुणवत्ता की सामग्री जबरन आपूर्ति कर रहे हैं। भुगतान के नाम पर मुखियाओं को मजबूर किया जा रहा है और अधिकारियों के सहयोग से पूरी राशि निकाल ली जा रही है। वहीं छोटू राजा ने उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता को पत्र लिखकर इस मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। कहा कि यदि निष्पक्ष जांच हुई, तो बड़े पैमाने पर हुई गड़बड़ियों का पदार्फाश होगा और भ्रष्ट अधिकारियों पर कार्रवाई संभव होगी।

इस मामले पर प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी आत्मा सिंह का कहना है कि मामले की पूरा तरह से जानकारी नहीं है लिस्ट देखकर ही बता सकते हैं।

लातेहार की 92 पंचायतों में ज्ञान केंद्र शुरू

आजाद सिपाही संवाददाता

लातेहार। लातेहार स्वतंत्रता सेनानी शहीद नीलांबर पीतांबर के शहादत दिवस के अवसर पर लातेहार जिले के 92 पंचायतों में ज्ञान केंद्र का शुभारंभ किया गया। जिसका उद्देश्य पठन-पाठन की प्रवृत्ति को बढ़ावा देना, ग्रामीण आबादी में पढ़ने, स्व-शिक्षा और सीखने की संस्कृति को बढ़ावा देना और क्षमता में सुधार करना, ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से ज्ञान का आदान प्रदान करना, ई-लर्निंग संसाधन के डिजिटल भंडार का रख-रखाव और प्रबंधन करना है। चयनित सभी पंचायतों के मुखिया, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, जिले के वरीय अधिकारियों, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारियों की उपस्थिति में पंचायत ज्ञान केंद्र का उद्घाटन किया गया।

ज्ञातव्य है कि पंचायती राज विभाग, झारखंड सरकार द्वारा पंचायत ज्ञान केंद्र अधिष्ठापन हेतु विभिन्न चरणों में जिले के 92 पंचायतों का चयन किया गया था। उपायुक्त श्री उत्कर्ष गुप्ता द्वारा प्राप्त निर्देश के आलोक में जिले के सभी पंचायतों में आधुनिक सुविधायुक्त पंचायत पुस्तकालय संचालन की योजना पर भी कार्य किया जा रहा है। ज्ञान केंद्र पंचायतों के डिजिटलीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है, जहां शिक्षार्थियों को पठन पाठन का स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने की कोशिश की जा रही है।

इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, उप मुखिया, वार्ड सदस्य, बुद्धिजीवी एवं छात्र छात्राएं आदि उपस्थित थे।

सड़क निर्माण में गड़बड़ी की शिकायत पर अंबेरा के मुखिया ने काम बंद कराया

आजाद सिपाही संवाददाता

भंडरा। भंडरा से अंबेरा-ईरगांव मैना बगीचा तक पथ निर्माण विभाग से बनाये जा रहे सड़क निर्माण कार्य में अनियमितता बरते जाने की शिकायत के बाद अंबेरा गांव में मुखिया परमेश्वर महली की अगुवाई में कार्य को बंद करा दिया है। साथ ही सड़क चौड़ीकरण के पश्चात रैयत का जमीन अधिग्रहण के एवज में मुआवजा की मांग की है। स्थानीय ग्रामीणों ने कहा कि सड़क निर्माण के दौरान सैकड़ों की संख्या में किसानों का जमीन अधिग्रहण किया गया है। सड़क बनने से पूर्व संवेदक द्वारा ग्रामीणों के साथ ग्राम सभा आयोजित की गयी थी, जिसमें ग्रामीणों को सिर्फ अधिग्रहण जमीन और मुआवजा

दिये जाने की बात कही गयी थी। इसके एवज में किसानों से ना है वंशावली की मांग की गयी है और ना ही खाता-खतियान। मौके पर मुखिया परमेश्वर महली ने कहा कि संवेदक काम कराकर निकल जाते है, परंतु किसान व रैयत को जमीन अधिग्रहण का मुआवजा लंबित पड़ा रहता है। ऐसे में किसानों को मुआवजा मिलने को लेकर विभाग और सड़क निर्माण कार्य करा रहे संवेदक को संतुष्ट करना पड़ेगा। भंडरा प्रखंड के मसमानो सड़क निर्माण के समय में सड़क निर्माण को लेकर जमीन अधिग्रहण किया गया था। कार्य करने के दौरान ही मुआवजा दिये जाने की बात कही गई थी, परंतु कार्य पूर्ण हुए कई वर्ष बीत चुके है। उन्होंने कहा कि अंबेरा में संवेदक द्वारा सड़क निर्माण के साथ गार्डवाल बनाया जा रहा है। जिसमें काफी अनियमितता बरती जा रही है।

रोजेदारों ने अदा की अलविदा जुमे की नमाज

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। रमजान के पवित्र महीने के अंतिम जुमे की नमाज शुक्रवार दोपहर 1:00 बजे जिलेभर की मस्जिदों में अदा की गयी। शहर की ऐतिहासिक जामा मस्जिद में हजारों की संख्या में मुस्लिम धर्मावलंबी और रोजेदार पहुंचे। पूरे माह की इबादत और रोजे के बाद अलविदा जुमे की नमाज को लेकर लोगों में गहरी श्रद्धा और उत्साह देखा गया। भीड़ इतनी अधिक थी कि जामा मस्जिद और अन्य प्रमुख मस्जिदों के बाहर सड़कों पर भी लोगों ने नमाज पढ़ी। नमाज के दौरान किसी को असुविधा न हो, इसके लिए प्रशासन ने पुख्ता इंतजाम किये थे। जामा मस्जिद जाने वाले सभी रास्तों को बंद कर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गयी थी।

अनुशासन और खुशी के साथ मनायें सरहुल : उपायुक्त

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। सरहुल को लेकर उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक जिला परिषद कार्यालय, लोहरदगा स्थित सभाकक्ष में आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न सरहुल समितियों से आए प्रतिनिधियों ने अपने-अपने विचार रखे व सुझाव दिये। बैठक में सरहुल के दिन पेयजल की व्यवस्था, लाईट की व्यवस्था, सुचार यातायात संबंधी सुझाव दिये। बैठक में उपायुक्त ने कहा कि प्रकृति का यह पर्व अनुशासन की मिसाल है। सार्वजनिक स्थान पर यह पर्व काफी अनुशासित तरीके से मनाया जाता है जो प्रशंसनीय है।

यह मिसाल आगे भी कायम रहना चाहिए। बैठक में जो भी प्रस्ताव आये हैं उस पर जिला प्रशासन द्वारा हरसंभव प्रयास किया जावेगा। जो भी शोभायात्रा निकलेगी उसमें व्यवस्था बनाये रखना आप सभी की भी जिम्मेवारी है। सभी पदाधिकारी अपना कम्युनिकेशन प्लान तैयार रखेंगे ताकि कभी भी किसी से संपर्क आसानी से किया जा सके। सरहुल समिति अपने शोभायात्रा के दौरान शोभायात्रा में शामिल होनेवालों को एक दायरे में रखने के लिए व्यवस्था बना कर चलें ताकि जरूरी वाहनों को पास दिया जा सके।

उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने कहा कि किसी भी प्रकार के अफवाहों की सूचना जिला प्रशासन को अवश्य दें। समय पर किसी प्रकार की सूचना पहुंचने पर कार्रवाई करने में आसानी होती है। जो रूट शोभायात्राओं के तय है उसे ना बदलें। अपने-अपने वॉलेंटियर्स तैयार रखें और उसकी सूचना प्रशासन को भी दें।

शोभायात्रा के समय रहेगी सुरक्षा व्यवस्था : एसपी

पुलिस अधीक्षक हारिस बिन जमां ने कहा कि शोभायात्रा समय से निकाला जाये और समय से संपन्न किया जाए ताकि समय से बिजली बहाल की जा सके। जो निर्धारित रूट है उसके अनुसार ही शोभायात्रा निकाली जाये। जहां-जहां नशा करने वालों का अड्डा है, थाना प्रभारी उसकी सूचना मिलते ही कार्रवाई करें। सिर्फ पर्व-त्यौहारों में ही नहीं, बल्कि थाना प्रभारी अपने-अपने थाना क्षेत्र में नियमित रूप से छापेमारी करें और कार्रवाई करें। सरहुल समेत आगामी पर्व-त्यौहारों के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस फोर्स मंगा ली गयी है और उनकी तैनाती कर दी जायेगी।

हाजीपुर रेल जोन के सेक्रेटरी ने आरओएच शेड का लिया जायजा

बरवाडीह (आजाद सिपाही)। हाजीपुर रेल जोन के महाप्रबंधक के सेक्रेटरी सुमंत कुमार सिंह शुक्रवार को दो दिवसीय निरीक्षण कार्यक्रम के तहत बरवाडीह पहुंचे। बरवाडीह आने के बाद सहायक मंडल यांत्रिक अभियंता विकास शुक्ला, स्टेशन प्रबंधक अनिल कुमार द्विवेदी समेत अन्य अन्य अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। निरीक्षण कार्यक्रम को लेकर सुमत कुमार सिंह ने आरओएच शेड पहुंच कर कार्य का जायजा लिया। आरओएच शेड मे हो रहे सभी कार्यों की बारीकी से जायजा लेते हुए सहायक मंडल यांत्रिक अभियंता और अन्य अधिकारी कर्मियों से कई बिंदुओं पर जानकारियां लेते हुए उन्हें दिशा निर्देश भी दिया। सुमंत कुमार ने कहा कि पुरे जोन मे बरवाडीह आरओएच शेड एक बेहतर डिपो के रूप मे हैं। उन्होंने अभी कहा कि यहां के कर्मियों और अधिकारियों की कड़ी मेहनत के धनबाद डिवीजन को बेहतर स्थान हाजीपुर रेल जोन के साथ-साथ पूरे रेलवे बोर्ड में भी मिलता रहा है।

डीएवी शताब्दी पब्लिक स्कूल की कक्षा-6 से 11 वीं का परिणाम घोषित

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। डीएवी शताब्दी पब्लिक स्कूल के कक्षा-6 से 11 वीं के वार्षिक परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया। कक्षा नवम लिली में मयंक राज ने 96.40 तथा नवम रोज में अक्षिता द्विवेदी ने 96%अंक प्राप्त कर प्रथम रहे। कक्षा आठवीं लिली में संकल्प सिद्धार्थ 80.91तथा कुमारी प्रकृति आठवीं रोज में 96.75 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम रहे। कक्षा सातवीं लीली में अंकित कुमार 94.66 तथा सातवीं रोज में स्पृहा यादव ने 96.50 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम रहे। वही कक्षा षष्ठम लिली में रिजवान अली 97.83 प्रतिशत तथा षष्ठम रोज मेंआकांक्षा प्रिया 94 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम रहे। सभी प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को विद्यालय के प्राचार्य राजेंद्र सचदेवा ने मेडल व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया तथा बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

अंसारी एकता संगठन के लोग पहुंचे पीड़ित परिवार के घर, की न्याय की मांग

गढ़वा /रंका (आजाद सिपाही)। राष्ट्रीय अंसारी एकता संगठन गढ़वा की टीम चर्चित नावा बाजार पुलिस कस्टडी में हुई मौत के मामले में मृतक महफूज अहमद के नावा बाजार पलामू स्थित पैतृक गांव पहुंची। जहां परिजनों से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया और न्याय मिलने तक उनका हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। जिला अध्यक्ष आफताब आलम ने सरकार से एक करोड़ रुपये मुआवजा और एक आश्रित को सरकारी नौकरी की मांग की। साथ ही कहा कि सीबीआई से जांच हो और दोषी पाये जाने वाले पदाधिकारी और पुलिस कर्मियों को नौकरी से बर्खास्त किया जाये और उन्हें आजीवन कारावास की सजा दी जाये। इस मौके पर मानवाधिकार के जिला अध्यक्ष फिरोज अंसारी, पदाधिकारी शमशाद अंसारी, शोएब अंसारी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

चैती छठ पूजा के दौरान मांस की खुले में बिक्री पर प्रतिबंध लगाने की मांग

गढ़वा (आजाद सिपाही)। भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल गढ़वा के अध्यक्ष उमेश कश्यप के नेतृत्व में मंडल के पदाधिकारी के द्वारा श्रीराम जन्मोत्सव एवम् महापर्व चैती छठ पर नगर परिषद क्षेत्र में मांस की बिक्री पूर्ण रूप से बंद कराने को लेकर गढ़वा अनुमंडल पदाधिकारी को मांग पत्र दिया गया। आग्रह किया गया कि 6 अप्रैल तक पूरी तरह से मांस की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया जाये। जिससे सनातन धर्म के मानने वाले लोगों को अपने त्योहार मनाने में किसी प्रकार का कठिनाई न करना पड़े। मौके पर मदन मोहन गुप्ता (विधायक प्रतिनिधि) बंधु राम राजू मेहता, विशाल गुप्ता, मनोज महतो आदि उपस्थित थे।

जिला प्रशासन चैत्र नवरात्र के दौरान मांस मदिरा की बिक्री पर प्रतिबंध लगाये : रितेश

गढ़वा (आजाद सिपाही)। भाजपा जिला मिडिया प्रभारी रितेश चौबे ने कहा कि जिला प्रशासन चैत्र नवरात्र रामनवमी पुजा के दौरान मांस मदिरा पर प्रतिबंध लगाये। उन्होंने कहा कि नवरात्र रामनवमी और चैत्र छठ पूजा का आयोजन गढ़वा सहित पूरे जिले भर में घुमधाम से बड़े पैमाने पर होता है। जिसमे गांव से लेकर शहर तक लाखों-लाख की संख्या में श्रद्धालु पुजा में शामिल होते हैं। इसलिए नवरात्र प्रारंभ से लेकर रामनवमी उत्सव तक सार्वजनिक स्थानों पर मांस, मदिरा, मछली और अंडा आदि के बिक्री पर प्रतिबंध लगायी जाये, ताकि पुजा में किसी भी प्रकार से व्यवधान उत्पन्न नहीं हो सके।

झारखंड पेंशनर्स कल्याण समाज कार्यसमिति की बैठक

गढ़वा (आजाद सिपाही)। केके यादव की अध्यक्षता में झारखंड पेंशनर्स कल्याण समाज गढ़वा के कार्य समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक का मुख्य एजेंडा में विगत बैठक की कार्यवाही की संपुष्टि, कोषाध्यक्ष द्वारा प्रस्तुत आय व्यय का अनुमोदन, कल्याण कोस और सदस्यता अभियान पर विचार विमर्श, ग्रीष्मकल में कार्यालय का समय निर्धारण, मृत पेंशनरों के लिए शोक सभा एवं प्राप्त शिकायतों आदि पर विचार किया गया। सभा को पेंशनर बृजनंदन प्रसाद, श्रवण कुमार, हरिवंश राम, केके मेहता, श्याम बिहारी राम, सुरेंद्र चौबे एवं श्री गोपाल राम आदि ने अपने-अपने विचार एजेंडा के अनुरूप दिया। मंच का संचालन अशर्फी राम ने किया। उन्होंने कहा कि आयकर विभाग द्वारा बिना सूचना के टीडीएस काटा गया है, जो गलत है, इसकी वापसी अनिवार्य रूप से होना चाहिए। यहां तक की एक चपरासी से भी आयकर टीडीएस की कटौती कर दी गयी है, जबकि वह आयकर के दायरे से बाहर है।

कॉलेज ने डेंटल चेकअप कैंप का किया आयोजन

गढ़वा (आजाद सिपाही)। वनांचल डेंटल कॉलेज के द्वारा शुक्रवार को डेंटल चैकअप कैंप का आयोजन राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय जेतपुरा में फ्री डेंटल चैकअप कैंप का आयोजन किया गया। जिसका नेतृत्व डॉक्टर एके सिन्हा अस्पताल अधीक्षक के नेतृत्व में किया गया। जिसमें विद्यालय के सभी बच्चों को दांत की जांच कर दवा एवं टूथ ब्रश वगैरह का वितरण किया गया। साथ ही साथ दांत में होने वाली बीमारियों के बारे में बताया गया। इस कैंप में डॉ मनोज, डॉ देवजीत आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

विधि व्यवस्था : ईद, सरहुल और रामनवमी को लेकर अनुमंडल स्तरीय बैठक

माहौल बिगाड़ने वालों को ससमय चिन्हित कर निरोधात्मक कार्रवाई करें : एसडीएम

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। शुक्रवार को अनुमंडल दंडाधिकारी संजय कुमार की अध्यक्षता में क्षेत्र की विधि व्यवस्था से जुड़े विषयों को लेकर अनुमंडल स्तरीय बैठक हुई। बैठक में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सभी अंचल अधिकारी, प्रशिक्षु डीएसपी, दोनों नगर निकायों के प्रशासक, फूड सेफ्टी आफिसर, सभी पुलिस निरीक्षक व सभी थाना प्रभारी मौजूद थे। सदर एसडीएम के कार्यालय कक्ष में हुई इस महत्वपूर्ण बैठक में ईद, रामनवमी, सरहुल और चैती छठ आदि पर्व त्योहारों को देखते हुए विभिन्न समसामयिक विषयों पर थाना-वार चर्चा और समीक्षा हुयी। अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिया कि वे संभावित शांति भंग करने वालों को चिन्हित कर अविलंब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 126 के तहत अनुशंसा कर दें, साथ ही एसडीएम कोर्ट से निर्गत सभी नोटिसों का तामिला ससमय करवा दें। उन्होंने कहा कि यदि किसी थाना प्रभारी या किसी अन्य पदाधिकारी को कहीं से कोई पुष्ट सूचना मिलती है कि अमुक व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह कहीं पर शांति भंग करने की फिराक में है तो अविलंब सूचित करें, ताकि उस पर त्वरित संज्ञान लेकर तुरंत कार्रवाई की जा सके। इस दौरान अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नीरज कुमार, सीओ गढ़वा सफी आलम, सीओ मेराल यशवंत नायक, सीओ डंडई देवलाल करमाली, सीओ डंडा नरेंद्र कुमार सिंह, सीओ बरडीहा और कांडी राकेश सहाय, सीओ मझिआंव प्रमोद, प्रशिक्षु डीएसपी चिरंजीव मंडल आदि अन्य उपस्थित थे।

ट्रेजरी में आज तीन बजे तक ही लिये जायेंगे बिल

उपायुक्त ने देर शाम किया निरीक्षण, अधिकारियों को दिया निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। उपायुक्त शेखर जमुआर ने वित्तीय वर्ष 2024-2025 की समाप्ति को लेकर गुरुवार को देर शाम कोषागार कार्यालय गढ़वा का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने कोषागार कार्यालय पहुंचकर कोषागार पदाधिकारी प्रशांत मिंज से कोषागार में प्राप्त सभी विपत्र की सिलसिलेवार जानकारी प्राप्त की। विपत्र को ससमय पारित किया जा रहा है या नहीं इसका भी कंप्यूटर से निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने कोषागार पदाधिकारी सहित प्रधान सहायक और विपत्र लिपिक को निर्देश दिया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 की समाप्ति को देखते हुए कोषागार में जो भी विपत्र प्राप्त हो रहे हैं उसे उसी तिथि में पारित करना सुनिश्चित करेंगे। उस तिथि को प्राप्त सभी विपत्र नियमानुसार पारित करने के पश्चात ही कोषागार बंद करेंगे ताकि विपत्र पारित होने के अभाव में राशि व्ययगत ना हो।

साथ ही उपायुक्त श्री जमुआर ने जिले के सभी निकासी और व्ययन पदाधिकारीयों को भी निर्देश दिया है कि 29 मार्च 2025 के अपराह्न 3:00 बजे तक अपने कार्यालय से संबंधित प्राप्त आवंटन के विरुद्ध नियमानुसार विपत्र तैयार कर कोषागार कार्यालय में जमा करेंगे।

वित्त विभाग, झारखंड सरकार द्वारा प्राप्त आदेश के अनुसार 29 मार्च को अपराह्न 3 बजे के बाद कोषागार में कोई भी विपत्र नहीं लिए जायेंगे। यदि इस स्थिति में किसी भी कार्यालय में पूर्व से प्राप्त आवंटन की राशि व्ययगत होती है तो इसकी संपूर्ण जिम्मेवारी संबंधित निकासी और व्ययन पदाधिकारी की होगी।

बीएनटी संत मैरी स्कूल में वार्षिक परीक्षाफल का वितरण

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। शहर के सोनपुरवा स्थित बीएनटी संत मैरी स्कूल में 28 मार्च को कक्षा तृतीय से कक्षा 11वीं तक के छात्र-छात्राओं का परीक्षा फल जारी किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य अमित कुमार तिवारी ने सभी विद्यार्थियों के अभिभावकों की समस्या को समझने का प्रयास किया, साथ ही साथ उन्होंने विभिन्न तरह की समस्याओं के निदानात्मक हल भी बताया। 2 अप्रैल 2025 से सभी वर्ग की कक्षाएं नये समय सारणी के साथ प्रारंभ कर दी जायेगी। नये सत्र में नामांकन गढ़वा और क्षेत्र के आसपास छात्रों के लिए उनके प्री बोर्ड एग्जामिनेशन या अर्धवार्षिक परीक्षा के प्राप्त अंक के आधार पर 60% एवं 70% उससे अधिक अंक लाने वाले छात्र को क्रमशः 3000 एवं 5500 का नामांकन बेनिफिट के रूप में दिया जायेगा। कक्षा तीसरी से अजलन आलम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं वर्ग 4 में समृद्धि रानी को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। वर्ग पांचवी से साक्षी कुमारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वर्ग 6 से दीक्षा मौर्य ने प्रथम स्थान में अपनी जगह बनायी। वर्ग सातवीं से लकी गुप्ता ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कक्षा आठवीं से रितिका कुमारी सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कक्षा नवीं से लक्ष्मी कुमारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं कक्षा 11वीं से श्रीजीत मोहंता तृतीय स्थान, नचिकेता तिवारी द्वितीय स्थान तथा आसन कुमारी का प्रथम स्थान पर कब्जा रहा। विद्यालय के निदेशक उमाकांत तिवारी ने सभी विद्यार्थियों को उनके क्षमता अनुसार प्रदर्शन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

डंडई में गांव से दूर आंगनबाड़ी केंद्र बनाने का ग्रामीणों ने किया विरोध

आजाद सिपाही संवाददाता

डंडई। डंडई प्रखंड के रारो गांव के उत्तर टोला में प्रस्तावित आंगनबाड़ी केंद्र का भवन निर्माण पोषक क्षेत्र से करीब दो किलोमीटर दूर कराये जाने पर ग्रामीणों ने जम कर विरोध करते हुए भवन निर्माण कार्य पर रोक लगा दिया। विरोध कर रहे ग्रामीण विजय राम, रमेश प्रजापति, सदामुखी राम, मुन्ना राम, अमीर हसन, संजय राम, वकील अंसारी, मुजफ्फर अंसारी, प्रेम यादव, अर्जुन विश्वकर्मा, जमसीद अंसारी, अबरार अंसारी सहित अन्य ग्रामीणों का कहना है कि आंगनबाड़ी भवन को पोषक क्षेत्र से दो किलोमीटर दूर बन जाने से केंद्र में पढ़ने वाले छोटे-छोटे बच्चों के साथ गर्भवती व धात्री महिलाओं को जाने भारी परेशानी होगी। ग्रामीणों का कहना है उक्त टोला में पहले आंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य को लेकर पीलिंथ कर छोड़ा हुआ है। उसी जगह पर भवन निर्माण कार्य कराया जाना चाहिए, ताकि छोटे -छोटे बच्चों आंगनबाड़ी केंद्र पहुंच सके। इधर बाल विकास परियोजना पदाधिकारी के निर्देश पर पर्यवेक्षिका मीना देवी शुक्रवार को करीब एक बजे स्थल का जांच करने पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने बताया कि जिस जगह पर केंद्र का निर्माण कराया जा रहा है। वह पोषक क्षेत्र से बाहर है। यहां आंगनबाड़ी भवन को बन जाने से छोटे -छोटे बच्चों और महिलाओं को केंद्र आने जाने में काफी परेशानी होगी। वहीं बताया कि भवन निर्माण स्थल के बगल में करीब दस फीट गहरा गड्ढा है, जिससे छोटे बच्चों के लिए उचित नहीं है। वही ग्रामीणों ने संबंधित विभाग के अधिकारियों से मांग किया है कि पोषक क्षेत्र में आंगनबाड़ी भवन निर्माण के लिए पहले पीलींथ किये गये स्थान पर आंगनबाड़ी भवन का निर्माण कराया जाये। ताकि टोले के छोटे छोटे बच्चे आंगनबाड़ी केंद्र पहुंच सकें।

अंगूठा लगवाने के बाद भी नहीं मिल रहा राशन

आजाद सिपाही संवाददाता

सगमा। सरकार भले ही राशन वितरण प्रणाली में पारिदर्शिता लाने के लिए लाख जतन कर रही हो लेकिन सस्ते गल्ले की दुकानों में भ्रष्टाचार कम नहीं हो रहा है। ग्रामीण क्षेत्र में दुकानों के संचालक कार्ड धारकों से अंगूठा तो लगवा रहे हैं, लेकिन उन्हें राशन नहीं मिल पा रहा है।

बताते चलें कि सगमा प्रखंड के बीरबल पंचायत के मकरी गांव का मामला है, जहां जनवितरण कोटेदार सुभाष चंद्र जायसवाल का है जो पिछले दो माह से लेकर आठ माह तक का राशन कार्डधारकों से अंगूठा लगवाकर अनाज नहीं देने का मामला आया है। इसकी शिकायत बीडीओ और गोदाम मैनेजर से ग्रामीणों ने लिखित शिकायत किया है। ग्रामीणों ने लिखा है कि वेट मशीन पर पत्थर रख कर अंगूठा लगवाते है, इसके बाद पर्ची भी नहीं देते हैं और राशन मांगने के बाद बोलते हैं कि राशन खत्म हो गया है आयेगा तो ले जाना। इसके बाद दुकान से डांट कर लाभुकों को भगा देते है। कार्डधारियों ने शिकायत में लिखा है कि हम सभी लोगों का राशन 2 माह से लेकर 8 माह तक बकाया है, जैसे निर्जय कुमार रजक 4 माह, प्रदीप कनौजिया 2 माह, रघुराज महतो 2 माह, प्रेम यादव 4 माह, राजेंद्र कुशवाहा 6 माह, शिव कुमार 3 माह, संजय कुमार कनौजिया 3 माह, राजकुमार कुशवाहा 6 माह, बिरझन कुशवाहा 3 माह, विद्यावती देवी 6 माह, देव कुमार कुशवाहा 4 माह, रेखा देवी 4 माह, लव कुमार 6 माह, छोटू कुशवाहा 4 माह, रामचंद्र कुशवाहा 6 माह शिवचंद्र मेहता 5 माह, रंजीत कुमार 8 माह, वीरेंद्र 7 माह आदि अन्य का अंगूठा लगवाकर राशन नहीं दिया गया है। लाभुकों ने आला अधिकारियों से गुहार लगाया है कि बकाया राशन दिलाया जाए और व्यवस्था (सिस्टम)को दुरुस्त करवाया जाये।

स्थानीय मुखिया इंद्रजीत कुशवाहा से पूछे जाने पर उन्होंने बतलाया कि बात सत्य है प्रखंड विकास पदाधिकारी के पास शिकायत पत्र दिया गया है इसकी जांच कर कार्रवाई किया जायेगा। इसी दौरान प्रखंड प्रमुख अजय शाह से पूछे जाने पर कहा कि मुझे मालूम नहीं है मालूम करता हूं। मालूम हो कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 की धारा 3 (1) और झारखंड लक्षित जन वितरण प्रणाली नियंत्रण आदेश, 2019 का स्पष्ट उल्लंघन है। फिर भी जिला और प्रखंड के पदाधिकारी चुप्पी साधे हुए है।

उधर इस संबंध में एमो और एजीएम से पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि राशन कार्ड लाभुकों के द्वारा आवेदन प्राप्त हुआ है जांच उपरांत दोषी पाये जाने पर उचित कार्रवाई की जायेगी।

जिला स्तरीय चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन

हरिहरपुर (आजाद सिपाही)। स्थानीय उवि के प्रांगण में शुक्रवार को डायट रेहला की ओर से जिला स्तरीय चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में मवि हुरका, बांसडीह, हरिहरपुर, बतो खुर्द, मझिगांवा, उत्क्रमित उवि रपुरा, मेरौनी, डूमरसोता, उवि हरिहरपुर, आश्रम अवासीय उच्च विद्यालय मझिगांवा, जमा दो उवि परसोडीह व कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय कांडी के कुल ढाई सौ छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। मुख्य अतिथि एयर फोर्स के सेवानिवृत्त फ्लाइंग अफसर सुनील सिंह ने कहा कि पेंटिंग प्रतियोगिता से छात्रों में रचनात्मक विकास होता है। झारखंड सरकार की सराहनीय पहल से छात्रों में सर्वांगीण विकास करना लक्ष्य है।

COURT NOTICE

IN THE COURT OF THE CIVIL JUDGE JR. DIVISION/MUNSIFF, SERAIKELLA
Original suit no. 09/2024
Krishna Gorai & ans...Plaintiffs
Versus
Makar Gorai & ors.....
Defendands

1. Mr. Santosh kumar Rai S/O Sri jugal Kishore Rai, resident of Qr. No. 58/2/1 Road No. 16 P.O.& P.s. Adityapur Dist:-Seraikella, kharswan, jharkhand.

Whereas the above Plaintiffs have institute a orginal suit against you for declaration of Sale Deed no. 3074 dated 29.07.2015 is illegal,in operative, void, abinitio and not binding upon the Plaintiffs. You are hereby summon to appear before the court as well as sent regd. postal notice But you have not been appear till now.
You are hereby notice through PUBLICATION in daily news paper to appear in person or through Your Lawyer before this court on the date fixed 29 day of march 2025. at 10:30 O'clock
In this suit for your appearance, failing which the suit/case will be heard in your absence. Given under my hand and seal of this court in the 20 day of feb 2025.
CIVIL JUDGE JR. DIV. (MUNSIFF)
SERAIKELLA

COURT NOTICE

IN THE COURT OF THE CIVIL JUDGE JR. DIVISION/MUNSIFF, SERAIKELLA
Original suit no. 08/2024
Krishna Gorai & ans...Plaintiffs
Versus
Makar Gorai & ors.....
Defendands

1. Mr. Santosh kumar Rai S/O Sri jugal Kishore Rai, resident of Qr. No. 58/2/1 Road No. 16 P.O.& P.s. Adityapur Dist:-Seraikella, kharswan, jharkhand.

Whereas the above Plaintiffs have institute a orginal suit against you for declaration of Sale Deed no. 3074 dated 29.07.2015 is illegal,in operative, void, abinitio and not binding upon the Plaintiffs. You are hereby summon to appear before the court as well as sent regd. postal notice But you have not been appear till now.
You are hereby notice through PUBLICATION in daily news paper to appear in person or through Your Lawyer before this court on the date fixed 04 day of April 2025. at 10:30 O'clock
In this suit for your appearance, failing which the suit/case will be heard in your absence. Given under my hand and seal of this court in the 11 day of March 2025.
CIVIL JUDGE JR. DIV. (MUNSIFF)
SERAIKELLA

पूर्व तट रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.e-Tender-Elect-G-66-24
कार्य का विवरण: पूर्व तट रेलवे के खोरधा रोड मण्डल के 33 संख्यक 'F' श्रेणी स्टेशनों के प्लाटफॉर्मों एवं परिचालन क्षेत्र में नवीकरणीय सौलार प्रकाश का प्रावधान।
कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में): 5,57,54,160/-, EMD (रुपये में): 4,28,800/-, पूरा होने की अवधि: 6 महीने।
निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: दिनांक 16.04.2025 को 1500 बजे।
ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।
उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।
निविदाकारों/बोलीदाताओं के पास अवश्य क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए और वे IREPS पोर्टल में अवश्य पंजीकृत होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ई-टेंडरिंग में शामिल हो सकते हैं। निर्देशानुसार ई-निविदा मे भाग लेते समय सभी प्रासंगिक पेपर अवश्य अपलोड होना चाहिए।
द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/ शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा खुलने से कम से कम 10(दस) दिन पहले वेबसाइट का पुन:अवलोकन करें।
वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता (G)/ खोरधा रोड
PR-1140/P/24-25

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

(मुख्य परियोजना प्रबंधक), गति शक्ति पूर्व मध्य रेलवे, धनबाद द्वारा निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए ई–निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।
क्रम संख्या : 1, ई–निविदा संख्या : 09-GS-DHN-2024-25, **कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि :** जीसीः उप मुख्य परियोजना प्रबंधक (गति शक्ति इकाई), पूर्व मध्य रेलवे, धनबाद के अधीन धनबाद स्टेशन पर प्लेटफार्म नंबर 3 और गोमोह स्टेशन पर प्लेटफार्म नंबर 2 और 3 के लिए बैलास्टलेस ट्रैक का प्रावधान। 12 (महीने), **कार्य की लगभग लागत (रुपये में) :** 15,10,85,140.78, **व्याने की राशि (रुपये में) :** व्याने की राशि (रुपये में) http://www.ireps.gov.in पोर्टल पर दिखाये राशि के अनुसार लागू, **निविदा बंद होने एवं खुलने की तारीख एवं समय :** ई–निविदा बंद होने की तारीख 21.04.2025 को 15:00 बजे तक ई–निविदा खुलने की तारीख 21.04.2025 को 16:00 बजे से, **वेबसाईट का विवरण : http://www.ireps.gov.in**
ई–निविदा के तहत मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं की जायेगी
नोट :– (i) प्रत्याशित निविदादाताओं को यह सलाह दी जाती है कि इस ई–निविदा की जारी होने की कोई भी परिवर्तन और शुद्धि पत्र की ओर ध्यान देने के लिए निविदा बंद होने की अंतिम तिथि से कम से कम पंद्रह दिन पहले वेबसाइट http://www.ireps.gov.in अवलोकन करें।
मुख्य परियोजना प्रबंधक (गतिशक्ति)
पूर्व मध्य रेलवे, धनबाद
पीआर/02349/डीएचएनजीएस/डीएनआरजीएस/टी/24-25/40

रांची मंडल में ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

अधिसूचना संख्या: सी/आरएनसी/ई-ऑक्शन/2025 दिनांक: 28.03.2025

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे, रांची द्वारा रांची मंडल में ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। कैटलॉग को आईआरईपीएस वेबसाइट पर पहले ही प्रकाशित किया जा चुका है। विवरण निम्नलिखित अनुसार हैं: **क्र.सं.; श्रेणी; कैटलॉग संख्या; परिसंपत्ति का विवरण; नीलामी शुरू** और **नीलामी बंद होने की तारीख** निम्नानुसार हैं: **1;** पार्सल स्कैनर; **आरएनसीपीएस13;** रांची मंडल के रांची एवं हटिया पार्सल ऑफिस में पार्सल स्कैनर की स्थापना एवं परिचालन; 07.04.2025 को सुबह 10.00 बजे और 07.04.2025 को सुबह 10.40 बजे। **2;** विज्ञापन; **आरएनसीएडीवीटी36;** रांची मंडल में वाणिज्यिक प्रचार अनुबंधों (08 अदद घर के बाहर, 3 अदद स्टेशन के अंदर, ट्रेन के अंदर-07, ट्रेन के बाहर-11) के लिए ई-नीलामी; 15.04.2025 को सुबह 11.00 बजे और 15.04.2025 को अपराह्न 4.10 बजे। **3;** विविध स्टैटिक्स (चिकित्सा सुविधा); **आरएनसीएमएफसी18;** रांची स्टेशन पर चिकित्सा सुविधा के लिए ई-नीलामी; 14.04.2025 को दोपहर 12.00 बजे और 14.04.2025 को दोपहर 12.30 बजे। **4;** विविध स्टैटिक्स (बैटरी परिचालित गाड़ी); **आरएनसीबीओसी13;** रांची मंडल के रांची एवं हटिया में बैटरी परिचालित गाड़ी के परिचालन एवं रखरखाव के लिए ई-नीलामी; 11.04.2025 को दोपहर 2.00 बजे और 11.04.2025 को दोपहर 2.40 बजे। **5;** पार्किंग; **आरएनसीपार्किंग36;** टांगरबंसली, पिस्का, इटकी और सुइसा स्टेशनों पर पार्किंग के प्रबंधन के लिए ई-नीलामी; 14.04.2025 को सुबह 11.00 बजे और 14.04.2025 को दोपहर 12.00 बजे। **6;** एटीएम; **आरएनसीएटीएम34;** रांची मंडल में एटीएम के लिए 06 अदद परिसंपत्तियों के लिए ई-नीलामी; 11.04.2025 को दोपहर 12.00 बजे और 11.04.2025 को दोपहर 1.20 बजे। **द्रष्टव्य:** भावी बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे आईआरईपीएस वेबसाइट **(www.ireps.gov.in)** पर ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल देखें। उपरोक्त उल्लिखित कैटलॉग के तहत लॉट वार विवरण उपलब्ध हैं।

(PR-1289) वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, रांची

दक्षिण पूर्व रेलवे
मुस्कान के साथ सेवा

Jharkhand Urja Sancharan Nigam Ltd.
(CIN: U40108JH2013SGC001704)
Regd. Office: 2nd Floor, JUSNL (SLDC) Building, Kusai Colony, Doranda, Ranchi-02
(E-mail:cetjusnl@gmail.com)

SHORT e-TENDER NOTICE
NIT No. – 610/PR/ JUSNL/ 2024-25

E-tender in two parts i.e. Technical (Part-I) and Financial (Part – II) is invited from reputed, capable, experienced and financially sound firm for the following works : -

Name of work	Design, Engineering, supply, erection, testing & commissioning of line differential protection in under construction 400 kV D/C QM Katia – Patratu Transmission line on turnkey basis.
Estimated cost (Rs.)	Rs. 2,14,13,698.00 (including GST)
Earnest Money Deposit	Rs. 4,28,500.00 On line mode
Completion Period	45 Days
e-Tender fee	Rs. 10,000.00 + 18% GST On line mode.
Start Date & Time of Download the Tender Documents	02.04.2025 at 11:00 AM
Start Date and time of upload of BID	02.04.2025 at 11:00 AM
End date and time of upload of BID	21.04.2025 upto 04:00 PM
BID Opening date for technical part	22.04.2025 at 04:00 PM
BID Opening date for price part	Will be communicated
Procurement Officer and address for communication	General Manager, C&M (NWBP), 2nd Floor, JUSNL (SLDC) Building, Kusai Colony, Doranda, Ranchi – 834002

1. e-Tender document and BOQ including terms & conditions, tender specification can be downloaded from website https://jharkhand tenders.gov.in. Any details required in this regard can also be had from the office of the undersigned **(6202162568)** during office hours.
2. The bids will be received through electronic tendering mode only.
3. No claim shall be entertained on account of disruption of internet services being used by bidders. Bidders are advised to upload their bids well in advance to avoid last minute technical snag.

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचायें। कृपया अपनी शिकयतों को 18003456570 (कॉल सेन्टर) पर दर्ज करायें।

Sd/-
General Manager,
C&M (NWBP)
PR 349462 Jharkhand Urja Sancharan Nigam Ltd (24-25)_D

Government of Jharkhand
URBAN DEVELOPMENT AND HOUSING DEPARTMENT
STATE URBANDEVELOPMENT AGENCY
RFP No.: 07/NV/Reform (Audit)01-2015- (Part 1)- 08 Date: 28/03/2025

REQUEST FOR PROPOSAL
(E- Procurement Notice)

1.	Name of the Work	**Selection of CAG empaneled Chartered Accountant Firms for Audit of Books & Accounts in 49 Urban Local Bodies(ULBs),Jharkhand (Package 1, 2, 3, 4 & 5)**
2.	Descriptions and Objectives of the Assignments	Audit of Books and Accounts from FY 2023-24 to next two Financial Years like Cash Book, Ledger, Assets Register all Subsidiary Register, Balance Sheet, Financial Statement, Receipt Payment A/C, Income & Expenditure A/C, physical verification of Assets & Stocks and all relevant records of the concern ULB.
3.	Language of Documentation	English
4.	Mode of submission of bids	e-Tendering (https://jharkhandtenders.gov.in)
5.	Cost of Tender Document & Processing Fee (In INR)	**Cost of Tender Document:** 2000.00 *(Rs. Two Thousand only) for each package.* **Bid Security/EMD:** 10,000 *(Rs. Ten thousand only) for each package. Or NSIC Certificate for MSME Companies.*
6.	No. of Package	5 different Packages.
7.	Method of Selection	Quality and Cost Based Selection (QCBS) Method.Wherein 70% weightage will be given to the technical proposal and 30% to the financial proposal.
8.	Time Period	2 Months for one financial year.
9.	Minimum Audit Fees per ULB per year	Rs. 50,000.00/- for Nagar Nigam and Notified Area. Rs 35,000/- for Nagar Parishad. Rs 25,000/- for Nagar Panchayat. (Excluding GST)
10.	Online availability of Tender will start from	**28/03/2025 at 16:00 Hrs from www.jharkhandtenders.gov.in / udhd.jharkhand.gov.in (Tender link)**
11.	Last date for submission of pre-bid queries through email.	**04/04/2025 till 14:00 Hrs at (suda.goj@gmail.com)**
12.	Last Date/Time for submission of Online Bids	**16/04/2025 by 15:00 Hrs**
13.	Date of Technical Bid Online Opening	**17/04/2025 at 16:00 Hrs**
14.	Bid Submission address (Online)	**https://jharkhandtenders.gov.in (E-Tendering)**
15.	Helpline no.	0651-2446640

Sd/-
Director
State Urban Development Agency,
Urban Development and Housing Department, Jharkhand
PR 349506 (Urban Development) 24-25 (D)

कहां गयी संवेदनशीलता

यौन उत्पीड़न से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट को फिर दखल देना पड़ा और इलाहाबाद हाइकोर्ट के फैसले पर रोक लगानी पड़ी। यह जितना राहत भरा है, उतना ही चिंताजनक भी। सुप्रीम कोर्ट का हाइकोर्ट के जज को नसीहत देना बताता है कि महिलाओं को लेकर समाज में जितनी संवेदनशीलता होनी चाहिए थी, उतनी है नहीं।

अपमानजनक टिप्पणी : इलाहाबाद हाइकोर्ट ने एक मामले में फैसला सुनाते हुए कहा था कि नाबालिग के प्राइवेट पार्ट को छूना और सलवार का नाड़ा खींचना रेप की कोशिश नहीं है। यह टिप्पणी उन महिलाओं को हतोत्साहित करने और उनका मखौल उड़ाने जैसी थी, जो यौन उत्पीड़न जैसे अपराध की शिकार हैं और न्याय पाने के लिए संघर्ष कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से उन्हें हिम्मत मिली होगी कि न्याय का पलड़ा उनके पक्ष में है।

गलती सुधारी : अदालती फैसले केवल कठघरे तक सीमित नहीं रहते। इनका असर व्यापक समाज पर पड़ता है। इससे भविष्य में अपराधियों को दंड और पीड़ित को न्याय दिलाने में मदद मिलती है। दुर्भाग्य से मौजूदा मामले की एक टिप्पणी अगर कायम रहती, तो आगे चल कर रेप से जुड़े मामलों में महिलाओं को इंसाफ दिलाना मुश्किल हो सकता था। हाइकोर्ट के फैसले में कहा गया था कि अपराध की तैयारी और उसके प्रयास में मुख्य अंतर केवल इरादे की मजबूती का होता है। गनीमत है कि सुप्रीम कोर्ट ने इसे भी गलत बताया।

पिछले साल कलकत्ता हाइकोर्ट ने एक टिप्पणी में कहा था कि लड़कियों को अपनी यौन इच्छाओं पर काबू रखना चाहिए और तब भी सुप्रीम कोर्ट ने दखल देते हुए इसे आपत्तिजनक बताया था।

सावधानी क्यों नहीं : शीर्ष अदालत ने गलतियों को सुधारने की कोशिश की है, लेकिन सवाल है कि ऐसी नौबत आती ही क्यों है? यौन उत्पीड़न से जुड़े केस में तो खास संवेदनशीलता और पीड़िता पर पड़ने वाले भावनात्मक असर का ख्याल रखा जाना चाहिए। हर एक शब्द नाप-तौल कर इस्तेमाल होना चाहिए। लेकिन, ऐसा क्यों नहीं हो रहा? पिछले साल कलकत्ता हाइकोर्ट ने एक टिप्पणी में कहा था कि लड़कियों को अपनी यौन इच्छाओं पर काबू रखना चाहिए और तब भी सुप्रीम कोर्ट ने दखल देते हुए इसे आपत्तिजनक बताया था। फिर पिछले साल ही सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाइकोर्ट को याद दिलाया कि बलात्कार के आरोपी को पीड़िता या उसके माता-पिता या संरक्षक की बात सुने बिना जमानत नहीं दी जानी चाहिए।

समर्थन चाहिए : महिलाओं के लिए न्याय की लड़ाई अब भी बहुत कठिन है। उन्हें अत्याचार करने वाले का तो सामना करना ही पड़ता है, कई बार खुद के परिवार और समाज से भी भिड़ना पड़ता है। हर कदम पर उन्हें इज्जत की दुहाई मिलती है। यह सब झेलते हुए जब वह अदालत पहुंचती हैं, तो बार-बार बीती बातों को याद दिलाया जाता है। इस संघर्ष में उन्हें न्यायपालिका का साथ चाहिए, ऐसी टिप्पणियां और दकियानूसी नसीहतें नहीं, जो उनकी मुश्किलों को और बढ़ा दें।

अभिमत
आजाद सिपाही

वर्तमान में भारत में लगभग 432 मिलियन कामकाजी महिलाएं हैं, जिनमें से 343 मिलियन असंगठित क्षेत्र में कार्यरत हैं। मैकिन्से ग्लोबल इंस्टीट्यूट की एक रिपोर्ट ने अनुमान लगाया है कि महिलाओं को समान अवसर देकर, भारत 2025 तक अपने सकल घरेलू उत्पाद में 770 बिलियन अमेरिकी डॉलर जोड़ सकता है। भारतीय स्टार्टअप दृश्य एक महत्वपूर्ण बदलाव देख रहा है, क्योंकि महिला उद्यमी बाधाओं को तोड़ती हैं और अपनी पहचान स्थापित करती हैं।

महिला आर्थिक सशक्तिकरण और सतत विकास

प्रो (डॉ) तपन शांडिल्य

वर्तमान समय महिला सशक्तिकरण का युग है, जिसमें महिलाओं को समाज में बराबर का दर्जा मिल रहा है, लेकिन अभी भी कॉरपोरेट और उद्यमिता के क्षेत्र में महिलाओं की समान भागीदारी सुनिश्चित करना बाकी है। इसके लिए न केवल सरकार, बल्कि समाज के हर तबके को भी महिलाओं को प्रोत्साहित करना होगा, ताकि वे भी अपनी योग्यता और प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें। महिला उद्यमिता को बढ़ावा देना न केवल समाज के लिए लाभकारी है, बल्कि यह पूरे देश की आर्थिक और सामाजिक प्रगति के लिए भी महत्वपूर्ण है। जब महिलाएं सफल होंगी, तो समाज भी आगे बढ़ेगा।

महिलाएं हमारे देश की आधी आबादी हैं, जब अधिक महिलाएं काम करती हैं, तो इसका सीधा असर हमारी अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। महिला आर्थिक सशक्तिकरण सकारात्मक विकास परिणामों और उत्पादकता को बढ़ाता है, इसके आलावा यह आर्थिक विविधीकरण और आय समानता को भी बढ़ाता है।

महिलाओं के अधिकारों और लैंगिक समानता को फलीभूत करने के लिए महिला आर्थिक सशक्तिकरण केंद्रीय आवश्यकता है। महिला उद्यमियों के लिए मानसिक और आर्थिक रूप से उनकी सफलता की यात्रा के लिए अधिक सहयोग और अवसर प्रदान करना समय की मांग है।

वर्तमान में, भारत में लगभग 432 मिलियन कामकाजी महिलाएं हैं, जिनमें से 343 मिलियन असंगठित क्षेत्र में कार्यरत हैं।

वर्तमान में, भारत में लगभग 432 मिलियन कामकाजी महिलाएं हैं, जिनमें से 343 मिलियन असंगठित क्षेत्र में कार्यरत हैं। मैकिन्से ग्लोबल इंस्टीट्यूट की एक रिपोर्ट ने अनुमान लगाया है कि महिलाओं को समान अवसर देकर, भारत 2025 तक अपने सकल घरेलू उत्पाद में 770 बिलियन अमेरिकी डॉलर जोड़ सकता है। भारतीय स्टार्टअप दृश्य एक महत्वपूर्ण बदलाव देख रहा है, क्योंकि महिला उद्यमी बाधाओं को तोड़ती हैं और अपनी पहचान स्थापित करती हैं। एक हालिया रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत के लगभग 18ः यूनिकॉर्न अब महिलाओं द्वारा स्थापित किये गये हैं। भारत एक ऐसा देश है, जहां समाज पुरुष प्रधान रहा है और यहां महिलाओं की परिवार के पुरुष सदस्यों पर निर्भरता उनके जीवन के लगभग हर क्षेत्र में देखी गयी। कुछ हद तक, परिवार में महिलाओं की निम्न स्थिति और निर्णय लेने की कमी के लिए पुरुषों पर उनकी आर्थिक और सामाजिक निर्भरता को जिम्मेदार माना जाता है।

महात्मा गांधी जी ने यंग इंडिया नामक एक साप्ताहिक पत्रिका में 1930 में लिखा था की हमारे गांवों में लाखों महिलाएं जानती हैं कि बेरोजगारी का क्या मतलब है, उन्हें आर्थिक गतिविधियों तक पहुंच प्रदान करें जिससे वो अपनी शक्ति और आत्मविश्वास को जान सकेगी, जिससे वह अब तक अनजान रही हैं। लगभग एक सदी बीत चुकी है, और भारत ने तब अब तक सभी क्षेत्रों में बहुआयामी विकास हासिल किया है, उसके बावजूद आज भी बहुत सी समस्याएं प्रासंगिक हैं। हालांकि, महिलाएं भारत की 1.2 अरब की आबादी का लगभग आधा हिस्सा हैं, फिर भी उन्हें आर्थिक गतिविधियों और निर्णय लेने की स्वतंत्रता के साथ ही स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा आदि के संसाधनों तक भी आसानी से पहुंच प्रदान नहीं है।

स्वयं-सहायता समूह एवं आर्थिक सशक्तिकरण : स्वयं-सहायता समूह का मतलब ऐसे लोगों के स्वयं-शासित, समकक्ष नियंत्रित, अनौपचारिक समूह से है, जिनकी समान सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि हो और सामूहिक रूप से कार्य करने की इच्छा रखते हों। भारत में, एसएचजी आंदोलन 1980 के दशक में शुरू हुआ, जब कई गैर-सरकारी संगठनों ने ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब समुदायों को संगठित किया और उन्हें सामाजिक और वित्तीय सहायता के लिए औपचारिक चैनल की पेशकश की। नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट के साथ इस कार्यक्रम ने गति प्राप्त की, ऐसे समूहों की एक छोटी संख्या को बैंकों के साथ जोड़ा गया। स्वयं-सहायता समूह द्वारा बैंक लिंकेज कार्यक्रम चलाया है, इस क्रांतिकारी पहल ने समूह के सदस्यों को जोड़ा, जिनमें से कई के पास पहले कभी बैंक खाते नहीं थे।

भारत में स्वयं सहायता समूहों की उत्पत्ति का प्रथम प्रमाण 1972 में स्व-नियोजित महिला संघ की स्थापना से मिलता है । इससे पहले भी संगठन के छोटे-छोटे प्रयास होते थे। उदाहरण के लिए, 1954 में, अहमदाबाद के टेक्सटाइल लेबर एसोसिएशन (टीएलए) ने इसी क्रम में अपनी महिला विंग का गठन किया, जो एक ऐतिहासिक आंदोलन का प्रतीक है, जिसमे महात्मा गांधी की भूमिका प्रमुख रही। सेवा का गठन करने वाली इला भट्ट ने गरीब और स्वरोजगार करने वाली महिला कामगारों को संगठित किया। नाबार्ड ने 1992 में एसएचजी बैंक लिंकेज प्रोजेक्ट का गठन किया, जो आज दुनिया का सबसे बड़ी सूक्ष्म वित्त परियोजना।

महिला आर्थिक सशक्तिकरण एवं सतत विकास : महिलाएं देश की आधी आबादी है जब अधिक महिलाएं काम करती हैं, तो इसका सीधा असर हमारी अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। महिला आर्थिक सशक्तिकरण, सकारात्मक विकास परिणामों के अलावा उत्पादकता को बढ़ाता है, इसके साथ ही आर्थिक विविधीकरण और आय समानता को भी बढ़ाता है। महिलाओं के अधिकारों और लैंगिक समानता को फलीभूत करने के लिए महिला आर्थिक सशक्तिकरण केंद्रीय आवश्यकता है। इसमें मौजूदा बाजारों में समान रूप से भाग लेने की महिलाओं की क्षमताय उत्पादक संसाधनों तक उनकी पहुंच और नियंत्रण, अच्छे कामों तक पहुंच, अपने समय, जीवन और शरीर पर नियंत्रणय और घर से लेकर अंतरराष्ट्रीय संस्थानों तक सभी स्तरों पर निर्णय लेने में उनकी सक्रीय और सार्थक भागीदारी शामिल है ।

अर्थव्यवस्था में महिलाओं को सशक्त बनाना और काम की दुनिया में लैंगिक अंतर को खत्म करना सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा को प्राप्त करने की कुंजी है। समाज को एक साथ रखने की अधिकांश जिम्मेदारी महिलाएं ही उठाती हैं, चाहे वह घर हो, स्कूल हो, स्वास्थ्य सेवा हो या हमारे बुजुर्गों की देखभाल। ये सभी कार्य वे आमतौर पर बिना वेतन के करती हैं। और इन कामों का हमारे समाज में कोई मूल्य नहीं समझा जाता। महिलाओं ने बीते दशकों में स्वयं को आत्मनर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाये है। महिलाएं सांगठनिक स्तर पर अधिक मजबूती से आगे बढ़ रही है। उनके सामूहिक प्रयास बड़े पैमाने पर सामाजिक, आर्थिक और काफी हद तक राजनैतिक परिदृश्य पर बड़े बदलाव के साक्षी बन रहे है। महिलाये संगठित हो कर ही अपनी दिशा और दशा बदल सकती है, ये बात वो समझ चुकी है।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ: एक क्रांतिकारी कदम : देश में सभी बालिका बच्चों को शिक्षित करने के लिए लोगों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ आंदोलन को लॉन्च किया गया है। सरकार सफलतापूर्वक जिला टास्क फोर्स और ब्लॉक टास्क फोर्स का निर्माण करके इस योजना को बढ़ावा देने में सक्षम है। यह योजना 22 जनवरी 2015 को हरियाणा के पानीपत जिले में 100 करोड़ रुपये के शुरूआती धन के साथ शुरू की गई थी। इस योजना को लॉन्च करने से पहले, पनीपत का बाल लिंग अनुपात 2001 में 808 और 2011 में 837 था। इस योजना को शुरू करने के बाद पनीपत का बाल लिंग अनुपात दिन-प्रतिदिन सुधार कर रहा है।

आर्थिक विकास में महिलाओं की भूमिका : महिलाएं आर्थिक विकास के मामले में तब आगे बढ़ेंगी जब लड़कियां शिक्षित होकर आगे बढ़ जायेंगी। इस तरह महिलाएं अपनी शिक्षा का उपयोग खुद के व्यवसाय में शुरू करने की कोशिश करेंगी और महिलाओं का समाज के आर्थिक विकास में भी योगदान बढ़ेगा।

(लेखक : डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, राची के कुलपति हैं।)

कोल्हान की खबरें

बाल विकास शिक्षा निकेतन के चार छात्रों का नेतरहाट आवासीय विद्यालय में चयन

सरायकेला (आजाद सिपाही)। नगर पंचायत क्षेत्र के इंद्रटांडी स्थित बाल विकास शिक्षा निकेतन आवासीय विद्यालय के चार छात्रों को प्रतिष्ठित नेतरहाट आवासीय विद्यालय कक्षा 6 में नामांकन के लिए चयन किया गया। चयनित छात्रों में जन्मेजय सरदार, अनुज सिंकू, संजय महतो एवं अनिलेश सोय शामिल हैं। विद्यालय के संचालक विद्याभूषण सिंह ने बताया प्रवेश परीक्षा में कुल 12 छात्रों ने भाग लिया था। जिनमें से चार का चयन हुआ। उन्होंने इसे विद्यालय के लिए बड़ी उपलब्धि बताया। संचालक विद्याभूषण सिंह ने कहा यहां छात्रों को नियमित रूप से प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार की जारही है। आने वाले दिनों में यहां के विद्यार्थी आगे भी झारखंड का नाम रोशन करेंगे।

सोनारी में कवि सम्मेलन का आयोजन

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। सोनारी स्थित आर्किड रेसीडेंसी सभागार में साहित्यिक मंच 'काव्य निर्झर' के द्वारा भव्य कवि सम्मेलन एवं काव्य संध्या का आयोजन किया गया। ख्यातिप्राप्त कवि मामचंद्र अग्रवाल 'वसंत जमशेदपुरी' के अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि तुलसी भवन के मानद महासचिव डॉ. प्रसेनजित तिवारी, विशिष्ट अतिथि रंगकर्मी अनिता सिंह व तुलसी भवन साहित्य समिति के सचिव डॉ. अजय ओझा शामिल हुए।कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जलित कर किया गया। संयोजिका माधवी उपाध्याय ने स्वागत वक्तव्य दी। मौके पर मुख्य आथिति डॉ. प्रसेनजित तिवारी ने भारतीय मूल्यों और संस्कृति के संरक्षण पर जोर दिया। विशिष्ट अतिथियों ने 'काव्य निर्झर' की सराहनीय पहल की प्रशंसा करते हुए संस्था को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का संचालन दिव्येंदु त्रिपाठी ने किया। काव्य सत्र में कवि कवयित्रियों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। सरस्वती वंदना से प्रारंभ इस सत्र में रीना सिन्हा, सुष्मिता मिश्रा 'सलिलात्मजा', डॉ. लता मानकर 'प्रियदर्शिनी', अंकिता सिन्हा, रिम्मी वर्मा, डॉ. वीणा पांडेय 'भारती', डॉ. संध्या सिन्हा, उपासना सिन्हा, माधवी उपाध्याय सहित अन्य कवियों ने अपनी भावपूर्ण रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। संचालक दिव्येंदु त्रिपाठी की प्रस्तुति ने भी विशेष प्रभाव छोड़ा। अंत में मधु सिंह चौहान ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

टाटा मोटर्स के 225 कर्मी स्थायी हुए

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। टाटा मोटर्स में 225 अस्थाई कर्मियों को स्थाई करने की सूची शुक्रवार को जारी की गयी। यह छठा बैच है,इससे पूर्व जनवरी 2025 में कर्मी स्थायी हुए थे। सूची लेबर ब्यूरो के सूचना पट पर जारी की गयी। सूचीबद्ध कर्मियों को मेडिकल जांच के लिए तिथिवार आमंत्रित किया गया है। साथ ही जरूरी कागजातों के साथ लेबर ब्यूरो में उपस्थित होने का निर्देश भी दिया गया।

जिला पुलिस ने मॉक ड्रिल कर उपद्रव नियंत्रण की तैयारियों को परखा

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिले के एसएसपी किशोर कौशल के निर्देश पर आगामी त्यौहार को लेकर उपद्रवियों से निपटने की तैयारी को सुनिश्चित करने हेतु विशेष मॉक ड्रिल का आयोजन किया। शुक्रवार को गोलमुरी पुलिस लाइन में मॉक ड्रिल में जिला पुलिस कप्तान किशोर कौशल शामिल रहे। उनके उपस्थिति में इस अभ्यास के दौरान पुलिस बल की तत्परता और आवश्यक सुधार बिंदुओं पर ध्यान दिया गया। गोलमुरी पुलिस लाइन में हुए अभ्यास के दौरान आंसू गैस के गोले भी छोड़े गये। ताकि किसी भी आपात स्थिति में पुलिस की त्वरित प्रतिक्रिया की जांच की जा सके। मॉक ड्रिल के दौरान किसी अप्रिय घटना में घायल व्यक्तियों को किस प्रकार तेजी से सहायता पहुंचायी जा सकती है उसका आकलन भी किया गया। इससे पूर्व सभी थाना क्षेत्रों में शांति समिति की बैठकें आयोजित कर स्थानीय लोगो को जिला पुलिस की सहयोग के लिए जागरूक किया गया। एसएसपी ने मौके पर उपस्थित पुलिस पदाधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से प्रभावी रूप से निपटा जा सके। जिला पुलिस आम नागरिकों से शांति बनाये रखने में सहयोग की अपील करती है। साथ ही कानून-व्यवस्था बनाये रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाये जाने का भरोसा दिलाती है। कहा कि आगामी पर्व त्योहार के लिए जिला पुलिस पूरी तरह सतर्क है। सड़क पर निकलने वाले जुलूस को लेकर सीसीटीवी कैमरा, सभी चौक चौराहा में पुलिस बल की तैनाती और ड्रोन कैमरा की व्यवस्था भी की गयी है।

जमशेदपुर में मुखिया कार्यशाला का आयोजन

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। जिला प्रशासन एवं पिरामल फाउंडेशन द्वारा पंचायतों को सक्षम बनाने हेतु एक दिवसीय मुखिया कार्यशाला का आयोजन किया गया। शुक्रवार को आयोजित कार्यशाला में मुख्य अतिथि उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान सहित पोटका, मुसाबनी, पटमदा और बोड़ाम प्रखंडों के मुखियागण शामिल हुए। दीप प्रज्जलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मौके पर उपविकास आयुक्त अनिकेत सचान ने कहा पंचायतों में शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण व पंचायती राज के समग्र विकास हेतु योजनाओं का सही चयन आवश्यक है। उन्होंने मुखियाओं से सरकारी परिसंपत्तियों के संचालन और योजनाओं के क्रियान्वयन में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।

हिंदू उत्सव समिति का नववर्ष यात्रा कल

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। हिन्दू उत्सव समिति के द्वारा आगामी 29 मार्च को भव्य हिन्दू नववर्ष यात्रा निकालने की तैयारी पूरी कर ली गयी है। शुक्रवार को समिति के संरक्षक उपेंद्र कुमार सिंह मस्तान, अध्यक्ष अधिवक्ता रवि प्रकाश, यात्रा संयोजक मृत्युंजय सिंह, मातृशक्ति प्रमुख कविता परमार और अन्य पदाधिकारियों ने यात्रा की रूपरेखा साझा की। उन्होंने बताया भव्य शोभायात्रा डिमना चौक ट्रांसपोर्ट नगर से निकलेगी। शोभायात्रा में लगभग पांच लाख रामभक्तों की सहभागिता होगी। यात्रा मानगो चौक, बस स्टैंड, महाराणा प्रताप चौक, पुराना कोर्ट होते हुए साकची सुभाष मैदान (आमबगान) में पहुंचेगी। जहां 21 पंडितों द्वारा भारत माता की भव्य आरती संपन्न की जायेगी। शोभायात्रा में श्रीराम भगवान की 21 फीट ऊंची प्रतिमा, राम दरबार, शिव परिवार की झांकियां,रामगढ़ का डंका, अघोरी नृत्य, बानर सेना और आधुनिक भव्य डीजे, हजारों महिलाएं पारंपरिक परिधान में यात्रा का नेतृत्व मुख्य आकर्षण का केंद्र बनेगी ।यात्रा को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए 200 कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी गयी है। मौके पर हिन्दू उत्सव समिति के संरक्षक शिवशंकर, कन्हैया और धर्मेंद्र सोनकर ने शहर के समस्त हिन्दू परिवारों से आग्रह है हिन्दू एकता को बढ़ाने के लिए सभी अपने अपने घरों से एक व्यक्ति की सहभागिता इस यात्रा में सुनिश्चित करने की कृपा करें। इस अवसर पर अभिमन्यु प्रताप सिंह,पीयूष परासर, नीलेश पांडेय,अश्वनी सिंह, संजीत शर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे।

श्री श्री विजय बजरंग मंदिर में रामनवमी महोत्सव 30 से

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। भालुवासा श्री श्री विजय बजरंग मंदिर में जंबू अखाड़ा के तत्वाधान में रामनवमी महोत्सव 2025 का भव्य आयोजन किया जायेगा। शुक्रवार को समिति के संरक्षक बंटी सिंह ने इसकी जानकारी दी। बंटी सिंह ने बताया हिंदू नववर्ष,चैत्र नवरात्र, चैती छठ, सरहुल एवं रामनवमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा जंबू अखाड़ा समिति के द्वारा 30 मार्च से 7 अप्रैल तक हर्षोल्लास से सांस्कृतिक, धार्मिक अनुष्ठानों के साथ सौहार्दपूर्ण वातावरण में श्री रामनवमी जन्मोत्सव का महा आयोजन किया जायेगा। महोत्सव का शुभारंभ झारखंड व बंगाल से आए कीर्तन मंडलियों के द्वारा 30 मार्च से 1 अप्रैल तक 48 घंटे अखंड हरिनाम संकीर्तन से किया जायेगा। आगामी 3 अप्रैल संध्या 5:30 बजे से महाषष्ठी के पावन अवसर पर भव्य कलश यात्रा सह शोभा यात्रा निकाली जायेगी। कलश यात्रा में 21 श्री राम भक्तों ने जंबू अखाड़ा से निकलकर स्वर्णरेखा नदी घाट,पुराना कोर्ट, पुराना बुक स्टोर, फैशन वर्ल्ड, रिलायंस फ्रेश, साकची बड़ा गोल चक्कर से स्ट्रेट माइल रोड में बाराद्वारी, कुम्हार पाड़ा होते हुए पुनः जम्मू अखाड़ा मंदिर प्रांगण में संपन्न होगी। कलश यात्रा में हरियाणा की प्रसिद्ध अमित एंड ग्रुप और जमशेदपुर के कलाकारों द्वारा संगीत प्रस्तुत, रथ पर मनमोहक झांकियां, राम दरबार व एक रथ पर भगवान जगन्नाथ, बलभद्र, सुभद्रा का जीवंत चित्रण दिखाये जायेंगे। साथ ही अघोरियों का नृत्य और बाहुबली हनुमान श्रद्धालुओं को अपनी और आकर्षित करेंगे। यात्रा में 15 से अधिक विभिन्न स्थानों से आये डंका, सिंग बाजा मौजूद रहेंगे। इस यात्रा में कटक,उड़ीसा के समूह द्वारा आतिशबाजी की प्रस्तुति मुख्य आकर्षण का केंद्र होगा। श्रद्धालुओं को अपनी और आकर्षित करेंगे। 3 अप्रैल को मंदिर प्रांगण में तराना ग्रुप द्वारा श्रद्धालुओं के बीच भजन प्रस्तुत की जायेगी। 4, 5 एवं 6 अप्रैल को श्री हनुमान जी की विधि विधान के साथ पारंपरिक तरीके से पूजा अर्चना, ध्वजा पूजन, शस्त्र पूजन, संध्या आरती के उपरांत जंबू अखाड़ा के प्रशिक्षित बच्चों द्वारा अखाड़ा करतब बाजी का प्रदर्शन किया जायेगा। तीन दिवसीय भजन संध्या में 4 अप्रैल कोलकाता की सुप्रसिद्ध भजन गायिका रानी रंजन, 5 अप्रैल को धनबाद के सुप्रसिद्ध भजन गायक पिंटू शर्मा एवं 6 अप्रैल को जमशेदपुर के लोकप्रिय भजन गायक कृष्णमूर्ति द्वारा भजनों की प्रस्तुति की जायेगी। मौके पर जंबू अखाड़ा के संरक्षक बंटी सिंह, लाइसेंसी रणबीर मंडल, सचिव मधुसूदन गोस्वामी, सुमित सिंह, आकाश प्रसाद, अनिल शर्मा, उपेन्द्र पाल, काकुली मुखर्जी, आरती मुखी, रंजिता रॉय, रवि विश्वनाथ सहित अन्य शामिल रहे।

एसपी ने संदिग्ध गतिविधि की सूचना टोल फ्री नंबर 112 पर देने की अपील की

सरायकेला (आजाद सिपाही)। आगामी ईद-उल-फितर, सरहुल, रामनवमी, चैत्र नवरात्र शांतिपूर्ण संपन्न कराने हेतु जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक डीसी रवि शंकर शुक्ला की अध्यक्षता में संपन्न हुई। शुक्रवार को बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, थाना प्रभारी सहित जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं समिति के सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में डीसी ने सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, साफ-सफाई, बिजली-पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं की समीक्षा की। संवेदनशील स्थलों पर दंडाधिकारी एवं पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। सोशल मीडिया पर निगरानी रखने एवं अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गयी। एसपी मुकेश लूणायत ने बताया आवश्यकतानुसार ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जायेगी। प्रशासन ने शांति समिति व अखाड़ा समितियों से सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाये रखने की अपील की। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना टोल फ्री नंबर 112 पर देने का अनुरोध किया।

रामनवमी और ईद को लेकर शांति समिति की बैठक

मनातू/पलामू (आजाद सिपाही)। रामनवमी, ईद और सरहुल त्योहार को लेकर मनातू थाना परिसर में शुक्रवार को शांति समिति की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता सीओ मदन कुमार सुमन और संचालन थाना प्रभारी निर्मल उरांव ने किया। बैठक में उपस्थित बुद्धिजीवियों ने रामनवमी पर्व को लेकर सुझाव दिए। थाना प्रभारी निर्मल उरांव ने कहा कि हुड़दंगियों पर पैनी नजर रखी जाएगी। किसी भी परस्थिति में सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाले तत्वों को बक्सा नहीं जाएगा। रामनवमी पूजा के दौरान शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हुड़दंगियों को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में स्थानीय लोग, रामनवमी पूजा कमेटी और जनप्रतिनिधियों ने रामनवमी पूजा के दौरान सुरक्षा और शांति बनाए रखने में सहयोग करने की बात कही। वहीं, सीओ मदन कुमार सुमन ने कहा कि पर्व के दौरान किसी को भी अप्रिय सूचना मिले तो इसकी सूचना तुरंत मुझे और मनातू पुलिस को दें। मौके पर विधायक प्रतिनिधि उदेश यादव, उमेश प्रसाद साहू, बीरू यादव, अलीम अंसारी, बसंत सिंह, मनोरंजन गुप्ता, पंकज पासवान, पवन गुप्ता, अफजल खान आदि मौजूद थे।

पुण्यतिथि पर याद किये गये विदेश सिंह

मनात/पलामू (आजाद सिपाही)। पांकी विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक स्वर्गीय विदेश सिंह का आठवां पुण्यतिथि दिवस शुक्रवार को मनातू के पदमा में स्व विदेश बाबू के प्रतिमा स्थल पर मनाई गई। त्योहार को देखते हुए पुण्यतिथि सादे समारोह में संपन्न हुई। यहां किसी तरह का कोई कार्यक्रम या भाषण का आयोजन नहीं हुआ। समारोह में सिर्फ स्व. विदेश सिंह की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। बतातें चलें कि स्व विदेश बाबू पांकी विधानसभा क्षेत्र के लिए काफी लोकप्रिय और जनहित के नेता थे। इस लिए पुण्यतिथि पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ पहुंची थी। इस दौरान लोगों ने स्व विदेश सिंह के किए गए काम और व्यवहार की चर्चा की। कहा कि वे ईमानदार छवि के नेता थे। उन्हीं का अनुकरण उनके पुत्र पांकी विधानसभा में पूर्व विधायक देवेंद्र सिंह क्षेत्र के विकास में कोई कसर नहीं छोड़े। वहीं, उनके भाई पूर्व मुखिया उदय सिंह ने दिवंगत विधायक की आत्मा की शांति की कामना की। बताया कि स्व विदेश सिंह समाज को जोड़कर चलने वाले व्यक्ति थे। हर जाति धर्म के लोगों को सम्मान दिए। इससे पूर्व स्वर्गीय विदेश सिंह की प्रतिमा पर बड़ी संख्या में लोगों ने श्रद्धांजलि दी। सर्वप्रथम पांकी विधानसभा के पूर्व विधायक देवेंद्र कुमार सिंह ने माल्यार्पण किया। इसके के बाद स्व विदेश सिंह के छोटे भाई उदय सिंह सहित उनके बड़े पुत्र पंकज सिंह, राज विक्रम सिंह उर्फ बबलू सिंह, अमित सिंह आदि ने पुष्पांजलि अर्पित की।

ट्रैक्टर के धक्के से अधेड़ की मौत

सतबरवा/पलामू (आजाद सिपाही)। सतबरवा प्रखंड के सेहरा गांव में गुरुवार की शाम 6.30 बजे ट्रैक्टर की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। उसकी पहचान सेहरा गांव निवासी रामू साव (55) के रूप में हुई है। मृतक के भतीजा पिंटू साव ने बताया कि उसके चाचा रानू साव शाम को अपने नया घर में पानी पटाकर लौट रहे थे। तभी लेस्लीगंज तरफ से आ रहे ईंट लदे एक ट्रैक्टर ने चपेट में ले लिया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गये। परिजन और गांव वाले मिलकर उन्हें नवजीवन अस्पताल ले गये, जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। उधर, घटना के बाद चालक अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। उसकी सूचना पाकर मुखिया प्रतिनिधि लाल बिहारी साव घटनास्थल पर पहुंचकर मदद की।

दादी जानकी जी का संपूर्ण जीवन जन कल्याण के लिए समर्पित रहा: नीरज भाई

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सद्भावना भवन सेवा केंद्र में राजयोगिनी दादी जानकी का स्मृति दिवस मनाया गया। केंद्र के संचालक ब्रह्माकुमार नीरज भाई ने दादी जानकी के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। बताया कि दादी जानकी ने अपना संपूर्ण जीवन ईश्वरीय सेवाओं और जन कल्याण के कार्य में समर्पित कर दिया। दादी जी आध्यात्मिक मार्गदर्शक के रूप में ईश्वरीय ज्ञान और राजयोग को विश्व के अन्य देश में फैलाने की सशक्त माध्यम बनी। इसलिए दादीजी की पुण्यतिथि पूरे विश्व में वैश्विक आध्यात्मिक जागृति दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। दादी जानकी लगभग 104 वर्ष की आयु तक 140 देशों में यात्रा कर लाखों आत्माओं के जीवन में आध्यात्मिकता का प्रकाश फैलाने वाली विश्व की सबसे स्थितप्रज्ञ राजयोगिनी रही। दादी जी का जीवन समाज की सेवा में समर्पित था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें स्वच्छता मिशन का ब्रांड एंबेसडर बनाया था। वे साक्षात योग की जीती जागती मिसाल थी। इश दौरान दादी जानकी के चित्र पर सभी ने फूल पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मौके पर बीके धीरज, बीके राम नरेश यादव, बीके मनोज भगत, बीके कृष्णा भाई, डॉ गया, शिव भाई, नमन भाई, कुसुम माता, शोभा माता, सबिता माता, अंजू और सुनीता माता आदि उपस्थित थे।

शांति समिति की बैठक में रामनवमी के जुलूस को लेकर चर्चा

धनबाद (आजाद सिपाही)। गोविंदपुर थाना परिसर में शुक्रवार को शांति समिति की बैठक हुई। जिसमें रामनवमी और ईद को लेकर चर्चा की गयी। इसमें गोविंदपुर के एसडीओ, सीओ और डीएसपी के साथ ही स्थानीय नेता-गणमान्य लोग मौजूद रहे। बैठक में रामनवमी के अखाड़े को लेकर विशेष चर्चा की गयी। जिसमें सभी अखाड़े का रूट और स्थान पहले की तरह ही रहेगी। इसके बाद गोविंदपुर में लगने वाले जाम को लेकर भी चर्चा हुई। पुलिस का कहना है कि जल्द ही एनएचआइ की अगुवाई में नाले का काम पूर्ण किया जाएगा।

जिला खनन टास्क फोर्स की ऑनलाइन बैठक में डीसी ने दिया निर्देश

अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण पर अधिकारी करें कठोर कार्रवाई

कहा- अटैच माइंस से पत्थर उठाव नहीं करने वाले क्रसर संचालकों पर करें कार्रवाई, लगायें अर्थदंड, बालू के अवैध भंडारण पर लगाएं रोक

आजाद सिपाही संवाददाता

अधिकारियों के साथ बैठक करते डीसी शशि रंजन।

मेदिनीनगर। पलामू जिले में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम में टास्क फोर्स की अहम भूमिका है। सभी टीम भावना और आत्मविश्वास के साथ कार्ययोजना तैयार कर छापामारी करें। संलिप्त खननकर्ताओं पर प्राथमिकी दर्ज कराने, गिरफ्तार करने एवं अर्थदण्ड लगाने की कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। इसके रोकथाम के लिए छापामारी में तेजी लाएं। उक्त बातें डीसी शशि रंजन ने कही। वे शुक्रवार को खनन टास्क फॉर्स की ऑनलाइन बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अटैच माइंस से पत्थर उठाव नहीं करने और अवैध उत्खनन कर पत्थरों को लाने वाले क्रसर संचालकों पर कार्रवाई करना सुनिश्चितत करें। उनके खिलाफ संबंधित थानों में प्राथमिकी दर्ज कराएं। साथ ही अर्थदण्ड लगाते हुए वसूली की कार्रवाई करें। डीसी ने अंचल एवं थाना स्तर से अवैध परिवहन, खनन एवं भंडारण के विरूद्ध की गई कार्रवाई की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने सख्ती से इसकी रोकथाम का निर्देश दिया। अवैध बालू भंडारण पर रोक लगाने अंचल/थाना स्तर पर ट्रेंच कटिंग, बैरिकेटिंग कर चौकीदार की प्रतिनियुक्ति की भी समीक्षा की। कहा कि ट्रेंच कटिंग से अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर रोक लगाने में मदद मिलेगी। कहा कि कैटेगरी-1 बालूघाट मुखिया से टैग हैं। छापामारी कर इसकी अद्यतन स्थिति का जायजा लेना सुनिश्चित करें। उन्होंने अवैध ईंट्टा के संचालन पर भी सख्ती से कार्रवाई का निर्देश दिया। डीसी ने खनिज एवं बालू के अवैध भंडारण को लेकर जिला खनन पदाधिकारी को टीम के साथ स्थल निरीक्षण करने का निर्देश दिया।

55 ईंट भट्ठेदारों से 88 लाख की वसूली

डीसी ने अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरूद्ध फरवरी माह में हुए कार्रवाई की गहणता से समीक्षा की। जिला खनन पदाधिकारी सुनील कुमार ने बताया कि जिले में फरवरी में 34 वाहनों को जब्त किया गया है। वहीं दो प्राथमिकी दर्ज की गई है। दण्ड के रूप में 16.43 लाख रुपए की वसूली की गई है। पत्थर खनिज के रद्द डीलर अनुज्ञप्ति/क्रसरों की संख्या 13 है। वहीं बालू खनिज के रद्द डीलर अनुज्ञप्ति/भंडारण की संख्या 24 है। 55 ईट भट्ठेदारों से 88 लाख रुपए दंड राशि के रूप में वसूली की गई है। वहीं पत्थर खनिज के पट्टेधारियों से 72 लाख 57 हजार 471 रुपए की वसूली की गई है। इसके अलावा वन प्रमंडल पदाधिकारी की ओर से अवैध खनन, परिवहन से संबंधित 8 प्राथमिकी दर्ज की गई है। वहीं जिला परिवहन कार्यालय की ओर से 14 वाहनों को जब्त करते हुए 770500 रुपए की वसूली की गई है। अंचल/थाना स्तर पर 57 वाहनों को जब्त करने संबंधी कार्रवाई की गई है। इस मौके पर वन प्रमंडल पदाधिकारी सत्यम कुमार, नगर आयुक्त जावेद हुसैन, अपर समाहर्ता कुंदन कुमार एवं जिला खनन पदाधिकारी सुनील कुमार समाहरणालय सभागार में उपस्थित थे, जबकि जिला परिवहन पदाधिकारी, तीनों अनुमंडल के अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, थाना प्रभारी आदि पदाधिकारी ऑनलाइन उपस्थित थे।

हुसैनाबाद और हैदरनगर की विभिन्न मस्जिदों में ईद की नमाज का वक्त मुकर्रर

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। गुलाम मोहम्मद अमीन अली खान के हुसैनाबाद स्थित आवास पर मुस्लिम समाज के लोगों की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता एजाज हुसैन उर्फ छेदी खान और संचालन पूर्व पार्षद सुहैल आलम ने किया। बैठक में विभिन्न मस्जिदों में ईद उल फितर की नमाज का वक्त मुकर्रर किया गया। तय किया गया कि हुसैनाबाद ईदगाह में सुबह 8 बजे, नूरी मस्जिद चिक टोली और जामा मस्जिद राजटोली में सुबह 8.15 बजे, इमामुनबी मस्जिद इस्लामगंज में सुबह 8.30 बजे नमाज अदा की जाएगी। बैठक में कयामुद्दीन अंसारी, न्याज खान, गुलाम निजामुद्दीन, खुर्शीद अनवर नूरी, शोएब खलीफा, सद्दाम कादरी आदि मौजूद थे। वहीं हैदरनगर के भाई बिगहा बड़ी मस्जिद में सुबह आठ बजे और हैदरनगर बाजार मस्जिद में 8.30 बजे नमाज अदा की जाएगी।

जीवित रहते ही राजा परीक्षित की तरह अपनी सद्गति का मार्ग सुलभ करें: राघव प्रपन्नाचार्य

विश्रामपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। बाघमनवा पंचायत के गौरा गांव में नवनिर्मित ग्राम देवी मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान के अवसर पर आयोजित श्रीमद्भागवत कथा गुरुवार शाम से प्रारंभ हुआ। कथा के प्रथम दिन श्रीश्री 108 राघव प्रपन्नाचार्य जी महाराज ने कहा कि भक्ति, ज्ञान, बैराग और तपस्या ही भागवत हैं। इस कलयुग में प्रत्येक दिन प्रत्येक पहर कोई ना कोई व्यक्ति काल के गाल में समा रहा है। इसलिए जीवित रहते ही राजा परीक्षित की तरह अपने सद्गति के मार्ग को सुलभ करने का प्रयास करें। इससे पहले मुख्य यजमान संजय उपाध्याय ने पत्नी सहित श्रीमद्भागवत गीता का विधिवत पूजा अर्चन किया। बताते चलें कि गौरा गांव में ग्राम देवी के नवनिर्मित मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान सह श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया गया है। जिसको लेकर 30 मार्च को कलश यात्रा निकाला जायेगा। आयोजन कमेटी के अध्यक्ष संजय उपाध्याय ने बताया कि 30 मार्च को कलश स्थापना के साथ प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान प्रारंभ होगा। जबकि दो अप्रैल को ग्राम देवी मूर्ति के साथ नगर भ्रमण के उपरांत वैदिक मंत्रोच्चार के बीच प्राण प्रतिष्ठा कराया जायेगा। तीन अप्रैल को भंडारे के साथ धार्मिक अनुष्ठान का समापन होगा। मौके पर पूर्व मुखिया रवींद्र नाथ उपाध्याय, पंडित गोपाल पांडेय, दिनेश चौबे, गोपाल सिंह, राजेंद्र बैठा, कृष्णा बैठा, रामचंद्र सिंह खरवार, धर्मेंद्र सिंह, संजय सिंह, रामनाथ विश्वकर्मा, नारायण ठाकुर, बिंदेश्वर पाल आदि मौजूद थे।

जवाहर नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण बच्चों को किया गया सम्मानित

विश्रामपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। विश्रामपुर प्रखंड अंतर्गत गुरहा कला पंचायत के मल्लाह टोली राजकीय कृत मध्य विद्यालय के छात्र दीपक कुमार और राजकीय कृत मध्य विद्यालय मुरमा कला की छात्रा बबी कुमारी का चयन जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा में हुआ है। इस खुशी में अधिवक्ता बचनदेव चौधरी ने विद्यालय परिसर में शुक्रवार को सम्मान समारोह आयोजित कर दोनों सफल विद्यार्थियों को सम्मानित किया। इससे पहले समारोह का उद्घाटन रेहला थाना प्रभारी संतोष कुमार और बचनदेव चौधरी ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाध्यापक सुरेश कुमार और संचालन शिक्षक अमित कुमार सिंह ने किया। थाना प्रभारी संतोष कुमार ने कहा कि मेहनत करने से ही सफलता मिलती है। वहीं, बचनदेव चौधरी ने कहा कि यह सम्मान बच्चों को आगे भी बेहतर करने की प्रेरणा देता रहेगा। मौके पर एएसआई चंदन कुमार, शिक्षक रविंद्र तिवारी, सुनील कुमार सिंह, राजेश चौधरी, बच्चू चौधरी, विनोद राम, प्रधानाध्यापिका प्रमिला देवी, संतोष कुमार, प्रबंधन समिति अध्यक्ष प्रदीप चौधरी आदि मौजूद थे।

कार्यपालक पदाधिकारी से मिलकर साफ-सफाई चलंत शौचालय और पानी की व्यवस्था की मांग

विश्रामपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। विश्रामपुर रामनवमी पूजा समिति के प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी सोमा खंडेत से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने रामनवमी पूजा महोत्सव को लेकर कार्यपालक पदाधिकारी से नगर परिषद क्षेत्र में विशेष साफ-सफाई, चलंत शौचालय, पानी और क्षतिग्रस्त नालियों पर पट्टियां डलवाने का आग्रह किया। इस पर सोमा खंडेत ने समिति के लोगों को आश्वस्त करते हुए कहा कि पूजा से पहले सभी व्यवस्था उक्त जगहों पर उपलब्ध करा दी जायेगी। इसके बा प्रतिनिधिमंडल ने रामनवमी पूजा महोत्सव में शामिल होने का निमंत्रण भी कार्यपालक पदाधिकारी को दिया। मौके पर समाजसेवी विजय कुमार रवि, रामनवमी पूजा समिति अध्यक्ष राजेश मार्शल, शिव सोनी, विकाश चंद्रवंशी, मुकेश चौधरी आदि मौजूद थे।

आपसी सौहार्द और भाईचारे के साथ मनायें त्योहार : सीओ

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। ईद और रामनवमी पूजा को लेकर शुक्रवार को हुसैनाबाद थाना परिसर में शांति समिति की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता सीओ पंकज कुमार और संचालन हुसैनाबाद थाना के पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी ने किया। बैठक में बीडीओ सुनील वर्मा, प्रखंड प्रमुख राजकुमारी देवी, पूर्व नगर अध्यक्ष शशि कुमार, एसआई बीरेंद्र मेहता, देवरी ओपी प्रभारी बबलू कुमार, दंगवार ओपी प्रभारी सोनू गुप्ता सहित शांति समिति के सदस्यगण मौजूद थे। बैठक में मुख्य ईद उल फितर की नमाज और रामनवमी पूजा को लेकर विचार विमर्श किया गया। साथ ही रामनवमी पूजा के दौरान निकलने वाले जुलूस रूट की जानकारी ली। अपने संबोधन में सीओ ने कहा कि सभी समुदाय के लोग भाईचारा एवं आपसी एकता के साथ त्योहार मनाएं। जुलूस के दौरान डीजे पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा। साथ ही उत्तेजित नारा लगाने से सख्त परहेज करें। वहीं, थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी ने कहा कि किसी भी तरह की अफवाहों से बचें। मौके पर बजरंग दल के प्रखंड अध्यक्ष लोकनाथ केशरी, दिनेश कश्यप, अजय प्रसाद गुप्ता, सचिन आनंद, राकेश तिवारी, शंभु शौंडिक, उदय सोनी, मुखिया श्रवण राम, रामलखन यादव, एजाज हुसैन उर्फ छेदी खान, सैयद तक्की रिजवी, जितेंद्र ठाकुर, जमील अहमद, नजीर अहमद उर्फ मिथुन, सुहैल आलम आदि मौजूद थे।

पराकर्मी योद्धा थे नीलांबर पीतांबर : डॉ शशिभूषण

आजाद सिपाही संवाददाता

पांकी/पलामू। गुरिल्ला वार से अंग्रेजो को छक्के छुड़ाने वाले वीर योद्धा नीलाम्बर पीताम्बर के शहादत दिवस पर लेस्लीगंज में प्रखंड कार्यालय के समीप विधायक डॉ कुशवाहा शशिभूषण मेहता ने नीलाम्बर -पीताम्बर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। विधायक ने कहा कि महान क्रांतिकारी वीर शहीद नीलाम्बर - पीताम्बर को 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के नायक के तौर पर याद किया जाता है। स्वतंत्र भारत में अगर जंग-ए-आजादी की चर्चा की जाती है तो पलामू की धरती पर जन्मे वीर शहीद नीलाम्बर-पीताम्बर की चर्चा जरूर होती है। शहीद नीलाम्बर-पीताम्बर बड़े ही पराकर्मी और वीर योद्धा थे। उनके क्रन्तिकारी तेवर को देखते हुए अंग्रेजों ने घबराकर गिरफ्तार कर लिया और बिना मुकदमा चलाये ही आनन-फानन में 28 मार्च 1859 में लेस्लीगंज में एक पेंड़ पर दोनों भाइयों को फांसी की सजा दे दी। विधायक ने अपने अथक प्रयास से लेस्लीगंज का नाम बदलकर वीर सपूत नीलाम्बर-पीताम्बर के नाम से नामकरण करवाया। जिसे अब नीलाम्बर-पीताम्बरपुर के नाम से जाना जाता है। मौके पर जिला प्रतिनिधि प्रकाश मेहता, प्रो बचन ठाकुर, बीडीओ सुकेशनी मिंज, प्रो राजकमल वर्मा, विधायक प्रतिनिधि सुनील कुशवाहा, छोटेलाल सोनी, सीओ अनिल कुमार सिंह, सरोज चटर्जी, निर्मल मेहता, कमेश यादव, पायनीयर पांडे, ओमप्रकाश दूबे आदि उपस्थित थे।

एचएम पर लगे आरोपों की बीपीएम ने की जांच

आजाद सिपाही संवाददाता

हरिहरगंज/पलामू। पीपरा प्रखंड क्षेत्र के चपरवार विद्यालय के एचएम पर लगे गंभीर आरोपों का बीडीओ द्वारा जांच के आदेश देने के बाद शुक्रवार को शिक्षा विभाग के बीपीएम ने जांच किया। बतातें चलें कि ग्रामीणों की मांग पर विगत 25 मार्च को पीपरा बीडीओ विनय कुमार द्वारा एचएम विनेश राम के विरुद्ध जांच की गई थी। इस दौरान पठन पाठन और मध्याह्न भोजन मैन्यू के अनुसार नहीं दिए जाने और बासी खाना खिलाए जाने पर असंतोष व्यक्त किया गया था। साथ ही शिक्षकों द्वारा पढ़ाई में लापरवाही बरतने के आरोपों की भी पुष्टि हुई थी। शुक्रवार को जांच के दौरान पीपरा बीपीएम मनोज तिवारी ने कहा कि बीईईओ के निर्देश पर विद्यालय में सभी व्यवस्थाएं उपलब्ध होने के बावजूद बच्चों को बासी खाना खिलाना सही नहीं है। पर यह मामला बीते तीन मार्च की है। खाना से बच्चों को कोई परेशानी नहीं हुई और ना ही अभिभावकों द्वारा कोई शिकायत किया गया। बाद में 23 मार्च को बासी खाना खिलाने, विद्यालय विकास फंड की राशि गबन करने सहित कई आरोप एचएम पर लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि शिकायत करने वालों में जिनके बच्चें विद्यालय में नहीं पढ़ते हैं वे ही शिकायत कर रहे हैं। जबकि अध्यनरत बच्चों के परिजनों की कोई शिकायत नहीं है। कहा कि पीपरा में कुछ दिन पहले ही कार्यभार संभाला है। हमसे पहले क्या हुआ है हमें जानकारी नहीं है। विकास फंड की राशि अभी तक आयी नहीं है। दो-चार दिनों में पैसा आ जाएगा। उन्होंने कहा कि मेरे द्वारा जांच रिपोर्ट विभाग को सौंप दी जाएगी।

सरस्वती विद्या मंदिर में आचार्य कार्यशाला का आयोजन

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में आचार्यों की भूमिका अति महत्वपूर्ण: सत्येंद्र चंदेल

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। जपला सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में सत्र-2025-26 के निमित्त तीन दिवसीय वार्षिक आचार्य कार्यशाला का शुभारंभ शुक्रवार से हुआ। कार्यशाला के प्रथम सत्र का आरंभ प्रातः वंदना के साथ हुई। जिसका शुभारंभ विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के सदस्य डॉ सत्येंद्र कुमार चंदेल, सतीश सिंह, प्रधानाचार्य कुशजी पांडेय और प्रभारी प्रधानाचार्य अखिलेश विश्वकर्मा ने संयुक्त रूप से किया। कार्यशाला प्रतिदिन विभिन्न सत्रों के माध्यम से विभिन्न बिंदुओं को समायोजित कर संपन्न होगी। सर्वप्रथम प्रधानाचार्य ने कार्यशाला की प्रस्तावना रखी और वित्तीय वर्ष 2024-25 को ध्यान में रखते हुए वित्तीय वर्ष 2025-26 की कार्य योजना संपादित करने पर विचार विमर्श किया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य नए सत्र में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में आचार्य की भूमिका क्या होनी चाहिए पर विस्तृत चर्चा करना है। द्वितीय सत्र में सभी पंजियों, संचिकाएं एवं अभिलेखों के साथ ही सभी स्थायी भौतिक सामग्रियों के सत्यापन के आधार पर व्यवस्थित कर स्थायी वस्तु पंजी को अद्यतन करने की प्रक्रिया आरंभ की गई। तृतीय सत्र में विगत वर्ष की विस्तृत समीक्षा कर अपने सबल एवं निर्बल पक्षों पर विचार किया। इसके अलावा शैक्षिक एवं सह शैक्षिक विषयों पर विस्तृत विचार विमर्श किया गया। इस अवसर पर सत्येंद्र चंदेल ने कहा कि विद्यार्थियों के विकास में आचार्यों की भूमिका साश्वत रूप से महत्वपूर्ण मानी गई है। कहा कि विद्यालय विकास के चार स्तंभ है। प्रांतीय एवं स्थानीय समिति, प्रधानाचार्य विद्यालय का केन्द्र बिन्दु, आचार्य एवं अभिभावक के योगदान को महत्वपूर्ण बताया। कार्यशाला में विद्यालय के सभी आचार्य-आचार्या की सहभागिता रही।

रामनवमी, सरहुल और ईद को लेकर बैठक

पांकी/पलामू (आजाद सिपाही)। पांकी थाना परिसर में शुक्रवार को रामनवमी, सरहुल पूजा और ईद पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक हुई। जिसमें मुख्य रूप से पांकी सीओ राजकुंवर सिंह, प्रखण्ड प्रमुख पंचम प्रसाद, इंस्पेक्टर पूनम टोपो, थाना प्रभारी राजेश रंजन मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता पांकी सीओ राजकुंवर सिंह ने की। उन्होंने सामाजिक समरसता और सौहार्द के त्योहारों को शांतिपूर्ण और हर्ष उल्लास के साथ मनाने की अपील की। वहीं, थाना प्रभारी राजेश रंजन ने कहा कि सभी लोग रामनवमी, सरहुल और ईद पर्व आपसी भाईचारगी के साथ मनाएं। किसी तरह की कोई अप्रिय घटना ना घटे ध्यान में रखते हुए त्योहार मनाएं। थाना प्रभारी ने कहा कि सोशल मीडिया पर भी पुलिस की पैनी नजर रहेगी। सोशल मीडिया में किसी भी तरह की गलत पोस्ट ना करें इसे ध्यान में रखेंगे। हुड़दंग करने वालों को पुलिस किसी भी हाल में नहीं छोड़ेगी। कहा कि किसी भी असामाजिक तत्त्वों की कोई सूचना मिले तो तुरंत पुलिस को खबर करें।

शांति समिति की बैठक में रामनवमी के जुलूस को लेकर चर्चा

धनबाद (आजाद सिपाही)। गोविंदपुर थाना परिसर में शुक्रवार को शांति समिति की बैठक हुई। जिसमें रामनवमी और ईद को लेकर चर्चा की गयी। इसमें गोविंदपुर के एसडीओ, सीओ और डीएसपी के साथ ही स्थानीय नेता-गणमान्य लोग मौजूद रहे। बैठक में रामनवमी के अखाड़े को लेकर विशेष चर्चा की गयी। जिसमें सभी अखाड़े का रूट और स्थान पहले की तरह ही रहेगी। इसके बाद गोविंदपुर में लगने वाले जाम को लेकर भी चर्चा हुई। पुलिस का कहना है कि जल्द ही एनएचआइ की अगुवाई में नाले का काम पूर्ण किया जाएगा।

सरहुल पूजा के सफल संचालन को लेकर बैठक

घाघरा (आजाद सिपाही)। सरहुल पूजा के सफल संचालन को लेकर आदर सरना स्थल परिसर में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता संजय पहान ने की। बैठक में आगामी 27 अप्रैल को धूमधाम से सरहुल पूजा मनाने का निर्णय लिया गया। साथ ही सरहुल शोभा यात्रा का आयोजन किया जायेगा। जिसमें कई प्रखंड के खोड़हा दल पारंपरिक वेशभूषा में सुशोभित होकर कार्यक्रम में शामिल होंगे। उक्त कार्यक्रम के सफल संचालन को लेकर कमेटी का गठन किया गया। जिसमें सर्व समिति से अध्यक्ष सूरज उराव, उपाध्यक्ष रेखा देवी, सरस्वती उरांव, सचिव पवन उरांव, कोषाध्यक्ष अमित उरांव, करमदेव भगत, विनोद भगत, सहकोषाध्यक्ष संजय पहान, चंद्रदेव उरांव, सोमनाथ उरांव, संरक्षक बलराम तिर्की, जवाहरलाल शास्त्री, राजपति देवी, भैयाराम उरांव सहित कई नाम शामिल है। मौके पर नवचयनित अध्यक्ष सूरज उरांव ने कहा कि कार्यक्रम को भव्य तरीके से मनाया जायेगा। वही अधिक से अधिक संख्या में लोगों को उक्त कार्यक्रम में शामिल होने का अपील भी किया।

67 टीबी मरीजों के बीच रागी लड्डू का वितरण

घाघरा (आजाद सिपाही)। घाघरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सभागार में हिंडालको सीएसआर के सहयोग से प्रखंड क्षेत्र के 67 टीवी मरीजों एवं उनके परिवारों के बीच यक्ष्मा विभाग घाघरा के मार्गदर्शन पर पोषण युक्त फूड पैकेट और रागी लड्डू का वितरण किया गया। कार्यक्रम में टीवी विभाग के प्रखंड पर्यवेक्षक अमित प्रसाद ने मरीजों को समय पर दवा लेने, सरकार द्वारा दिये जा रहे प्रति माह सहयोग, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा बतायी जाने वाली लाभ और स्वास्थ्य जांच करने की जानकारी दी। मौके पर शंकर सिंह, अनुज सिंह, बिटिटी सीमा कुमारी, अभय भारती, रामवतार पासवान, ज्ञान प्रकाश रंजन, दीपक कुमार सहित कई टीवी मरीज उपस्थित थे।

कर्म, त्याग और बलिदान के लिए नीलांबर पीतांबर की हो रही है पूजा : मंगल सिंह

गुमला (आजाद सिपाही)। खरवार भोगता समाज विकास संघ गुमला द्वारा शुक्रवार को पालकोट रोड स्थित सामाजिक कार्यालय सभागार में प्रथम स्वतंत्रता सेनानी नीलांबर पीतांबर शाही भोगता का 167वां शहादत दिवस मनाया गया। इस अवसर पर शहीद नीलांबर पीतांबर के तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की गयी और पूजा कर उनके आदर्शों को आत्मसात करने का सामूहिक संकल्प लिया गया। मुख्य अतिथि खरवार भोगता समाज विकास संघ के प्रमंडलीय अध्यक्ष मंगल सिंह भोगता ने कहा कि यह कर्म प्रधान देश और समाज हैं। अच्छे कर्मो की पूजा होती है। जिसका प्रमाण है नीलांबर पीतांबर का शहादत दिवस। इन्होंने समाज परिवार और मातृभूमि की रक्षा के लिए अंग्रेजी से युद्ध किया। ब्रिटिश शासन ने दोनों भाईयों को फांसी की सजा सुना दी। दोनों भाईयों ने न्याय के राह पर मौत को स्वीकार किया लेकिन अन्याय का साथ नहीं दिया। हमें नीलांबर पीतांबर के इतिहास को अध्ययन करना है और उनके बताए मार्ग पर चलकर समाज को शिक्षित और संगठित करना है। एक अप्रैल को सरहुल महोत्सव में समाज के बैनर तले पारंपरिक वेश भूषा में भाग लेने का निर्णय लिया गया। महासचिव भरत प्रधान ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर काफी संख्या में महिला और पुरुष शामिल हुए।

गुमला चैंबर ने जलापूर्ति विभाग के एसडीओ से की मुलाकात

गुमला (आजाद सिपाही)। गुमला चैंबर का एक प्रतिनिधिमंडल अध्यक्ष राजेश सिंह की अध्यक्षता में पीएचइडी जलापूर्ति विभाग के एसडीओ जितेंद्र लकड़ा से मुलाकात किये। इस मुलाकात में नगर में जला पूर्ति से संबंधित कई समस्याओं के बारे में चर्चा हुई। विभाग की तरफ से हर बिंदु पर सकारात्मक संकेत दिये गये। चैंबर अध्यक्ष राजेश सिंह और क्षेत्रीय उपाध्यक्ष रमेश कुमार चीनी ने संयुक्त रूप से तत्काल में एक मांग रखा है कि निकट में ईद, सरहुल और रामनवमी का त्यौहार है इन त्योहारों में पानी की कमी किसी भी हाल में नहीं होनी चाहिए। जलापूर्ति की व्यवस्था को और भी सुंदर ढंग से व्यवस्थित करना है, इसके लिएरामनवमी के बाद पीएचइडी जलापूर्ति विभाग विद्युत विभाग और चैंबर कॉमर्स की एक संयुक्त बैठक करके विचार विमर्श करने पर सहमति बनी। मौके पर चैबर अध्यक्ष राजेश सिंह के साथ क्षेत्रीय उपाध्यक्ष रमेश कुमार चीनी, उपाध्यक्ष राजेश लोहानी, सचिव बबलू वर्मा, पीआरओ प्रतीक अग्रवाल और कार्यकारिणी का रितेश गुप्ता आदि उपस्थित थे।

पांच किसानों के बीच जोड़ा बैल का वितरण

गुमला (आजाद सिपाही)। शुक्रवार को डुमरी प्रखंड के ब्लॉक परिसर में पांच यूनिट जोड़ा बैल पांच लाभुक किसानों के बीच वितरण किया गया। मुख्तार आलम ने कहा कि मैं पशुपालन विभाग के द्वारा आपूर्तिकर्ता के रूप में सूचीबद्ध किया गया हूं और कहा कि झारखंड सरकार की कार्यकारिणी योजनाएं धरातल स्तर पर चलायी जा रही है। पशुपालन विभाग के विभागीय मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की भी लाभुक को योजना देने हेतु जिला पदाधिकारी के साथ निरंतर बैठक कर रही है। पशुपालन विभाग से जोड़ा बैल योजना किसानों को दिया जा रहा है, जिससे गरीब किसान अपना खेतीबारी सुचारू रूप से कर सके। मुख्तार आलम ने कहा कि झारखंड सरकार के द्वारा अपने राज्य के पलायन को रोकने हेतु विभिन्न योजनाएं चल रही है, पलायन की समस्या को लेकर झारखंड सरकार बहुत गंभीर और चिंतित है। इसलिए झारखंड सरकार विभिन्न योजनाओं को अनेको विभाग के द्वारा धरातल स्तर पर चलाकर किसान और मजदूरों को रोजगार से जोड़ रही है ताकि पलायन को रोका जा सके।

दो बाइकों की टक्कर में चार घायल

गुमला (आजाद सिपाही)। गुमला जशपुर रोड स्थित तिर्रा पेट्रोल पंप के समीप शुक्रवार की शाम 6:30 बजे दो बाइक में सीधी भिड़ंत हो गयी। घटना में चार लोग घायल हो गये। जबकि जोराग निवासी प्रेम बड़ाइक गंभीर रूप से घायल हो गया अन्य लोगों का प्राथमिक स्तर पर इलाज किया गया। जबकि प्रेम को सदर अस्पताल लाया गया जहां उसका इलाज चल रहा है। उसके सिर व चेहरे में काफी चोट लगी है।

गुमला के पालकोट में हाथी ने दो को मारा

तीन अन्य को किया घायल, गांवों के लोग भारी दहशत में

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। जिले के पालकोट प्रखंड क्षेत्र में जंगली हाथी ने दो लोगों को मार डाला है, जबकि तीन अन्य को घायल कर दिया। इन वारदातों के बाद गांवों के लोग भारी दहशत में हैं। वन विभाग की टीम हाथियों को खदेड़ने में जुटी है।

जानकारी के अनुसार तपकारा पंचायत के बरडीह और चापाटोली गांवों के चार लोगों को जंगली हाथी ने कुचला। इनमें चापाटोली निवासी खीस्तोफर एक्का की मौत हो गयी, अजय मिंज घायल हो गये। घटना की जानकारी मिलते ही पंचायत की मुखिया कांति केर-केट्टा, प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष रोहित एक्का और वन विभाग कर्मियों ने घायल को अस्पताल भेजा और आर्थिक मदद भी की। घटना सुबह करीब साढ़े छह बजे घटी, जब ग्रामीण शौच के लिए गये हुये थे।

कुसुम कोना जंगल में महिला को मारा

हाथियों ने कुसुम कोना जंगल में तेतर टोली निवासी महिला हेमावती देवी (35) को कुचल कर मार डाला। महिला महुआ चुनने जंगल में गयी थी। यह घटना शुक्रवार की सुबह 10 बजे की है। परिजनों ने बताया कि अन्य लोगों के साथ हेमावती भी जंगल में गयी थी। जंगली हाथी को देख कर लोगों ने शोर मचाना शुरू किया, लेकिन महिला शोर नहीं सुन पायी। हाथी महिला के पास पहुंचा और उसके सिर में अपना दांत गड़ा दिया। वहीं पैर से उसके पेट को कुचल दिया। कुछ लोगों ने हाथी को भगाने की कोशिश की, लेकिन वह उन्हें खदेड़ने लगा। बाद में हाथी दर्री पानी जंगल की ओर भाग गया।

बारडीह जंगल में हाथी के हमले से वृद्धि दंपति घायल

उधर बारडीह जंगल में महुआ चुनने गये वृद्ध दंपति कलारा बा (60) और इमिल बा (65) हाथी के हमले में घायल हो गये। घटना शुक्रवार की सुबह पांच बजे की बतायी जाती है। दोनों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार दंपति महुआ चुनने गये और ठंड लगने के कारण वहां आग जला कर तापने लगे। इसी बीच पीछे से एक जंगली हाथी आया और उन पर हमला कर दिया। दोनों वहां से भागने लगे। इस क्रम में महिला को हाथी ने पास के एक गड्ढे में फेंक दिया। शोर सुनकरआसपास के लोग पहुंचे और दोनों को लेकर कोलेबिरा अस्पताल पहुंचे। वहां से उन्हें सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।

मिशन बदलाव की पहल से नालियों की सफाई

गुमला (आजाद सिपाही)। मिशन बदलाव के जिला सचिव सैयदा खातून, नगर सचिव ज्योति वर्मा और नगर अध्यक्ष ज्योति ग्लयोरिया कुजूर के नेतृत्व में गुमला शहरों में नालियों की साफ सफाई को लेकर पिछले दिनों आवेदन दिया गया था। बताया गया था कि स्थानीय लोगों के द्वारा नालियों की साफ सफाई हमेशा नहीं किया जाता है और विशेषकर अल्पसंख्यक मुहल्लों की अनदेखी के कारण गंदगी के कारण नालिया जाम पड़ा हुआ है। इसका खामियाजा मोहल्ले वासियों को भुगतना पड़ रहा है। अभी रमजान का महीना है और नमाजी आते जाते परेशान है क्योंकि नाली का पानी रोड पर जाने से सभी को गन्दा पानी पड़ रहा था, जिससे नमाजी बहुत दुखी और चिंतित थे। वहीं गंदगी से परेशान मोहल्ले वाले कई बार शिकायत कर चुके हैं। लेकिन साफ-सफाई पर वार्ड पार्षद हरजीत सिंह ने कोई गंभीरता नहीं दिखायी। मोहल्ले वालों की सूचना पर मिशन बदलाव ने नगरपरिषद कार्यपालक पदाधिकारी को आवेदन दिया। कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद गुमला ने इस मामले को गंभीरता ध्यानपूर्वक देते हुए त्वरित साफ सफाई करने का आदेश सफाई कर्मचारियों को दिया और सफाई कर्मचारियों के द्वारा साफ सफाई कराया गया। वही मिशन बदलाव की सय्यदा खातून ने भी रोड पर जगह जगह गढो को मिट्टी भर कर आने जाने वालों के लिए सुविधा बनायी।

वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ मुसलमानों ने काला बिल्ला लगाकर पढ़ी नमाज

गुमला (आजाद सिपाही)। केंद्र सरकार के द्वारा वक्फ संशोधन बिल 2024 के रूप में जो बिल लाने की तैयारी हो रही है उसके विरोध में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के निदेर्शानुसार मुस्लिम धर्मावर्लंबियों ने काला बिल्ला लगाकर विरोध किया। अलविदा जुम्मा में गुमला के सभी मस्जिदों में काला बिल्ला लगाकर मुसलमानों ने नमाज अदा की। और केंद्र सरकार को मौन विरोध जताकर इस बात से अवगत कराने की कोशिश की गयी कि वक्फ बोर्ड संशोधन बिल 2024 किसी भी सूरत में भारत के मुसलमानो को स्वीकार नही है। ज्ञात हो इस बिल के विरोध में दिल्ली की जंतर मंतर में देश के बड़े बड़े मुस्लिम स्कॉलर, विपक्ष के सांसद गण और ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारी धरना पर विगत कई महीनों से बैठे हैं। उसी के आंदोलन को मजबूत करने के लिए बज्मे रब्बानी कमेटी गुमला के द्वारा गुमला में भी मुस्लिम समाज ने काला फीता लगाया। ताकि लोग जुम्मा की नमाज अदा करने जाये तो काला बिल्ला लगाकर विरोध प्रकट करें।

नम आंखों के साथ मुस्लिमों ने अदा की अलविदा जुमे की नमाज

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। अलविदाऊ अलविदाऊ या शहरी रमजान.... जैसे ही इमाम ने खुतबे में इस आयत को पढ़ा, बरबस रोजेदारों की आंखों से आंसू निकल पड़े। मौका था अलविदा जुमे में नमाज के पूर्व खुतबे का। मुस्लिम धर्मावर्लंबियों के पवित्र माह रमजान का आखरी जुमा यानी कि अलविदा जुमे की नमाज का दृश्य बड़ा ही भावुक था। जिला मुख्यालय समेत मुस्लिम बाहुल्य गांवों में बड़ी अकीदत के साथ जुमे की नमाज अदा की गयी। अलविदा जुमे की नमाज में काफी संख्या में बच्चे, नवजवान और बुजुर्गों ने हिस्सा लिया। वहीं थाना रोड स्थित जामा मस्जिद के ईमाम इनाम रब्बानी ने मस्जिद में नमाजियों को संबोधित करते हुए कहा कि रमजान बहुत ही बरकत वाला महीना है। रमजान माह का शुरू होते ही मुसलमान इबादतों में मशगूल हो जाते हैं। रमजानुल मुबारक अब जा रहा है। जिसके विदाई का अफसोस हर मुसलमान को है। बचे हुए रमजानुल मुबारक में हम लोगो को खूबखूब इबादत करनी चाहिए। रमजानुल मुबारक के महीना अपने आप में काफी अहमियत रखता है। इस मुबारक महीने में ही कुरान हम सब तक पहुंचा। उन्होंने यह भी कहा कि सभी मुस्लिमों को कुरान पढ़ने और समझने की आदत बना लेनी चाहिए। साथ ही जिस तरह रमजानुल मुबारक के महीने में हम सब अपने गुनाहे से तौबा कर इबादत करते रहे हैं उसी तरह आने वाले समय में भी हम लोगो को इबादत करते रहना चाहिए।

जारी-चैनपुर की नयी सड़क के किनारे लाइट नहीं लगने से ग्रामीणों के बीच डर का माहौल

आजाद सिपाही संवाददाता

जारी। जारी से चैनपुर 10 किलोमीटर की सड़क पूर्ण रूप से बनकर तैयार हो चुकी है।जारी प्रखंड वासियों की शुरू से ही मांगे थी कि चैनपुर से जारी सड़क की चौड़ीकरण हो। चैनपुर से जारी 10 किलोमीटर की सड़क चकाचक बन चुकी है। यह सड़क की दूरी लगभग 10 किलोमीटर की है। साथ ही लगभग 27 करोड़ की लागत से बनायी गयी है। यह सड़क बनने पर चैनपुर, कुरूमगढ़, कोटामा, घाघरा सहित अन्य जगहों के व्यापारी इसी सड़क से होकर झारखंड से लगे छत्तीस गढ़ के सीमावर्ती जिला जशपुर व्यापार के लिए आना-जाना कर सकेंगे जो कि पहले का अपेक्षा 20 से 30 किलोमीटर की दूरी कम पड़ेगी। पहले लोग मांझाटोली होते हुए घूम कर जशपुर जिला व्यापार करने के लिए जाया करते थे। लेकिन अब व्यापारियों सहित कई लोगों को जशपुर जिला जाना काफी आसान हो चुका है। वही परमवीर चक्र विजेता अल्बर्ट एक्का की धर्मपत्नी स्वर्गीय बलमदीना एक्का की भी शुरू से ही चैनपुर से जारी सड़क बनाने के लिए मुख्य मांग थी। हालांकि स्व बलमदीना एक्का इस दुनिया में नहीं रही। लेकिन उनका सपना अब जा के साकार हुआ है। लेकिन इस सड़क में अभी भी कुछ कमियां हैं जिन्हे दूर करना अतिआवश्यक है। जारी के ग्रामीण कह रहे हैं कि करोड़ों रुपया तो खर्च कर दिए साहब लेकिन कुछ पैसा और खर्च कर चैनपुर जारी बॉर्डर स्थित घने जंगलों के बीच से जो सड़क गुजरी है। उस सड़क के दोनों साइड यदि लाइट लगवा देते हैं।तो प्रखंड क्षेत्र के ग्रामीण को रात्रि के समय आने जाने में सुविधा होती। ग्रामीण आज भी रात में सफर करते हुए डरते हैं। डर लगने का कारण है कि रात्रि के समय जंगली हाथी सड़क पर ही खड़े रहते हैं। राहगीरों को अक्सर जंगली हाथियों का सामना करना पड़ता है।

रामनवमी, सरहुल और ईद को लेकर शांति समिति की बैठक

2 से शाम 7 बजे तक भारी वाहनों के प्रवेश पर वर्जित की मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

घाघरा। थाना परिसर में शांति समिति की बैठक शुक्रवार को अंचलाधिकारी आशीष मंडल की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक रामनवमी, सरहुल व ईद पर्व को लेकर विस्तार से चर्चा किया गया। जहां मौजूद प्रशिक्षु डीएसपी शिव शंकर मरांडी ने रामनवमी को सौहार्दपूर्ण, शांतिपूर्ण के साथ धूमधाम से मनाने का आग्रह किया। साथ ही प्रखंड क्षेत्र के सभी अखाड़ों के पदधारियों से जुलूस में होने वाले समस्याओं से अवगत हुए और सुविधाओं को कैसे मुहैया कराया जाये, जिस पर विस्तार से चर्चा की गयी। भारी वाहनों को रामनवमी और सरहुल के दिन दोपहर 2 बजे से शाम 7 बजे तक प्रवेश वर्जित की मांग पर सहमति बनी। डीजे को लेकर सभी अखाड़ा को भड़काऊ गाना और अत्यधिक आवाज पर नियंत्रण पर ध्यान रखने की बात कही गयी। इस मौके पर मुख्य रूप से उपस्थित लोगों में मुख्यालय डीएसपी विजेंद्र टोप्पो, बीडीओ दिनेश कुमार, इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार, केंद्रीय महावीर मंडल के संरक्षक प्रदीप प्रसाद सहित सैकड़ो की संख्या में शांति समिति के सदस्य व अन्य मौजूद थे।

एसपी ने किया सकारात्मक प्रयास घाघरा में निकलेगा रामनवमी का जुलूस

बता दे कि केंद्रीय महावीर मंडल घाघरा ने पुलिस के भय से रामनवमी नहीं मानने का निर्णय लिया था। इस पुरे मामले को लेकर पुलिस अधीक्षक शम्भू कुमार सिंह ने गंभीरता दिखाते हुए घाघरा के प्रबुद्ध जनों से गुमला पुलिस अधीक्षक कार्यालय में बातचीत करके जो दरार थी उसको समाप्त करते हुए रामनवमी पूजा और जुलूस निकालने के लिए सहमति बना कर सभी को त्यौहार मनाने के लिए राजी कर लिये है।

प्रपत्र VII
राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग (भू-अर्जन निदेशालय) या समाहर्त्ता या समुचित सरकार

अधिघोषणा
(अधिनियम–30/2013 की धारा–19 (1) के अधीन)

संख्या– 354 /भू0अ0, रामगढ़, दिनांक 12/03/2025

चूँकि झारखण्ड सरकार/समाहर्त्ता को यह प्रतीत होता है कि मौजा कोड़ी, थाना नं0 61, राजस्व थाना पतरातू, अंचल पतरातू, जिला रामगढ़ में भूमि सार्वजनिक प्रयोजन, यथा मतकमा चौक (SH-2 पर)–पाली–सांकी–चुटूपालू (NH-33 पर) पथ (लंबाई–20.76 Km) एवं कौड़ी बाजार से चिकोर भाया सुड्डी लिंक पथ (लंबाई–4.43 Km) सहित (कुल लंबाई–25.19 Km) का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य हेतु अपेक्षित है।

इसलिए अधिघोषणा किया जाता है कि उपर्युक्त परियोजना के लिए अर्जन के अधीन एक भू–खंड है, जो मानक माप से कमोवेश **3.69125** एकड़ यानि 1.4938 हेक्टेयर है, और जो मौजा कोड़ी, थाना नं0 61, राजस्व थाना पतरातू, अंचल पतरातू, जिला रामगढ़ में है, जिसका विवरण निम्नलिखित है

क्र0 सं0	खाता सं0	सर्वे भूखंड सं0	स्वामित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता	सीमा (भूखंड सं0) उ0	द0	पू0	प0
1	03	425	रैयती	टांड़–II	0.1200	सुकरा मुण्डा वगै0 पिता स्व0 एतवा मुण्डा	421	318	424	426
2	03	806	रैयती	टांड़–II	0.0311	षिवनारायण मुण्डा पिता स्व0 जागेष्वर मुण्डा	947	804	805	808
3	06	420	रैयती	टांड़–I	0.0052	सावन मुण्डा वगै0 पिता स्व0 कषुवा मुण्डा	418	318	421	417
4	08	812	रैयती	धान खेत–I	0.0200	बसंती देवी पति स्व0 हिरूवा बेदिया	813	811	816	318
5	09	449	रैयती	खलीहान	0.0700	अज्ञात	434	701	432	450
6	20	452	रैयती	खलीहान	0.0300	लालमोहन मुण्डा पिता स्व0 चन्दु मुण्डा	445	318	449	453
7	12	445	रैयती	टांड़–II	0.0072	सोहराय मुण्डा वगै0 पिता बन्दु मुण्डा	444	452	446	443
8	12	725	रैयती	परती कदीम	0.0072	सोहरइया मुण्डा वगै0 पिता बन्दरू मुण्डा	318	326	318	1001
9	12	727	रैयती	खलीहान	0.0242	सोहरइया मुण्डा वगै0 पिता बन्दरू मुण्डा	726	734	318	734
10	13	447	रैयती	टांड़–II	0.01625	फुलदेव बेदिया वगै0 पिता स्व0 विरसाय बेदिया	438	318	448	456
11	12	803	रैयती	टांड़–II	0.0175	सोहराय मुण्डा वगै0 पिता बन्दरू मुण्डा वो देवलाल मुण्डा पिता लखिया मुण्डा	318	778	802	777
12	22	448	रैयती	बकब्जे मोसमात बीगनी मुण्डा	0.0032	बिगन मुण्डा वगै0 पिता भरत मुण्डा	438	318	434	447
13	12	977	रैयती	टांड़–II	0.3600	राजकुमार बेदिया वो रवि बेदिया पिता स्व0 भोला बेदिया भीमलाल मुण्डा वगै0 पिता स्व0 रूसुवा मुण्डा, पुरनी देवी पति इन्दु बेदिया, धाना बेदिया पिता गिरधारी बेदिया, भीमलाल मुण्डा पिता रूसुवा मुण्डा, छोटेलाल करमाली पिता स्व0 महावीर करमाली, सुनील मुण्डा पिता स्व0 सोमरा मुण्डा, सलमति देवी पति दिनेष बेदिया, कंचन मुण्डा वगै0 पिता स्व0 बन्दरू मुण्डा	976	979	दाडी दाग	802
14	23	414	रैयती	–	0.01200	बृजलाल बेदिया वगै0 पिता स्व0 डोमन, छोटु मुण्डा/राजेन्द्र मुण्डा पिता सुन्दर मुण्डा	405	318	429	430
15	23	802	रैयती	जामुना टॉड़	0.4200	सुन्दर बेदिया वगै0 पिता स्व0 पुरन बेदिया बृजलाल बेदिया वगै0 पिता स्व0 डोमन बेदिया, तिलका बेदिया पिता स्व0 चमटु बेदिया, सुरेष बेदिया पिता स्व0 चमटु बेदिया, रामेष्वर बेदिया पिता स्व0 सीता बेदिया, धनेष्वर बेदिया पिता स्व0 कमला बेदिया	804	795	891	803
16	25	503	रैयती	करंज टॉड–I	0.0173	जीबो मुण्डा वगै0 पिता स्व0 भगत मुण्डा	422	511	505	502
17	27	423	रैयती	कटहर बारी–I	0.0400	सोना मुण्डा पिता स्व0 अमृत मुण्डा	428	318	326	424
18	27	501	रैयती	टॉड–I	0.0193	फदड मुण्डा वगै0 पिता मुटरा मुण्डा	491	512	502	500
19	30	433	रैयती	झाड़ी–I	0.0074	जुगल बेदिया वगै0 जतरू बेदिया	410	318	432	434
20	30	808	रैयती	तेहरवा टॉड़–I	0.1561	राजन बेदिया पिता ढोटन बेदिया, राजेन्द्र बेदिया पिता ढोटन बेदिया	822	804	806	809
21	30	976	रैयती	जामुन टॉड–I	0.0400	ढोटन बेदिया पिता भुगलु बेदिया, सुलेन बेदिया पिता ढोटन बेदिया भुनेष्वर बेदिया पिता स्व0 साधना बेदिया	698	802	966	975
22	32	429	रैयती	–	0.0200	गंगो मुण्डा वगै0 पिता स्व0 विदेषिया मुण्डा	415	318	428	414
23	32	430	रैयती	कोइनार बीटा–I	0.01575	कमेष्वर मुण्डा पिता स्व0 जोगी मुण्डा	413	318	414	431
24	32	431	रैयती	कोइनार बीटा–I	0.02475	कमेष्वर मुण्डा पिता स्व0 जोगी मुण्डा	413	318	430	432
25	32	504	रैयती	टॉड–I	0.07800	गंगवा मुण्डा वगै0 पिता स्व0 विदेषी मुण्डा	495	570	505	503
26	32	505	रैयती	टॉड–III	0.0900	कमेष्वर मुण्डा पिता स्व0 भोगी मुण्डा	495	509	506	505
27	32	507	रैयती	टॉड़–I	0.0700	गंगवा मुण्डा वगै0 पिता स्व0 विदेषी मुण्डा, राम विलाष मुण्डा पिता सुन्दर मुण्डा	459	508	693	495
28	39	443	रैयती	–	0.0017	दुबराज करमाली पिता स्व0 भन्दु करमाली	449	453	445	442
29	40	424	रैयती	करजीबारी –I	0.0385	सोना मुण्डा सुकरा मुण्डा पिता स्व0 एतवा मुण्डा	421	318	425	425
30	42	724	रैयती	टॉड़	0.0393	सोहरइया मुण्डा वगै0 पिता स्व0 बन्दरू मुण्डा	318	1001	318	713
31	37	450	रैयती	रैयती–I	0.0200	सोना मुण्डा वगै0 पिता स्व0 अमृत मुण्डा	447	701	448	451
32	35	427	रैयती	रैयती–I	0.0200	जगन बेदिया वगै0 पिता स्व0 साधु बेदिया	420	710	426	417
33	35	508	रैयती	टॉड़–III	0.0096	जगन बेदिया वगै0 पिता स्व0 साधु बेदिया वो विनोद बेदिया पिता दषय बेदिया	509	678	692	409
34	36	810	रैयती	–	0.0684	सोना मुण्डा पिता अमृत मुण्डा	817	809	808	811
35	33	446	रैयती	टॉड़–I	0.0044	मगन करमाली पिता रामेष्वर करमाली	448	318	432	450
36	32	496	रैयती	टॉड़–I	0.0600	गंगवा मुण्डा वगै0 पिता स्व0 विदेषे मुण्डा	493	506	495	497
37	27	454	रैयती	रैयती–I	0.0100	सोना मुण्डा अमृत मुण्डा वो फदड मुण्डा पिता मुटरा मुण्डा वगै0	442	318	443	455
38	05	317	रैयती	धान खेत	0.0237	बुधु बेदिया वगै0 पिता स्व0 चोरहे बेदिया वो बालु बेदिया वगै0 पिता स्व0 विरसा बेदिया वगै0	315	318	829	318
39	33	459	रैयती	टॉड़–II	0.1100	मंगरा बेदिया पिता साधना बेदिया	460	693	458	494
40	37	695	रैयती	मकान–I	0.0012	सोना मुण्डा पिता अमृत मुण्डा वगै0	318	600	696	694
41	37	697	रैयती	खलिहान–I	0.0040	सोना मुण्डा पिता स्व0 अमृत मुण्डा वगै0	318	600	698	696
42	35	451	रैयती	खलिहान–I	0.0200	जगन बेदिया पिता स्व0 झण्डु बेदिया	449	318	450	452
43	-	490	रैयती	–	0.2100	सवना मुण्डा वगै0 पिता स0 कसुवा मुण्डा, शीतला बेदिया वो मितला बेदिया पिता षिवनाथ बेदिया	488	499	500	491
44	-	491	रैयती	खतियान फटा है।	0.0109	जंगला बेदिया वगै0 पिता स्व0 पुसवा बेदिया वो मंगला बेदिया वगै0 पिता स्व0 चरना बेदिया वो अघनु बेदिया वगै0	483	493	492	490
45	-	506	रैयती	खतियान फटा है।	0.0500	नागेष्वर बेदिया वगै0 पिता स्व0 टेपा बेदिया वो दषरथ बेदिया वगै0 वो दुखा बेदिया वगै0	495	509	507	505
46	-	453	रैयती	खतियान फटा है।	0.0200	कामेष्वर मुण्डा पिता स्व0 जोगी मुण्डा	442	318	452	454
47	-	432	रैयती	खतियान फटा है।	0.0200	लालमोहन मुण्डा पिता स्व0 चन्दरू मुण्डा	412	318	431	433
48	-	434	रैयती	खतियान फटा है।	0.0042	पुरन महतो पिता स्व0 बलकू महतो	435	449	423	448
49	-	458	रैयती	खतियान फटा है।	0.2100	जगदीष बेदिया पिता स्व0 दुरूवा बेदिया सुन्दर लाल बेदिया पिता स्व0 टेपा बेदिया	463	318	452	454
50	-	428	रैयती	खतियान फटा है।	0.0125	सुधवा बेदिया वगै0 पिता स्व0 झबुवा बेदिया	415	318	417	429
51	-	417	रैयती	खतियान फटा है।	0.0250	रंगटु बेदिया वगै0 पिता स्व0 गिरधारी बेदिया	401	318	420	428
52	-	696	रैयती	खतियान फटा है।	0.0054	सवना मुण्डा पिता चैता मुण्डा	318	600	697	695
53	-	734	रैयती	खतियान फटा है।	0.0141	दषरथ बेदिया पिता स्व0 झन्हुआ बेदिया	728	733	735	729
54	-	735	रैयती	खतियान फटा है।	0.3500	सोना मुण्डा पिता स्व0 अमृत मुण्डा	318	736	318	734
55	-	972	रैयती	खतियान फटा है।	0.0128	सोहन बेदिया वगै0 पिता चरकू बेदिया	971	804	973	971
56	-	973	रैयती	खतियान फटा है।	0.1500	चरका मुण्डा वगै0 पिता स्व0 वो कामेष्वर मुण्डा वगै0 पिता स्व0 जोगिया मुण्डा	971	802	974	972
57	-	497	रैयती	खतियान फटा है।	0.1300	चरका मुण्डा पिता भकुरा मुण्डा	591	513	496	498
58	-	974	रैयती	खतियान फटा है।	0.2331	चैता मुण्डा वगै0 पिता स्व0 एतवा मुण्डा, पैरो देवी पति रामधन बेदिया, विगन बेदिया पिता स्व0 बढ़न बेदिया	971	802	976	973
59	-	811	रैयती	खतियान फटा है।	0.0800	पुरन मुण्डा वगै0 पिता स्व0 बनजा मुण्डा	816	804	810	318
				कुल रकवा	3.69125					

यह अधिघोषणा हितबद्ध व्यक्तियों की आपत्तियों के सुनने और अधिनियम संख्या–30/2013 की धारा–15 में प्रदत्त यथा उपबंधित सम्यक जाँच के पश्चात किया गया है।

PR.NO.349439
Land Reforms(24-25):D

ह०/– कानूनगो, रामगढ़। ह०/– जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, रामगढ़। ह०/– अपर समाहर्त्ता, रामगढ़। ह०/– उपायुक्त, रामगढ़।

लोहा लदा टेंपो जब्त

झरिया/जोड़ापोखर (आजाद सिपाही)। जोड़ापोखर थाना के गस्ती दल ने डिगवाडीह गणेश पूजा मैदान के निकट एक माल वाहक टेपों जब्त किया, जिसमें एक टन लोहा की पाइप लदा था। जोड़ापोखर थाना प्रभारी लोहे की जांच कर रहे है। बतातें चलें कि जोड़ापोखर क्षेत्र में लोहा चोरों ने सम्राज्य कायम किया हुआ है। पूर्व में बीसीसीएल की भूलन बरारी बंद स्टोर से लाखों रुपये का लोहा चोरी कर लिया था। जोड़ापोखर पुलिस बार-बार यही कहती हैं कि कंपनी की स्क्रैप को रोकने की जवाबदेही सीआइएसफ की है। दूसरी ओर सीआईएसफ के जवानों का कहना है कि जवानों का उक्त स्थल पर पोस्ट नहीं है। ऐसे में लौह सामग्री को चोरी से बचाने की जवाबदेही पुलिस की है।

दहशत : गोलियों की तड़तड़ाहट से फिर दहला धनबाद

वर्चस्व को लेकर दो गुटों में खूनी संघर्ष, एक को लगी गोली, तनाव

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। वर्चस्व को लेकर कोयलांचल एक बार फिर गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंज उठा। इस घटना में एक व्यक्ति को गोली लगी है। उसकी पहचान ललन पासवान के रूप में हुई है। उसे बेहतर इलाज के लिए एसएनएमएमसीएच अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना ईस्ट बसूरिया ओपी और गोंदुडीह सीमा क्षेत्र के पास घटित हुई। जानकारी के मुताबिक गुरुवार की देर रात वर्चस्व को लेकर कोयला तस्करों और मजदूरों के बीच जमकर गोलीबारी हो गयी। उधर, घटना की सूचना मिलते ही ईस्ट बसेरिया ओपी पुलिस पहुंची। अस्पताल में घायल ललन पासवान से पुलिस पूछताछ कर रही है। ललन कुमार पासवान के भांजा पंकज कुमार पासवान ने बताया कि गोली चलाने वाले लोग दो नंबर से कोयला उठाव करना चाह रहे थे। इसी बात को लेकर दोनों तरफ से बहस हुई। बात बढ़ने पर गोली चल गयी। दूसरी ओर, डॉक्टरों की मानें तो ललन पासवान की स्थिति खतरे से बाहर है। वहीं, गोलीबारी की सूचना मिलते ही ईस्ट बसूरिया ओपी पुलिस अस्पताल पहुंची और घायल से पूछताछ की। ललन ने पुलिस को बताया है कि कोयला कारोबार को लेकर पहले भी विवाद हो चुका है। इस रंजिश में हमलोगों पर हमला किया गया। फिलहाल पुलिस घटनास्थल पर जाकर मामले की छानबीन कर रही है। वहीं. आसपास के इलाके में दहशत का माहौल है।

घायल ललन पासवान का अस्पताल में चल रहा इलाज।

खोरधा रोड मंडल ने 300 मिलियन टन माल ढुलाई का रिकॉर्ड बनाया

- भारतीय रेलवे का कोई भी अन्य मंडल अब तक 300 मिलियन टन माल ढुलाई का रिकॉर्ड कभी हासिल नहीं कर पाया है।

आजाद सिपाही संवाददाता

खोरधा रोड। खोरधा रोड मंडल ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 में यानी 01.04.2024 से 27.03.2025 तक 300 मिलियन टन (एमटी) माल यातायात कर इतिहास रचा है। यह भारतीय रेलवे का प्रथम ऐसा मंडल है जिसने लोडिंग और अनलोडिंग सहित 300 मिलियन टन माल ढुलाई हासिल की है। भारतीय रेलवे का कोई अन्य मंडल अब तक 300 मिलियन टन माल ढुलाईके लक्ष्या तक नहीं पहुंच सका है। इस अवधि के दौरान, कुल लोड किया गया माल 161.2 मिलियन टन और कुल अनलोड किया गया माल 139.74 मिलियन टन है। विभिन्न परिचालन चुनौतियों के बावजूद, खोरधा रोड मंडल के सभी लोडिंग तथा अनलोडिंग बिंदुओं पर सरकारी क्षेत्रों और उद्योगों के साथ सही योजना और समन्वय के माध्यम से यह रिकॉर्ड-तोड़ उपलब्धि हासिल करना संभव हो सका। खोरधा रोड के क्षेत्राधिकार के भीतर प्रमुख माल ढुलाई के लिए मुख्य योगदानकर्ता तालचेर, पारादीप, धामरा, मेरामंडली, जखपुरा, सुकिंदा, केरजंग में प्रमुख इस्पात संयंत्र, नयागढ़ में लौह अयस्क और गोपालपुर बंदरगाह से विभिन्न अन्य उत्पाद शामिल हैं। ढुलाई की जाने वाली प्रमुख वस्तुओं में कोयला, इस्पात संयंत्रों के लिए कच्चा माल, तैयार इस्पात, लौह अयस्क, उर्वरक और सीमेंट, खाद्यान्न, खनिज तेल आदि जैसे अन्य सामान शामिल हैं। खोरधा रोड मंडल रेल प्रबंधक के गतिशील नेतृत्व में मंडल ने माल ढुलाई परिचालन में लगातार नयी उपलब्धियां हासिल की हैं। मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) एचएस बाजवा ने अधिकारियों और कर्मचारियों के अथक प्रयासों की सराहना की और इस सफलता का श्रेय उनके समर्पण और टीम वर्क को दिया।

आइपीएल को लेकर कोयलांचल में धड़ल्ले से चल रहा ऑनलाइन सट्टेबाजी का कारोबार

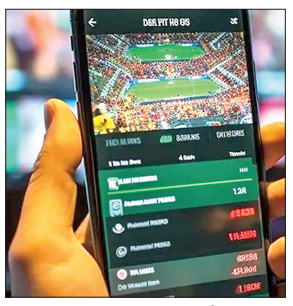

महुदा (आजाद सिपाही)। पुलिस प्रशासन की सख्ती के बावजूद धनबाद कोयलांचल में आइपीएल को लेकर ऑनलाइन सट्टेबाजी का अवैध कारोबार धड़ल्ले से जारी है। महुदा, ईस्ट बसुरिया, लोयाबाद, भूली और कतरास क्षेत्र में प्रशासन की लापरवाही के चलते सट्टेबाजों के हौसले बुलंद हैं। सूत्रों की मानें तो महुदा के गोरी, लोयाबाद के नाका, पंजक, ईस्ट बसुरिया के सिंटू, आमबगान के विशाल, गरेड़िया के प्रकाश, कतरास के विकास और सुबोध जैसे प्रमुख नाम हैं जो सट्टे के इस अवैध कारोबार को संचालित कर रहे हैं। इनका नेटवर्क युवाओं को झांसा देकर सट्टे के जाल में फंसा रहा है। बताया जा रहा कि ये लोग आईपीएल के लिए वेबसाइटों से 15-20 लाख रुपए में फ्रेंचाइजी खरीदते हैं और फिर अपने एजेंटों के माध्यम से सट्टेबाजी को लोगों तक पहुंचाते हैं। इस नेटवर्क के जरिए लोगों को लालच देकर इन वेबसाइटों और व्हाट्सअप के माध्यम से सट्टा लगाने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। गोरी ने महुदा में अब तक पांच लोगों को इन वेबसाइटों की आईडी बेची हैं, जिसके जरिए महुदा बाजार सहित पुलिस अनुमंडल क्षेत्र के इलाकों में खुलेआम सट्टेबाजी चल रही है। बतातें चलें कि कुछ वर्षों पहले महुदा पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर पदुगोड़ा पंचायत क्षेत्र के एक घर में छापामारी की थी, जहां से दर्जनों मोबाइल, लैपटॉप और कंप्यूटर बरामद किया गया था। हालांकि पुलिस की इस कार्रवाई से सट्टेबाजों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा और आज भी सट्टे का बाजार गर्म है। हाल ही में, केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संसद में ऑनलाइन सट्टेबाजी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का ऐलान किया था और नए सूचना प्रौद्योगिकी नियम 2021 के तहत सैकड़ों अवैध पोर्टल्स को ब्लॉक करने का निर्देश दिया था। इसके बावजूद, महुदा, ईस्ट बसुरिया, लोयाबाद, भूली और कतरास क्षेत्र में यह अवैध कारोबार धड़ल्ले से जारी है। स्थानीय प्रशासन की उदासीनता के कारण सट्टेबाजों का नेटवर्क दिन-प्रतिदिन मजबूत हो रहा है। पुलिस अब तक इस रैकेट पर अंकुश लगाने में नाकाम साबित हुई है।

थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों के लिए 55 यूनिट रक्त संग्रह

धनबाद (आजाद सिपाही)। रोटरी क्लब धनबाद सेंट्रल के पूर्व अध्यक्ष अमरेश सिंह की अध्यक्षता में शहीद निर्मल महतो मेडिकल एंड हॉस्पिटल स्थित ब्लड बैंक में लगातार खून की कमी को देखते हुए धनबाद के सिटी एसपी अजीत कुमार और ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी के नेतृत्व और रोटरी क्लब धनबाद सेंट्रल की ओर से शुक्रवार को रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। जिसमें रोटरी क्लब धनबाद सेंट्रल के पूर्व अध्यक्ष अमरेश सिंह ने बताया कि मीडिया बंधुओं से पता चला है कि थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को एसएनएमएमसीएच में खून की कमी से कई बच्चों की जान आफत में आ गई थी। इस गंभीर समस्या को देखते हुए आरसीडीसी के पूर्व अध्यक्ष अमरेश सिंह ने पुलिस अधीक्षक सिटी अजीत कुमार एवं पुलिस अधीक्षक ग्रामीण कपिल चौधरी से संपर्क कर अविलंब रक्तदान शिविर का आयोजन कराया। इस अवसर पर सभी पुलिस उपाधीक्षक डीएन बांका, शंकर कामती, अरविंद कुमार सिंह, एसके सिंह मजीद थे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने एवं खुद रक्तदान करने में पूर्व अध्यक्ष अमरेश सिंह, डॉ विभाष सहाय, देवेन तिवारी, अमित जैन, विनीत तुलस्यान, दीपक बंसल, राहुल दोकानिया, शिवम अग्रवाल, अमित कुमार अग्रवाल, राजेश जालुका, बलराम अग्रवाल सहित धनबाद पुलिस एसोसिएशन के अध्यक्ष संजीव कुमार सिंह, सराईढेला थाना प्रभारी नूतन मोदी, सोनू कुमार आदि ने रक्तदान कर इस मुहिम को सफल बनाने में अहम योगदान दिया। इस रक्तदान शिविर में करीब 55 यूनिट रक्त संग्रह किया गया।

ओल्ड एज होम में मनी स्व स्नेहलता सिन्हा की पुण्यतिथि

धनबाद (आजाद सिपाही)। सबलपुर, सहयोगी नगर स्थित ओल्ड एज होम में शुक्रवार को स्वर्गीय स्नेहलता सिन्हा की 7वीं पुण्यतिथि मनाई गई। आश्रम में लगे उनके चित्र पर वृद्धजनों एवं उनके परिजनों ने पुष्प अर्पित कर नमन किया। मटकुरिया निवासी समाजसेवी एवं स्वर्गीय स्नेहलता सिन्हा के पति कृष्ण प्रसाद सिन्हा ने कहा कि ओल्ड एज होम और लालमुनि वृद्धा सेवा आश्रम के 64 महिला एवं पुरुष के खानपान, वस्त्र, दवाई एवं अन्य रोजमर्रा के वस्तुओं सहित अन्य जीवन यापन का व्यवस्था की जिम्मेदारी से निभा रहे हैं। वृद्धजनों की सेवा में अनीश कुमार, नितेश कुमार, अनिल कुमार सिन्हा, रौनक सिन्हा, रेयान सिन्हा, रोशनी कुमारी, शेफाली सिन्हा, सुनीता सिन्हा और वंदना सिन्हा आदि लगे हुए हैं।

वेश्यावृत्ति के नाम पर ठगी, तीन शातिर साइबर ठग हुए गिरफ्तार

मुंबई, कोलकाता और हैदराबाद तक फैला है नेटवर्क

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। साइबर थाने की पुलिस ने वेश्यावृत्ति के नाम पर ठगी करने वाले तीन शातिर साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इनका नेटवर्क मुंबई, कोलकाता और हैदराबाद तक फैला है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सिकंदर यादव (34), चंदन यादव (22) और विवेक साहू (28) के रूप में हुई है। सभी मूल रूप से हजारीबाग के रहने वाले हैं। फिलहाल धनबाद के बरवाअड्डा थाना क्षेत्र में किराए के मकान में रह रहे हैं। पुलिस ने तीनों को बरवाअड्डा स्थित रंजीत महतो के मकान में छापामारी कर गिरफ्तार किया है। इनके पास से नौ मोबाइल फोन, 14 सिम कार्ड, 13 एटीएम कार्ड और 50 हजार रुपये नकद बरामद किए गए हैं। उक्त जानकारी साइबर डीएसपी ने दी। वे शुक्रवार को अपने कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि एसएसपी एचपी जनार्दनन के निर्देश पर टीम गठित कर उक्त मकान में छापामारी की गई? तीनों आरोपी उक्त किराए के मकान में रहकर नेटवर्क के जरिए अन्य शहरों में भी अपना जाल फैला रहे थे। अपराधियों ने स्कोका डॉट इन और अन्य एडल्ट प्लेटफार्मों पर वेश्यावृत्ति का विज्ञापन पोस्ट कर ग्राहकों से ठगी और भयादोहन करते थे। पूछताछ में अपराधियों ने यह भी बताया कि वे वेश्यावृत्ति का गिरोह भी चला रहे थे और लोगों को ऑनलाइन झांसा देते थे।

एनटीपीसी ने एससी-एसटी और महिला उद्यमियों के लिए विशेष विक्रेता विकास कार्यक्रम किया

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। एनटीपीसी बोंगाईगांव ने एमएसएमइ मंत्रालय के सहयोग से राष्ट्रीय एससी-एसटी हब (एनएसएसएच) के तहत एससी-एसटी और महिला उद्यमियों के लिए एक विशेष विक्रेता विकास कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य एनटीपीसी के विक्रेता पंजीकरण, ई-निविदा प्रक्रिया और खरीद प्रक्रियाओं के बारे में जागरूकता पैदा करके एससी-एसटी समुदायों के उद्यमियों और महिला उद्यमियों को सशक्त बनाना है। इस कार्यक्रम में एनटीपीसी बोंगाईगांव के महाप्रबंधक (ओ एंड एम) देबब्रत कर उपस्थित थे, जिन्होंने अपने संबोधन में स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा देने और समाज के विभिन्न वर्गों के लिए व्यावसायिक अवसरों को सक्षम करके समावेशी विकास के प्रति एनटीपीसी की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

कार्यक्रम का आयोजन अनुबंध और सामग्री विभाग, एनटीपीसी बोंगाईगांव द्वारा ओम नारायण सिंह, एजीएम (सी एंड एम) के नेतृत्व में किया गया था। एनकेडी पिकू सहायक निदेशक एमएसएमइ-डीएफओ, गुवाहाटी, पीटर थांगनेहिचिना वरिष्ठ शाखा प्रबंधक, एनएसएसएचओ गुवाहाटी, और अरुणव शर्मा, ई-टेंडरिंग प्रोफेशनल, एनएसएसएचओ गुवाहाटी, ने सभा को संबोधित किया, प्रतिभागियों के साथ बातचीत की, और योजनाओं, खरीद नीतियों और तकनीकी आवश्यकताओं पर मूल्यवान अंतर्दृष्टि साझा की।

कंटेनर एवं दो पिक-अप में लदे 57 मवेशी बरामद

डुमरी/बेरमो (आजा सिपाही)। डुमरी थाना अंतर्गत कुलगो टोल प्लाजा के समीप शुक्रवार की सुबह जेएलकेएम एवं विहिप से जुड़े कार्यकर्ताओं ने पशुओं से भरा एक कंटेनर पकड़ कर पुलिस को सौंप दिया। इस दौरान पुलिस ने कंटेनर चालक, खलासी एवं एक अन्य सहयोगी को गिरफ्तार किया है। साथ ही कंटेनर को जब्त कर थाना ले गयी। वहीं कंटेनर में लदे पशुओं को पोरदाग गुरुटांड़ स्थित राधेकृष्ण गौशाला में भेज दिया गया है। बताया जा रहा कि पशुओं से लदा कंटेनर पश्चिम बंगाल जा रहा था। इसी बीच ट्रक कुलगो टोल प्लाजा के पास खराब हो गई। कुछ लोगों को शक होने पर इसकी सूचना जेएलकेएम एवं विहिप सदस्यों को दी। सूचना पाकर जेएलकेएम एवं विहिप नेता अपने समर्थकों के साथ टोल प्लाजा पहुंच कर जानकारी ली। इसके बाद तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। कंटेनर में खचाखच पशु भरा था। जिसकी गिनती की जा रही थी। इधर, संयुक्त सनातन गौ रक्षा वाहिनी के प्रदेश उपाध्यक्ष संजय जायसवाल ने कहा कि ऐसे अवैध कार्य में शामिल लोगों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। कहा कि प्रतिदिन एनएच-19 से होकर अवैध पशुओं से लदे छोटे बड़े वाहनों का परिचालन किया जाता है। जिसपर अंकुश लगाने की आवश्यकता है। वहीं गौशाला के संचालक धानेश्वर महतो ने पुलिस प्रशासन से मवेशियों के लिए चारा की व्यवस्था करने की अपील की है। उनका कहना है कि किसी स्तर से कोई सहयोग नहीं मिलने एवं आर्थिक रूप से संपन्न नहीं रहने के कारण क्षमता से अधिक पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था करने में काफी परेशानी होती है। पता चला है कि उक्त कंटेनर में 36 गाय, 2 बाछा, दो सांड़, 11 बैल एवं 5 बछिया लदे थे। वहीं, क्रूरता पूर्वक लादे गए गौवंशीय पशुओं के कारण एक गाय की मौत हो गई। दूसरी ओर, पशुओं से लदे दो और पिक-अप वैन को भी पकड़ा गया है। हालांकि उसमें लदे दुधारु पशुओं की पहुंच स्थल की सत्यता की जांच की जा रही थी। इस संबंध में एसडीपीओ सुमित प्रसाद ने बताया कि एक कंटेनर और दो पिक-अप को पकड़ा गया है। कंटेनर में कुल 57 मवेशी थे, जिन्हें मुक्त कराया गया। साथ ही तीन लोगों की गिरफ्तारी भी हुई है।

धोरपानी में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मना

आजाद सिपाही संवाददाता

रेंगाली। आदित्य एल्युमिनियम, लपंगा द्वारा बोमालेई पंचायत के धोरपानी गांव में अंताराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में आदित्य एल्युमिनियम, लपंगा के आसपास के क्षेत्रों की 450 से अधिक महिलाएं, विभिन्न स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी), सीआरपी, एमडब्ल्यूके, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता आदि शामिल हुईं। इस अवसर पर महिलाओं को अधिक से अधिक स्वावलंबी बनाने और इस दिशा में कार्य करने की आवश्यकता पर चर्चा की गयी। कार्यक्रम में महिलाओं और बालिकाओं के अधिकार, समानता और सशक्तिकरण पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में रेंगाली ब्लॉक के अध्यक्ष सत्य नारायण अग्रवाल उपस्थित रहे। इसके अलावा, सरकारी विभागों के अधिकारी, जैसे कि श्रीमंत होता (ओआरएमएएस), शर्मिष्ठा साहू (ओआरएमएएस), भारती बेशरा (डीपीसी), सांतुन कुमार भोई (डीआइसी) सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी भाग लिया। आदित्य एल्युमिनियम, लपंगा की ओर से भी कई प्रमुख अधिकारी कार्यक्रम में शामिल हुए, जिनमें बिनोदा नंद ठाकुर (मानव संसाधन प्रमुख), रजत मजूमदार (वित्त विभाग प्रमुख), गुलशन तिवारी (शक्ति विभाग प्रमुख), हेमरंजन पटनायक (भूमि विभाग), प्रीति नायर (मानव संसाधन), पीयूष राज गुरु (मुख्य प्रशासनिक अधिकारी) शामिल थे। इसके अतिरिक्त, महिला संघ (आदित्य टाउनशिप), टीम एसोसिएट, मानव संसाधन विभाग के कर्मचारी, हीराकुद के परिपार्श्विक विकास विभाग के सभी कर्मचारी और 'ग्राम उत्थान' एवं 'हेल्प एनजीओ' ने इस कार्यक्रम में सक्रिय सहयोग दिया।

बोकारो एसपी ने घोर नक्सल क्षेत्र चतरो चट्टी में आयोजित किया कार्यक्रम

नक्सलियों का डर अब खत्म हो रहा : बोकारो एसपी

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। एसपी मनोज स्वर्गियरी ने सुक्रवार को घोर नक्सल क्षेत्र चतरोचट्टी थाना क्षेत्र के चुट्टे फुटबॉल मैदान में कम्युनिटी पुलिसिंग के तहत कार्यक्रम आयोजित किया। जहां क्रिकेट और फुटबॉल सहित अन्य खेल कराकर बच्चों को खेल सामग्री वितरित किया। इस दौरान बच्चों को स्कूल बैग कॉपी किताब पेंसिल भी दी गई। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को राज्य सरकार की ओर से चलाई जा रही योजनाओं की भी जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में शामिल होने आई गांव की महिला ने कहा कि पहले की अपेक्षा अब महिलाएं भी आगे आ रही हैं। हम लोग कई घटनाओं में पुलिस के साथ मिलकर लोगों को न्याय दिलाने का भी काम किए हैं। जिसका लाभ अब आम लोगों के साथ पुलिस को भी मिल रहा है। वहीं, मुखिया रियाज अंसारी ने बताया कि पहले इस इलाके का थाना गोमिया हुआ करता था लोगों को आने-जाने में काफी परेशानी होती थी। लेकिन आज दो थाना और एक आप बनाकर पूरे इलाके के लोगों के लिए सुविधा हुई है। इस तरह के कार्यक्रम हमेशा होते रहने चाहिए क्योंकि इलाके में कई समस्या है जिसे दूर करना भी प्रशासन और पुलिस का कर्तव्य है। जबकि एसपी मनोज स्वर्गियारी ने बताया कि कम्युनिटी पुलिसिंग के तहत हम लोग यहां आए थे। लोगों की भीड़ देखकर काफी अच्छा लगा। हम कह सकते हैं कि नक्सलियों का डर अब खत्म हो रहा है। पुलिस और पब्लिक एक दूसरे के सामने आ रहे हैं। इस कार्यक्रम के उद्देश्य से युवाओं में जो भटकाव नक्सली करना चाहते हैं उसे रोकना है और लोगों को सरकारी लाभ भी पहुंचना है। इस माध्यम से हम लोग नक्सलवाद से जाने से लोगों को रोक सकते हैं और विकास की रोशनी अंतिम इलाके तक पहुंच भी सकते हैं। कार्यक्रम में एसडीपीओ बेरमो, सीओ, बीडीओ गोमिया, गोमिया इंस्पेक्टर, चतरोचट्टी थाना प्रभारी एवं कई थाना प्रभारी भाग लिए।

अमेरिकी विवि का दल किट-किस की यात्रा पर शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग के नये युग का सूत्रपात

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। वाशिंगटन-बोथेल विश्वविद्यालय (यूडब्ल्यूबी) का 18 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल इन दिनों किट और किस की 10 दिवसीय यात्रा पर है। इस यात्रा ने शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग के एक नये मॉडल का उदाहरण पेश किया है जो सहयोगात्मक शिक्षण, सक्रिय समस्या-समाधान और अंतर-सांस्कृतिक शैक्षणिक साझेदारी के माध्यम से व्यावहारिक सीखने को प्राथमिकता देता है। 19 मार्च को शुरू हुई यह पहल अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक जुड़ाव में एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतिनिधित्व करती है। यह यात्रा निष्क्रिय ज्ञान-साझाकरण अभ्यास की बजाय समाधान-संचालित सहयोग के लिए एक इंक्यूबेटर बन गयी है। फील्ड स्टडी प्रैक्टिकल पर किट स्कूल ऑफ मैनेजमेंट (केएसओएम) के 11 छात्रों के साथ 11 यूडब्ल्यूबी छात्र और दो संकाय सदस्य काम कर रहे हैं। साथ में वे स्थानीय व्यापार समूह के सामने आने वाली वास्तविक दुनिया की व्यावसायिक चुनौतियों का विश्लेषण कर रहे हैं और स्थायी समाधान विकसित करने के लिए अपनी संयुक्त विशेषज्ञता का लाभ उठा रहे हैं। इस बीच पांच यूडब्ल्यूबी संकाय सदस्य किट और किस के विभिन्न स्कूलों में व्याख्यान और ज्ञान विनिमय सत्र आयोजित कर रहे हैं, जो महाद्वीपों को जोड़ने वाले एक गतिशील शैक्षणिक वातावरण को बढ़ावा दे रहे हैं। सहयोगात्मक शिक्षण का यह मॉडल वैश्विक शिक्षा में एक उभरती हुई सर्वोत्तम प्रथा है, जहां एक समृद्ध, अधिक विविध शिक्षण अनुभव बनाने के लिए संस्थानों में विशेषज्ञता को एकत्रित किया जाता है। इस पहल का सबसे उल्लेखनीय पहलू स्थानीय डेटा तक निर्बाध पहुंच है, जो छात्रों को प्रासंगिक समाधान प्रदान करने की क्षमता को बढ़ाता है। किट के छात्र अंतरराष्ट्रीय व्यापार ढांचे में अंतर्दृष्टि प्राप्त करते हैं, जबकि यूडब्ल्यूबी के छात्र भारत में उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र का प्रत्यक्ष अनुभव करते हैं जो बात इस पहल को और भी उल्लेखनीय बनाती है वह यह है कि किट एक राष्ट्रीय मिसाल कायम कर रहा है। वाशिंगटन विश्वविद्यालय-बोथेल प्रतिनिधिमंडल का किट और किस के साथ अकादमिक सहयोग एक विनिमय कार्यक्रम से कहीं अधिक है।

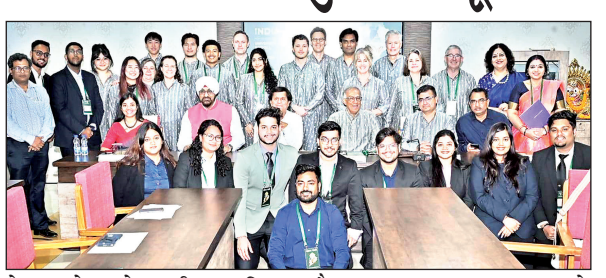

कांग्रेस और पुलिस के बीच झड़प में 12 पुलिसकर्मी घायल

आरोपी बख्शे नहीं जायेंगे : डीजीपी

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों के विरोध में कांग्रेस ने गुरुवार को विधानसभा का घेराव किया था। इसी दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता और पुलिस के बीच झड़प हो गयी। पुलिस महानिदेशक ने कहा है कि वर्दी पर हाथ लगाने वाले को बख्शा नहीं जायेगा। रिपोर्टों के अनुसार, लोअर पीएमजी गुरुवार को एक युद्ध का मैदान बन गया। पहले कांग्रेस कार्यकर्ता ने हाथापाई, कुर्सी, अंडे और पथराव किया। जिस में 12 से ज्यादा पुलिसकर्मी और कुछ कांग्रेस कार्यकर्ता घायल हो गयये। डीजीपी वाइबी खुरानिया ने अस्पताल में घायल पुलिसकर्मियों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि मैं घायलों से मिलने नहीं आया, मैं देखने आया हूं कि असामाजिक लोगों की गतिविधियां कैसी हैं। हम असामाजिक कार्य करने वाले किसी भी व्यक्ति को नहीं छोड़ेंगे। उनको ढूंढ-ढूंढ कर जेल में डाला जायेगा। पुलिस डीजी ने कहा कि उनके खिलाफ कानून के मुताबिक कार्रवाई की जायेगी।

वेतन वृद्धि और पेंशन को लेकर विधानसभा में विधायकों ने की मांग

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। विधायकों की वेतन वृद्धि का मुद्दा विधानसभा में उठा। विधायक ने वेतन और पूर्व विधायकों की पेंशन में वृद्धि की मांग कर रहे हैं। सत्तारूढ़ और विपक्षी दोनों सांसद वेतन वृद्धि की मांग की हैं। विपक्ष की मुख्य सचेतक प्रमीला मलिक ने विधायकों के वेतन में वृद्धि और पूर्व विधायकों की पेंशन में वृद्धि की मांग की है। प्रमिला मलिक ने भाजपा विधायक वास्कर मढेई की अध्यक्षता वाली समिति की सिफारिशों को लागू करने की मांग की। बाजार कीमतें और चिकित्सा खर्च बढ़ गये हैं। इसलिए उन्होंने विधायकों का वेतन और पूर्व विधायकों की पेंशन बढ़ाने की मांग की। विपक्षी दल के उप सचेतक प्रताप देव ने भी मांग की। सत्तारूढ़ दल के विधायक पूर्णचंद्र सेठी ने भी वेतन और पेंशन में बढ़ोतरी की मांग की। समिति के अध्यक्ष भास्कर मढेई ने कहा कि पूर्व विधायक की हालत बहुत दयनीय है। विधायकों को विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए भी धन की आवश्यकता होती है। इसलिए वेतन और पेंशन बढ़ायी जानी चाहिए।

बिजली सेवा देने के लिए टीपी वेस्टर्न ओड़िशा डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड तैयार : सीइओ

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। बुर्ला इस गर्मी के मौसम में निर्बाध बिजली सेवा प्रदान करने के लिए टीपीडब्ल्यूओडीएल द्वारा व्यापक तैयारी की गयी है। पांचों मंडल के जिलों के लिए यह प्रारंभिक तैयारी पूरी कर ली गयी है। इसके लिए टीपीडब्ल्यूओडीएल की ओर से संबलपुर जिले के अंइठापाली में एक बहुमंजिला प्रसाद की घोषणा की गयी है। प्रेस कांफ्रेंस में इन तैयारियों के बारे में विस्तार से बताते हुए टीपीडब्ल्यूओडीएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रवीण बर्मा ने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष में विभिन्न बिजली बुनियादी ढांचे के विकास के लिए कंपनी की ओर से 790 करोड़ रुपये और सरकार की ओर से 498 करोड़ रुपये (कुल 1280 करोड़ रुपये) खर्च किये गये हैं। चालू वित्त वर्ष के दौरान, 33 केवी लाइनों के 24 सीकेएम का उन्नयन किया गया है, 62 सीकेएम नयी लाइनें स्थापित की गई हैं और 5 नए बिजली उप-स्टेशनों (पीएसएस) का निर्माण किया गया है। हालांकि, पिछले दो वर्षों में सभी 9 जिलों में कालबैशाखी की संख्या 52 से बढ़कर 227 हो गई है। इस अघोषित प्राकृतिक आपदा को देखते हुए कंपनी की ओर से 6 घंटे के अंदर बिजली सेवा बहाल करने की पूरी तैयारी कर ली गयी है। इस पूरी तकनीकी तैयारी के साथ-साथ राज्य आपदा प्रबंधन केंद्र, जिला नियंत्रण कक्ष, अग्निशमन सेवा, वन विभाग, सड़क एवं भवन विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग, राज्य सड़क निर्माण निगम, स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय के लिए अलग-अलग टीमों का गठन किया गया है।

पूर्व तट रेलवे ने समय से पहले स्क्रैप बिक्री लक्ष्य को पार किया

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। पूर्व तट रेलव ने वित्तीय वर्ष के समापन से पहले ही 250 करोड़ रुपये के अपने स्क्रैप बिक्री लक्ष्य को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है और उससे भी आगे निकल गया है। रेलवे बोर्ड ने 2024-25 वित्तीय वर्ष के लिए 250 करोड़ रुपये का लक्ष्य निर्धारित किया था, जिसे 21 मार्च, 2025 को प्रभावशाली ढंग से हासिल किया गया, निर्धारित समय से दस दिन पहले। इस तिथि तक, पूर्वी तटीय रेलवे ने कुल 265.62 करोड़ रुपये की स्क्रैप बिक्री दर्ज की है, जो मूल लक्ष्य से अधिक है। पूर्व तट रेलव के महाप्रबंधक श्री परमेश्वर फंकवाल ने स्क्रैप निपटान प्रक्रिया में शामिल पूरी टीम को उनके उत्कृष्ट प्रयासों के लिए बधाई दी। यह उपलब्धि प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक प्रेम नारायण द्वारा स्क्रैप निपटान प्रणाली की निरंतर निगरानी और सूक्ष्म समीक्षा के कारण संभव हो पाई है। इसके अतिरिक्त, लौह, अलौह और गैर-धातु स्क्रैप के साथ-साथ कंडम मशीनरी, वाहन और कार्यालय उपकरण की आधार पर नीलामी की गयी। समय पर निपटान की सुविधा के लिए, पूर्वी तटीय रेलवे 2013 से अपने समर्पित भारतीय रेलवे इ-प्रोक्योरमेंट सिस्टम (आइआरइपीएस) पोर्टल के माध्यम से इ-नीलामी आयोजित कर रहा है।

हिन्दी दैनिक आजाद सिपाही Classified

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित। **संपादक :** हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक*** : विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**